



# भारत का राजनामा The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

1976  
२६

सं० ४१] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ९, १९७६ (आश्विन १७, १८९८)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 9, 1976 (ASVINA 17, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड I

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन स्थायीलयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)**

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक १ सितम्बर १९७६

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हालरिथ) को १ सितम्बर, १९७६ के पूर्वाह्न से ६ मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

१. श्री एम० एल० धवन
२. श्री जे० एल० कपूर
३. कुमारी संतोष हाँडा ।

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एम० एस० छाबड़ा को २-९-१९७६ से ३१-१२-१९७६ तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अन्वेषक के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

२. श्री छाबड़ा कनिष्ठ अन्वेषक के संवर्गबाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के बा० ज्ञा० सं० एफ० १०(२४)—ई III/60, दिनांक ४ मई, १९६१ में निहित उपबन्धों के अनुसार होगा ।

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक अधीक्षकों (हालरिथ) को १ सितम्बर, १९७६ के पूर्वाह्न से ६ मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

१. श्री बी० आर० गुप्ता
२. श्री एम० एम० शर्मा ।

दिनांक ७ मितम्बर १९७६

सं० ए० 12019/3/76-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुसंधान सहायक (हिन्दी) श्रीमती मुझा भार्गव को २३ अगस्त, १९७६ के पूर्वाह्न से २८ फरवरी, १९७७ तक की अवधि के लिए पदाधारा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले

हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० एन० कोल्हटकर,  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 सितम्बर 1976

सं० पी०/1837-प्रशा०-१—इलाहाबाद विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग के भूतपूर्व रीडर, डा० वी० एस० मिश्र को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंबंधीक अधिसूचना दिनांक 23 जून, 1976 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1976 तक उप सचिव के पद पर पहले नियुक्त किया गया था, 30 नवम्बर, 1976 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

ए० एन० कोल्हटकर  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० ए०-35018/4/75-प्रशासन-१—पुलिस उपमहानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के एक अधिकारी श्री एम० ए० अहिवाले को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, वम्बई (सामान्य अपराध स्कन्ध) शाखा में दिनांक 24-8-76 के दोपहरपूर्व से श्रगले आदेश जारी होने तक के लिये निरीक्षक के पद पर अस्थाई रूप से प्रति-नियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

विजय पाल पाण्डे  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते-पुलिस उप-महानिरीक्षक  
दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० जी०-53/67-प्रशासन-५—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री जी० एल० अग्रवाल ने दिनांक 31-8-76 के अपराह्न में प्रशासन अधिकारी (स्था०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० के०-7/73-प्रशासन-५—श्री के० पी० अग्रवाल, उप-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली ने दिनांक 1-7-76

के पूर्वांक में उप-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

विजय पाल पाण्डे  
प्रशासन अधिकारी  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० जी०-3/65-प्रशासन-५—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री जी० पी० द्वंद्वे, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 31-8-76 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जबलपुर शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

पी० एस० निगम  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० पी० एफ०/एस०-१/७०-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री एस० के० सक्सेना, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, लखनऊ शाखा को दिनांक 20 दिसम्बर, 1975 के पूर्वांक से श्रगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थाई रूप से विरिष्ट लोक-अभियोजक के पद पर प्रोत्साहन करते हैं।

यह इस कार्यालय की दिनांक 21-2-76 की समसंबंधीक अधिसूचना के अधिकरण में है।

के० के० पुरी  
उप-निदेशक (प्रशासन)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 सितम्बर 1976

संख्या ए०दो०-207/69-स्थापना—श्री जी० ऊ० राय उप पुलिस-अधीक्षक 46वीं वाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने उनके ए० आर० 56 (जौ०) नियम के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार 13-8-76 (अपराह्न) को त्याग दिया।

## दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० ई०-130/76-स्थापना—मेजर गुरदयाल सिंह, भारतीय स्थल सेवा के अधिकारी, जो कि केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने सेवा निवृत्त होने पर सहायक कमांडेन्ट, 1 सिंगल बटालियन, केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस दल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 31-7-76 के अपराह्न को त्याग दिया।

## II

राष्ट्रपति मेजर गुरदयाल सिंह (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस दल के सहायक कमांडेन्ट के पद पर आगामी आदेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

मेजर गुरदयाल सिंह ने केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस दल की 1 सिंगल बटालियन नई दिल्ली में दिनांक 1-8-76 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार संभाल।

ए० के० बन्दोपाध्याय  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० ई०-32015(4)/1/76-सा०प्रशा०—महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०, श्री शिव कुमार मदान, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक को दिनांक 31 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक महानिरीक्षक/के०ओ०सु०ब०, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप से हिन्दी अधिकारी नियुक्त करते हैं, जिन्होने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

## दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० ई०-38013(3)/4/76-कार्मिक—बड़ौदा से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एम० सेनी, ने दिनांक 10 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से के०ओ०सु०ब० रिज़र्व बल मुख्यालय, नई दिल्ली, के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार संभाल लिया।

## दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० ई०-16014(1)/9/73-कार्मिक—राज्य संवर्ग में प्रत्यावर्तित होने पर श्री आर० के० नियोगी, कमांडेन्ट, के०ओ०सु०ब० यूनिट बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो ने दिनांक 21 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/13/76-कार्मिक—थुम्बा से स्थानान्तरित होने पर, श्री के० जी० थामस, सहायक कमांडेन्ट, के०ओ०सु०ब० यूनिट ग्राइंडस०आर० ओ० थुम्बा ने दिनांक 7 अगस्त 1976 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/4/76-कार्मिक—नई दिल्ली के स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एस० नन्दल, सहायक कमांडेन्ट ने, दिनांक 9 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से के०ओ०सु०ब० यूनिट गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक हुंसराज को दिनांक 31 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अपले आदेश तक के०ओ०सु०ब० रिज़र्व बल का सहायक कमांडेन्ट नियुक्त करते हैं श्रीर उन्होने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया। इनका मुख्यालय महानिरीक्षक/के०ओ०सु०ब०, का कार्यालय, नई दिल्ली में होगा।

ली० सिंह बिष्ट  
महानिरीक्षक

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० 11/4/76-म प० (प्रशा०-एक)—राष्ट्रपति, उड़ीसा में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० के० स्वैन को तारीख 30 अगस्त, 1976 के अपराह्न से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री स्वैन का मुख्यालय कट्टक में होगा।

## दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० 11/10/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, श्री लाल कृष्ण, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को तारीख 6 अगस्त, 1976 के अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में जनगणना निदेशक के कार्यालय में तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री लाल कृष्ण का मुख्यालय पोर्टब्लेयर में होगा।

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, कर्नाटक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० वाई० रेवाशेट्टी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 1 अक्टूबर, 1976 से तारीख 31 दिसम्बर, 1976 तक 3 महीने की ओर अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रेवाशेट्टी का मुख्यालय वंगलौर में ही रहेगा।

सं० 11/4/76—प्रश्ना०—एक—इस कार्यालय की तारीख 30 जून, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में श्रीराम संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, महाराष्ट्र में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अव्यैष्य श्री गार० ई० चौधरी को उसी कार्यालय में तारीख 18 अगस्त, 1976 से तारीख 31 दिसम्बर, 1976 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी का मुख्यालय अस्थाइ में ही रहेगा।

सं० 11/4/76—प्रश्ना०—एक—इस कार्यालय की तारीख 30 जून 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में श्रीराम संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, पश्चिमी बंगाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अव्यैष्य श्री ढी० पी० चटर्जी को तारीख 19 अगस्त, 1976 से तारीख 31 दिसम्बर, 1976 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

बद्री नाथ

उप महापंजीकार और  
भारत सरकार के पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 8 सितम्बर 1976

पत्र क्रमांक बी०एन०पी०/ई०/8/एम-6—इस कार्यालय की दिनांक 6-6-76 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में श्री एम० लक्ष्मीनारायणा की तदर्थं आधार पर उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति 4 सितम्बर, 1976 से 6 माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी  
महाप्रबन्धक

(अर्थ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० 798/ए—मैं, श्री पी० एस० बजाज, स्थायी अनुभाग अधिकारी, भारत सरकार, संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली, को प्रजासत्र अधिकारी के रूप में, गार० प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक

रोड में 9 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से पहली ही बार दो साल के लिये प्रतिनियुक्त शर्तों पर नियुक्त करता हूँ।

सं० 795/ए—श्री आर० एस० पॉल, स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, 23 अगस्त, 1976 से मूल क्षमता के रूप में सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किये गये हैं।

ना० राममूर्ति  
ज्येष्ठ उप-महाप्रबन्धक,  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-1 दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० प्रशासन-I/कार्यालय आदेश 344/पी-एफ/बी०डी०पुरी/1046—एफ० आर०-56(के) के अन्तर्गत इस कार्यालय को दिए गए उनके नोटिस के अनुसरण में ग्रांट इम्प्रिंट समाप्ति पर श्रीमत् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री बी० डी० पुरी, सी०ए०जी० के आवंटी को दिनांक 2-7-76 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

उनकी जन्म तिथि 8 फरवरी, 1923 है।

दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० एडमन-1/5-5/प्रमोशन/76-77/ओ०ओ० 494/1589—श्री एम० एस० बेदी इस कार्यालय के लेखा अधिकारी (स्थायी) वार्षिक निवर्तन आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने के पालस्वरूप दि० 31-8-76 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

उनकी जन्म तिथि 15 अगस्त, 1918 है।

एच० एस० दुग्गल  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
(प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, आंध्र प्रदेश-I

हैदराबाद-500004, दिनांक 8 सितम्बर, 1976

सं० ई० बी० I/8-312/76-77/42—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० आर० कृष्ण मूर्ति को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 21-8-76 के पूर्वाह्न से तब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० १-८-३१२/७६-७७/४४—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री जी० बी० सुब्रह्मण्य राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० ८४०-४०-१०००-५००-४०-१२०० पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर १९-८-७६ अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के बावें पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुख्यर्जी  
प्रबर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार, गुजरात का कार्यालय

ग्रहमदाबाद-३८०००१, दिनांक १० सितम्बर १९७६

सं० एस्ट० (ए०)/जी०ओ०/२(१७८)/२२४९—महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० ए० मेनन को दिनांक २-८-१९७६ के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

सं० एस्ट० (ए०)/जी० ओ०/२(१७९)/२२५१—महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० एस० वैद्य को दिनांक २-८-१९७६ के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

कै० एच० छाया,  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांची-२, दिनांक १० सितम्बर १९७६

सं० ओ० ई० I-आड०-३२५०—महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय की श्रीमती करुणा बोस स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक ३०-८-१९७६ के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ह०/- अपठनीय  
वर्गीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक १६ सितम्बर १९७६

सं० ए०-प्रशासन/१३०/७६—ग्राम विद्युतीकरण निगम लिमिटेड में स्थाई रूप से अन्तर्लंघन के परिणामस्वरूप श्री कै० मुम्बामनियन्, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवायें, का ग्रहण-धिकार अवसान इस विभाग में, मूल नियम १४-ए (डी०) के अधीन, दिनांक १६/६/७६ से हो गया है।

कै० बी० दास भौमिक,  
वरिष्ठ उपनिदेशक  
लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें

### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-२२, दिनांक १४ सितम्बर १९७६

सं० ४००११(२)/७६-प्रशा० ए०—(१) वार्षिक-निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

ऋग सं० नाम, रोस्टर संख्या सहित

ग्रेड

पेंशन स्थापना

संगठन

को अन्तरण की

तारीख

(१)

(२)

(३)

(४)

(५)

सर्वश्री

- |                             |                     |
|-----------------------------|---------------------|
| १. बी० बी० परांजपे (पी०/२०) | स्थायी लेखा अधिकारी |
| २. मधु सुदन लाला (पी०/९२)   | स्थायी लेखा अधिकारी |
| ३. आर० एस० प्रधान (पी०/१२५) | स्थायी लेखा अधिकारी |

३०-११-७६ रक्षा लेखा नियन्त्रक,  
(नी सेना) बम्बई।

३१-१२-७६ रक्षा लेखा नियन्त्रक,  
मध्य कमान, मेरठ।

३०-११-७६ रक्षा लेखा नियन्त्रक,  
मध्य कमान, मेरठ मुख्यालय-२२  
स्थापना द्वारा ५६ ए० पी० ओ० में  
प्रतिनियुक्ति द्वारा

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
<b>सर्वश्री</b>				
4. हरबंस लाल बड़ेरा (पी०/319)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।
5. एस० आर० सेन गुप्ता (पी०/496)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।
6. कृपाल सिंह (पी०/630)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।
7. ओ० डिमेलो (ओ०/81)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।
8. रोशन लाल (ओ०/137)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-1-77	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।
9. नूपेन्द्र भट्टाचार्य (ओ०/142)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-3-77	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	
10. जे० एन० देव भक्त (ओ०/309)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक,	मध्य कमान, मेरठ ।

रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता के संगठन में सेवारत श्री सुकुमार मुकर्जी स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/656), मूल नियमावली के नियम 56 (अ) [अनुच्छेद 459 (ज) सिविल सेवा विनियमावली के तदनुरूप] के प्रावधानों के अन्तर्गत सेवा निवृत्त हो जायेगे और 23 अक्टूबर, 1976 अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए जायेंगे।

(3) निम्नलिखित को, इस विभाग की अधिसूचना सं०-40011 (2)/76 प्रशान्त ए० दिनांक 11-8-76 के पैरा 1 के उपपैरा के रूप में जोड़ा जाता है।

“श्री टी० सी० जेटली, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 3-9-76 से 30-11-76 तक 89 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

एस० बी० सुब्रह्मण्यन,  
रक्षा लेखा उप महानियन्त्रक (प्रशान्त)

### वाणिज्य मंत्रालय

#### वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० ई० एस० टी०-1-2(674)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय के आर्थिक अन्वेषक श्री आजनेय को 12 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (आर्थिक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कां० रा० नीलकंठन,  
उप-निदेशक

### इस्पात और खान मंत्रालय

#### (खान विभाग)

#### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1976

मं० 3/64/19-सी०—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में डीलर के घोड़ (ग्रुप-ख वेतनमान-

650-1200 रु०-संशोधित) में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से स्थायी किया जाता है:—

क्र० सं०	अधिकारियों के नाम	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री ए० एम० एम० राव	3-5-63
2.	श्री आर० एल० गेरा	3-5-63
3.	श्री एच० के० रौता	3-5-63
4.	श्री रत्नन सिंह	3-5-63
5.	श्री पी० सी० धोष	25-8-67
6.	श्री बी० सी० तनेजा	25-8-67
7.	श्री बी० के० सेठी	25-8-67
8.	श्री एन० के० सेठ	25-8-67
9.	श्री के० पी० सेमवाल	25-8-67
10.	श्री बी० पी० नौटियाल	25-8-67
11.	श्री एच० एस० बीर्क	25-8-67
12.	श्री जी० पी० शाह	25-8-67
13.	श्री एम० एस० अनन्त रामेया	8-12-67
14.	श्री आर० पी० जोगलाकेर	8-12-67
15.	श्री बी० टी० जोशी	8-12-67

प्रधिकारियों के नाम	स्थायीकर तिथि की	प्रधिकारियों के नाम	स्थायीकरण की तिथि		
16. श्री एम० सी० रस्तोगी	. . .	8-12-67	61. श्री पी० एस० साहद्वा	. . .	8-12-67
17. श्री आर० रामालिंगम	. . .	8-12-67	62. श्री काली कुमार दे	. . .	8-12-67
18. श्री मनोरंजन चौधुरी	. . .	8-12-67	63. श्री डी० पी० देशमुख	. . .	8-12-67
19. श्री आर० कृष्णन	. . .	8-12-67	64. श्री जी० एस० डी० उपाध्याय	. . .	8-12-67
20. श्री एस० के० बनर्जी	. . .	8-12-67	65. श्री ए० के० मित्रा	. . .	2-6-70
21. श्री बी० एस० वेंकटेसन	. . .	8-12-67	66. श्री के० एस० नेगी	. . .	2-6-70
22. श्री एन० पट्टाभिरमन	. . .	8-12-67	67. श्री एम० जे० स्टिफेन	. . .	2-6-70
23. श्री के० सोमासुन्दरम्	. . .	8-12-67	68. श्री एन० के० देव	. . .	2-6-70
24. श्री एस० के० सेन	. . .	8-12-67	69. श्री के० डी० दत्त	. . .	2-6-70
25. श्री के० ए० देशमुख	. . .	8-12-67	70. श्री बी० के० बनर्जी	. . .	2-6-70
26. श्री पी० के० दत्ता	. . .	8-12-67	71. श्री अमिताभ बगची	. . .	2-6-70
27. श्री आर० के० लम्बा	. . .	8-12-67	72. श्री एम० एन० मुकर्जी	. . .	2-6-70
28. श्री एस० सी० शर्मा	. . .	8-12-67	73. श्री बी० के० सेन	. . .	2-6-70
29. श्री बी० ए० जामबेकर	. . .	8-12-67	74. श्री बी० एस० विरदी	. . .	2-6-70
30. श्री ए० के० कायल	. . .	8-12-67	75. श्री एस० के० थाप्लियाल	. . .	2-6-70
31. श्री बी० सुब्रमनियन	. . .	8-12-67	76. श्री पी० एम० सामुएल	. . .	2-6-70
32. श्री थामस कुरिएन	. . .	8-12-67	77. श्री एन० के० बनर्जी	. . .	2-6-70
33. श्री ए० सी० नटराजन	. . .	8-12-67	78. श्री ए० के० नन्दी	. . .	2-6-70
34. श्री उधम सिंह	. . .	8-12-67	79. श्री के० बी० कपूर	. . .	2-6-70
35. श्री एम० एस० रामास्वामी	. . .	8-12-67	80. श्री के० पी० शर्मा	. . .	2-6-70
36. श्री आर० एन० गोस्वामी	. . .	8-12-67	81. श्री बी० एस० बागी	. . .	2-6-70
37. श्री पी० के० आर० पानीकेर	. . .	8-12-67	82. श्री एस० सी० भट्टाचार्जी	. . .	2-6-70
38. श्री के० के० चौपड़ा	. . .	8-12-67	83. श्री आर० एन० सिंह शर्मा	. . .	2-6-70
39. श्री एस० सी० एस० आयेंगर	. . .	8-12-67	84. श्री आर० के० बाबूत	. . .	2-6-70
40. श्री टी० बी० राय चौधुरी	. . .	8-12-67	85. श्री जे० ए० के० तरीन	. . .	2-6-70
41. श्री पी० आर० दत्ता राय	. . .	8-12-67	86. श्री चिन्मय नियोगी	. . .	2-6-70
42. श्री एस० के० गुप्ता	. . .	8-12-67	87. श्री एस० पी० हाटबाल	. . .	2-6-70
43. श्री एम० एल० धर	. . .	8-12-67	88. श्री आर० बहादुर	. . .	2-6-70
44. श्री एस० के० मित्रा	. . .	8-12-67	89. श्री बी० आर० राव	. . .	2-6-70
45. श्री ए० आर० माधवन	. . .	8-12-67	90. श्री एस० आर० आचार्जी	. . .	2-6-70
46. श्री थामस चाको	. . .	8-12-67	91. श्री मेहरबान सिंह रेवात	. . .	2-6-70
47. श्री एस० आर० दास	. . .	8-12-67	92. श्री के० के० भट्टाचार्जी	. . .	2-6-70
48. श्री आर० के० मग्नन	. . .	8-12-67	93. श्री आर० सदाश्यन	. . .	2-6-70
49. श्री एन० जे० नाथ	. . .	8-12-67	94. श्री बी० सी० मुखर्जी	. . .	2-6-70
50. श्री एस० पी० भट्टाचार्जी	. . .	8-12-67	95. श्री एस० के० बिस्वास	. . .	2-6-70
51. श्री एम० कामेस्वरेन	. . .	8-12-67	96. श्री सत्य नरायण रथ	. . .	2-6-70
52. श्री के० पी० दत्त बर्मन	. . .	8-12-67	97. श्री जार्ज कुरिएन	. . .	2-6-70
53. श्री आर० एस० गांधी	. . .	8-12-67	98. श्री एस० सी० सामन्त	. . .	2-6-70
54. श्री के० कोशी	. . .	8-12-67	99. श्री डी० एन० बनर्जी	. . .	2-6-70
55. श्री पी० टी० चाको	. . .	8-12-67	100. श्री पी० के० चक्रवर्ती	. . .	2-6-70
56. श्री रणबीर सिंह	. . .	8-12-67	101. श्री मीर मंजूर ग्रली	. . .	30-8-71
57. श्री एस० एन० मुखर्जी	. . .	8-12-67	102. श्री एस० पी० पाल्थी	. . .	4-6-73
58. श्री एस० के० शर्मा	. . .	8-12-67	103. श्री एस० पी० पाल्थी	. . .	4-6-73
59. श्री जोगिन्दर सिंह	. . .	8-12-67	104. श्री ए० एम० नाथुर	. . .	4-6-73
60. श्री सी० जकारिया	. . .	8-12-67	105. श्री बिरकेश बिस्वास	. . .	4-6-73

अधिकारियों के नाम	स्थायीकरण की तिथि
106. श्री जयनन्द	4-6-73
107. श्री ए० बी० भौमिक	4-6-73
108. श्री पी० ए० जीकर	4-6-73
109. श्री के० के० बक्शी	4-6-73
110. श्री जहीर आलम	4-6-73
111. श्री एम० एल० फोतदर	4-6-73
112. श्री के० आर० कटोच	4-6-73
113. श्री एस० के० चटर्जी	4-6-73
114. श्री हरपाल सिंह	4-6-73
115. श्री जे० आर० श्रोहरी	4-6-73
116. श्री एस० सी० दीवान	4-6-73
117. श्री एस० के० दुग्धा	4-6-73
118. श्री टी० सी० मारकोस	4-6-73
119. श्री नातेहिश्चप्पा राम कृष्णा	4-6-73
120. श्री यू० एस० पी० गुप्ता	4-6-73
121. श्री बी० सी० दत्त	4-6-73
122. श्री गुदर लाल सहगल	4-6-73
123. श्री तेजप्रताप राय	4-6-73
124. श्री जगदीश राम	4-6-73
बी० के० एस० वरदन, महा निदेशक	

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० 22/66/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स-प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री राम स्वरूप को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भण्डार अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए, उसी क्षमता में, 1-7-1976 के पूर्वाह्न से आज्ञा प्रदान किया गया है।

सं० 40/59 (एस०एस०जे०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एस० एस० जामबाल को रक्षा उत्पादन विभाग, अहमदनगर में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-II के रूप में नियुक्त हेतु 31 मई, 1976 के अपराह्न से पदलाग पर मुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा, खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स-प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री डी० डी० जैन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए, उसी क्षमता में, 1-7-1976 के पूर्वाह्न से आज्ञा प्रदान किया गया है।

सं० 40/59(जी० सी०एस०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री जी० सी० श्रीवास्तवा को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 12 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया है।

सं० 9/58/सी०/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूभौतिकी) को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, प्रत्येक के सामने दण्डीय गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री पी० के० राममोहन	17-6-1976 (पूर्वाह्न)
2.	श्री बी० पुलिया	16-6-1976 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एम० अप्पा राव	16-6-1976 (पूर्वाह्न)
4.	श्री डी० वेंकटराव	14-6-1976 (पूर्वाह्न)
5.	श्री ए० एम० बी० राघव राव	16-6-1976 (पूर्वाह्न)
6.	श्री ए० एस० खोटपाल	14-6-1976 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एम० एस० वेंकटरमानी	16-6-1976 (पूर्वाह्न)
8.	श्री के० के० मुरलीधरन	17-6-1976 (पूर्वाह्न)
9.	श्री आर० बी० सिंह	15-6-1976 (पूर्वाह्न)
10.	श्री के० जगन्नाथ राव	14-6-1976 (पूर्वाह्न)
11.	श्री जी० साम्बी रेण्डी	15-6-1976 (पूर्वाह्न)

सं० 51/62/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा, खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स-प्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री सी० एल० सुरभा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने के लिए, उसी क्षमता में, 1-7-1976 के पूर्वाह्न से, आज्ञा प्रदान किया गया है।

सं० 2181(एन० एन० एस०)/19बी—श्री नृपेन्द्र नाथ साहा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक द्वारा सहायक रसायनज के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 1 जून, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० 2222 (टी० एम०)/19ए—महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा श्री तेजबन्धु महापाल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु०

मासिक के आरंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द०  
रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन-  
मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 30 जुलाई,  
1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० पी० आयंगर,  
उप महा निदेशक  
(मुख्यालय)

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० स्था० 1-5135/724-एस० ओ० एस०—श्री विजय  
कुमार शर्मा को सामान्य केंद्रीय सेवा ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) में  
550-25-750-द० रो०-30-900-रु० के संशोधित वेतन मान  
में 550/- रु० प्रतिमाह वेतन पर, सहायक भण्डार अधिकारी,  
भारतीय सर्वेक्षण विभाग, के अस्थायी पद पर दिनांक 16 अगस्त  
1976 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्थ रूप में  
नियुक्त किया जाता है।

के० एस० खोसला  
मेजर जनरल  
महासर्वेक्षक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० ए-31014/2/75-स्टाफ-6-एस०-द०—महानिदेशक,  
आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जे० एल० श्रोबराय, वरिष्ठ प्रशास-  
निक अधिकारी (तदर्थ), आकाशवाणी, नई दिल्ली को विदेश  
प्रसारण सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधि-  
कारी के स्थायी पद पर 7-5-1975 से आकाशवाणी के प्रशास-  
निक अधिकारी (कनिष्ठ) के संबंध में स्थायी रूप से नियुक्त करते  
हैं।

2. श्री श्रोबराय की पुष्टि इस शर्त पर की जाती है कि उन्हें  
किसी भी समय सार्वजनिक निगम में स्थानांतरित किया जा सकता  
है और निगम के कर्मचारियों पर निर्धारित सेवा शर्तें उन पर भी  
साधू होंगी।

3. समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-2-76 के अनुसार  
पुष्टि सूची में वरिष्ठता के क्रम से श्री श्रोबराय की स्थिति क्रम  
संख्या 9 के सामने श्री एम० रामचन्द्रन और क्रम सं० 10 के सामने  
श्री के० वैकटेशमृति के बीच में होगी।

एस० बी० सेशाद्री  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० 5(67)/67-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी,  
एतद्वारा श्री जे० के० जोशी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी,  
नई दिल्ली को अस्थाई रूप में 23 अगस्त, 1976 से अगले आदेश  
2-276GI/76

होने तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त  
करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

श्रम मंत्रालय  
( श्रम घूरो )

शिमला-171004, दिनांक :

वं० 23/3/76-सी० पी० आई० अगस्त, 1976 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभीक्ता मूल्य सूचकांक (आधार 1960=100) जुलाई, 1976 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 298 (दो सौ अठानवै) रहा। अगस्त, 1976 माह को सूचकांक 1949 आधार पर परिवर्तित किये जाने पर 362 (तीन सौ बासठ) आता है।

(सुकुमार रे)  
उप निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० 17/59/49-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता  
ने श्री आर० पी० शर्मा, स्थायी विक्रेता फिल्म प्रभाग लखनऊ को  
श्री जि० के० डी० नाग, स्थानापन्थ शाखा प्रबन्धक कृति पर चले  
जाने के कारण दिनांक 31-8-1976 के अपराह्न से स्थानापन्थ  
शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग लखनऊ के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय  
नई दिल्ली-1, दिनांक 14 सितम्बर 1976

सं० ए-19013/1/75-स्था०-2—विज्ञापन और दृश्य प्रचार  
निदेशक, श्री डी० सी० रे, तकनीकी सदायक (माडल) को इस  
निदेशालय में क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप  
से, 3 सितम्बर, 1976 पूर्वाह्न से अप्रिम आदेश तक नियुक्त करते  
हैं।

के० एस० श्रीनिवासन  
सीनियर कापी राइटर  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1976

सं० ए-12023/11/76-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-  
निदेशक 31 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक श्री  
बहादुर सिंह बोरा को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में हिन्दी अधिकारी  
के पद पर सर्वथा आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 सितम्बर, 1976

सं० 1-24/75-एडमिन-1—कुमारी कमलेश एम० जी० ने 5 अगस्त, 1976 के अपराह्न से राजकुमारी अमृतकौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में क्लीनिकल अनुदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर, 1976

सं० ए०-22012/27/76-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप और 10 मई, 1976 से 3 अगस्त, 1976 तक 86 दिन का अर्जित अवकाश गुजारने के बाद डा० (श्रीमती) एम० एच० भगत ने 4 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशालय में उप सहायक निदेशक (वार्षिक प्रतिवेदन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० वेणुगोपाल  
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन० एच० 4, फरीदाबाद, दिनांक 8 सितम्बर, 1976

सं० फाईल 4-5(73)/76-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री संतरी प्रसाद को विपणन और निरीक्षण निदेशालय, राजकोट में दिनांक 19 अगस्त, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक अस्थायी आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन मान में विपणन अधिकारी, वर्ग-III, नियुक्त किया जाता है।

रामधार  
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 4 सितम्बर, 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/75-प्रशासन 1088—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, मुम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी सलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री एन० टी० वरवानी को, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर जो कि राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना से विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग को अस्थायी रूप से अंतरित किया गया

है, 11 जून, 1976 के अपराह्न से 16 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न तक, इसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेंट्लेकर  
प्रशासन-अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 7 सितम्बर, 1976

सं० पी० ए० आर०/0704/1681—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, अस्थायी वैशिकितक सहायक श्री के० एस० अशोकन को 30-8-1976 से 30-9-1976 की अवधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री० प० म्हात्रे  
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 सितम्बर 1976

सं० ई० (1) 04381—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० जी० लेले को 20-8-76 के पूर्वाह्न से 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री लेले, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05195/95—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० दास को 16-8-76 के पूर्वाह्न से 12-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दास, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05438—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० मदान को 16-8-76 के पूर्वाह्न से 12-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मदान, स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05493—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० बन्दोपाध्याय को 17-8-76 के पूर्वाह्न से 13-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बन्दोपाध्याय, स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04227—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० दत्ता को 20-8-76 के पूर्वाह्न से 16-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दत्ता, स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05481—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री ए० एन० भान को 26-8-76 के पूर्वाह्न से 22-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 05485—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री ए० छौंदा को 2-9-76 के पूर्वाह्न से 29-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री कुंदा, स्थानापन्न सहायक भौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

गुरुमुख राय गुप्ता  
भौसम विज्ञानी  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

#### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० ए०-३८०१३/१/७६-ईए—नागर विमानन विभाग में विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन के निम्नलिखित अधिकारी प्रत्येक के सामने दिखाए पद पर प्रत्यावर्तित हो गए :-

क्रम सं०	नाम	जिस पद से प्रत्यावर्तित हुए	जिस पद पर प्रत्यावर्तित हुए	परावर्तन की तारीख	पिछली तैनाती का स्टेशन	परावर्तन पर तैनाती स्टेशन
1.	श्री बी० एल० चहूँडा	सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी	विमानक्षेत्र सहायक (शुप 'ग' पद)	4-7-76 अपराह्न	रुकेला	दिल्ली एयरपोर्ट पालम
2.	श्री कविराज सिंह	सहा० निदेशक (सम्पदा)	सहा० विमान-क्षेत्र अधिकारी	9-7-76 अपराह्न	मुख्यालय	सफदरजंग

सं० ए-३८०१३/१/७६-ईए—नागर विमानन विभाग में विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन के निम्नलिखित अधिकारी, प्रत्येक के सामने दिखाई तारीख से मूल नियम 56 (जे) के अधीन सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	स्टेशन	तारीख
1.	श्री एस० के० मौलिक	ब० वि० क्षेत्र अधिकारी	बाराणसी	29-6-76 (अपराह्न)
2.	श्री पी० सी० दुर्गापाल	वि० क्षेत्र अधिकारी	कानपुर	30-6-76 (अपराह्न)
3.	श्री डम्बु० बी० बी० जान	वि० क्षेत्र अधिकारी	मद्रास	22-6-76 (अपराह्न)
4.	श्री एच० छौंदा लाल	सहा० वि० क्षेत्र अधिकारी	सफदरजंग	23-6-76 (अपराह्न)
5.	श्री एस० एच० सुबाराव	"	बमदम	27-7-76 (अपराह्न)
6.	श्री कंवल सिंह	"	सफदरजंग	16-7-76 (अपराह्न)

## विनांक 10 सितम्बर 1976

सं० ए-38013/1/76-ईए—नागर विमान विभाग में विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र संगठन के निम्नलिखित अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त करने पर प्रत्येक के सामने विखाई तारीख से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :—

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	स्थेशन	तारीख
1. श्री बी० एस० मराठे		व० विमानक्षेत्र अधिकारी	नागपुर	30-6-76 (अपराह्न)
2. श्री जे० रैना		सहा० विमानक्षेत्र अधिकारी	सफदरजंग	31-7-76 (अपराह्न)
3. श्री बी० एन० ककड़		उपनिदेशक (विमान परिवहन)	मुख्यालय	31-7-76 (अपराह्न)

विश्व विनोद जौहरी,  
सहायक निवेशक प्रशासन

## वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

न्यू फारेस्ट देहरादून, दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० 16/193/70-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय श्री आर० के० भरतरी का, जो इस समय भारतीय मानक संस्था में उपनिदेशक पद पर कार्य कर रहे हैं, वन संस्थान में उनके अनुसंधान अधिकारी पद से त्यागपत्र 12-1-72 (पूर्वाह्न) से सहर्ष स्वीकार करते हैं तथा उन्हें उसी तारीख से अपने कर्तव्यों से भारतुक्त हुए मान लिया गया है।

पी० आर० के० भट्टनागर  
कुल सचिव

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

नागपुर-440001, विनांक 8 सितम्बर 1976

सं० 15—बी० पी० भरतरिया जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' प्रभागीय कार्यालय भोपाल के पद पर प्रतिस्थापित थे, दिनांक 15-6-76 से 8-10-76 तक 116 दिनों की अर्जित छुट्टी तथा साथ में विनांक 9-10-1976 से 31-3-77 तक 175 दिनों की अर्धवेतन छुट्टी पर गए हैं। उपर्युक्त छुट्टी की समाप्ति होने पर वे सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

सं० 16—श्री एस० आर० दुबे, जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (निरीक्षण समूह) रत्नाम के पद पर प्रतिस्थापित थे, और जो अध्यक्ष, मेडीकल बोर्ड, इन्डौर के मतानुसार भागी सरकारी सेवा के लिए अनुपयुक्त तथा असमर्थ पाए गए हैं, केन्द्रीय सिविल सेवाएं (पेंशन) नियम 1972 के नियम 36 के अन्तर्गत दिनांक 2-8-1976 के अपराह्न में सेवा सुक्त कर दिए गए हैं।

सं० 17—श्री अब्दुल अजीज, जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी रेंज-II, भोपाल के पद पर प्रतिस्थापित थे, और दिनांक 3-8-76 से 30-11-76 तक 120 दिनों की सेवा निवृत्त पूर्व छुट्टी पर गए हैं, छुट्टी की समाप्ति होने पर सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

सं० 18—श्री एस० बनर्जी ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता (तकनीकी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय के पद पर प्रतिस्थापित थे स्थानांतर होने पर दिनांक 12-8-1976 के पूर्वाह्न में प्रभागीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-1, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

सं० 19—श्री डी० पी० माथुर ने, जो पिछले दिनों प्रभागीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग इन्डौर के पद पर प्रतिस्थापित थे, दिनांक 11-8-1976 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

सं० 20—श्री ओंकारनाथ ने, जो पिछले दिनों सहायक समाहर्ता, (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय नागपुर के पद पर प्रतिस्थापित थे, स्थानांतर होने पर दिनांक 1-7-1976 के पूर्वाह्न में प्रभागीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग उज्जैन का पदभार संभाल लिया।

सं० 21—श्री सी० सेन ने, जो पिछले दिनों प्रभागीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क उज्जैन के पद पर प्रतिस्थापित थे, स्थानांतर होने पर प्रभागीय अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, इन्डौर का दिनांक 30-6-76 के पूर्वाह्न में पदभार संभाल लिया।

सं० 22—श्री एम० एस० घाणेकर ने, जो पिछले दिनों निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) के पद पर प्रतिस्थापित थे, स्थानापन्थ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क 'वर्ग 'ख' के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 5-8-1976 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (मूल्यांकन) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

सं० 23—श्री आर० एम० पांडे ने, जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'क' प्रभागीय कार्यालय भोपाल के पद पर प्रतिस्थापित थे, पदोन्नति होने पर दिनांक 17-8-1976 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता (तकनीकी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर का पदभार संभाल लिया।

मनजीत सिंह बिन्द्रा  
समाहर्ता

पटना, दिनांक 20 अगस्त 1976

सं० 11(7) 5-स्था/76—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय पटना के श्री झी० के० भटाचार्यजी, स्थायी अधीक्षक श्रृंग 'ब' जो डेपुटेशन पर बोकारो स्टील लिमिटेड में लेखा पदाधिकारी (उत्पाद) के रूप में कार्यरत थे, वे अपनी सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर दिनांक 31-5-76 अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

सं० 11(7) 5-स्था/0/76—निम्नलिखित अधीक्षक श्रृंग 'बी' केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालिय, पटना में राजपत्रित पद पर पदस्थापित थे, उनके नाम के सामने दिए गए दिनांक तथा समय के अनुसार अपने निवर्तन की आयु पूरी करके सेवा निवृत्त हुए।

क्रम सं०	नाम	निवर्तन की तिथि
1. श्री गोपाल नाथ		30-6-76 (अपराह्न)
2. श्री गोपालशरण प्रसाद		31-7-76 (अपराह्न)
एच० एन० साहू समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना		

#### निरीक्षण निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
नई दिल्ली दिनांक 13 सितम्बर 1976

सं० 11/76—श्री के० राय ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालिय, इलाहाबाद में सहायक समाहर्ता के रूप में काम कर रहे थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रादेशिक यूनिट में, श्री धर प्रसाद के स्थानांतरण हो जाने के कारण रिक्त हुए पद पर, दिनांक 1-9-76 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) शुपै ए का कार्यभार संभाल लिया है।

[सी सं० 1041/51/76] सु० वेंकटरामन्,  
निरीक्षण निदेशक

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 9 सितम्बर 1976

सं० क० 19012/608/76-प्रशा-पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग ने अपने प्रसाव से पर्यवेक्षक, श्री एस० मैती को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियंता के पद पर पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो दिनांक 31 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री एस० मैती ने उपर्युक्त दिनांक एवं समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियंता के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० क० 19012/579/76-प्रशा०५—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए जाने के परिणाम स्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतदद्वारा श्री सुरेश कुमार जैन को केन्द्रीय जल आयोग, में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी-यांत्रिकी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 5 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुरेश कुमार जैन उसी तारीख तथा समय अर्थात् 5-8-1976 से दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होंगे।

सं० क० 19012/615/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से पर्यवेक्षक श्री पार्थोनन्दी को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियंता के पद पर पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपए के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो दिनांक 31 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री पार्थोनन्दी ने उपर्युक्त दिनांक एवं समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/ सहायक अभियंता का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 10 सितम्बर, 1976

सं० क० 19012/421/73-प्रशा-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० एन० डोंगरे, सहायक अनुसंधान अधिकारी, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूण का त्यागपत्र 16 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

जसवंत सिंह  
अवर सचिव  
कुल अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय महाप्रबन्धक,

कलकत्ता-700043, दिनांक 13 सितम्बर, 1976

सं० पी/जी/14/300 ए०१—इस रेलवे के परिवहन (यातायात) और वाणिज्य विभाग के श्रेणी-II के निम्नाकित स्थानापन्न

अधिकारियों का पुष्टिकरण उक्त विभाग की श्रेणी II-सेवा में प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से किया जा रहा है :—

क्रम सं०	नाम	पुष्टीकरण की तारीख
1.	श्री जे० जे० कांजिलाल	28-4-64
2.	श्री आ० पी० लोबो	1-2-73
3.	श्री जी० सिंह	3-2-73
4.	श्री एन० पी० प्रमानिक	17-9-73
5.	श्री ए० एन० दत्त	1-2-75
6.	श्री बी० बोस	1-5-75
7.	श्री आर० बी० चूसे	1-12-75
8.	श्री पी० के० राय	1-1-76
9.	श्री पी० के० बनर्जी	1-2-76
10.	श्री एस० डी० भट्टाचार्य	5-2-76

एम० मेनेजिंग  
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य विभाग  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
(कम्पनी विधि बोर्ड)  
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय  
कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के  
अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और  
नोवा चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के मामले में  
बम्बई, दिनांक 8 सितम्बर 1976

फ० सं० 13771/लिक्वि०—सिविल अर्जी सं० 600 के  
1975 में बम्बई हाईकोर्ट में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख  
29-6-76 के आदेश द्वारा नोवा चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का  
परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है।

पी० टी० राजवाणी  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दू व्यापार कम्पनी  
प्राइवेट लि० (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

दिनांक 9 सितम्बर, 1976

सं० 10608/1957 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (एक) के अनुसरण में एतद्-  
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान

पर हिन्दू व्यापार कम्पनी प्रा० लि० (इन लिक्वीडेशन) का नाम  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट  
दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डब्लू० आर० ड्रापर  
प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

दिनांक 9 सितम्बर, 1976

सं० 10630/220 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956  
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना  
दी जाती है कि डब्लू० आर० ड्रापर प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वी-  
डेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त  
कम्पनी विघटित ही गई है।

एस० नारायणन्  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज, उ० प्र०

कार्यालय आयकर आयुक्त

आयकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

एफ० सं० ओ० एंड सी०-१/प्रका०/डब्ल्यू० टी०/डी० ३/  
75-76/27247—नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त  
परिवारों के नाम की सूची दी गई है जिनका कर निर्धारण वित्तीय  
वर्ष 1974-75 के दौरान 10 लाख रुपए से अधिक के धन पर  
हुआ है (i) मेर 'आई' व्यक्ति की हैसियत का तथा 'एच' हिन्दू  
अविभक्त परिवार की हैसियत का सूचक है और (ii) मेर कर-  
निर्धारण वर्ष (iii) म विवरणी में दिखाया गया धन (iv)  
मेर कर-निर्धारित धन (v) मेर देय धन-कर और (vi) मेर  
निर्धारित द्वारा दिया गया धन-कर बताया गया है :—

- पी० बी०-4743/स्पेशल सर्किल-12, सरदारनी मोहिन्दर  
जसपाल कौर, १-ए, जनपथ, नई दिल्ली (i) आई  
(ii) 1972-73 (iii) 5,25,000 (iv)  
21,06,504 (v) 2,10,280 (vi) 1,50,00
- 22-808-एच० वाई०-8086 श्रीमती शान्ती क्षलानी,  
106, सुन्दर नगर, नई दिल्ली (i) एच (ii)  
1974-75 (iii) 10,22,770 (iv)  
10,22,770 (v) 15,684 (vi) 15,684

अविनाश चन्द्र जैन  
आयकर आयुक्त,

कार्यालय, आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-२०, दिनांक 7 सितम्बर, 1976

1. सं० एफ० 48-एडी(एटी)/76-भा०-II—श्री एस०  
बहौ० नारायणन्, वरिष्ठ आशुलिपिक, आयकर अपील अधिकरण,  
हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी  
धनता में छह महीने के लिए दिनांक 11 मार्च, 1976 (पूर्वाल्प)  
से आयकर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में

सहायक पंजीकार के पद पर स्थानपन्न रूप से नियुक्त किया गया है, देखिये! इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48-एडी (एटी) /76 दिनांक 18 मार्च, 1976, को आय-कर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 11 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से और भी छह महीने के लिए या तब तक के लिए जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० व्ही० नारायणन् को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी। उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोग्रेस किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

2. श्री यू० एन० कृष्णामूर्ति, वरिष्ठ आणुलिपिक, आय-कर अपील अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में छह महीने के लिए दिनांक 11 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से आय-कर अपील अधिकरण जयपुर न्यायपीठ जयपुर में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानपन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये! इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ०-48-एडी (एटी) /76 दिनांक 3 मार्च, 1976 को आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 25 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से और भी छह महीने के लिए या तब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री य० एन० कृष्णमूर्ति उसी श्रेणी में नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी। उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रयत्न सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोग्रेस किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-एडी (एटी) /76-भा० II— श्री बाई० बाल-सुब्रमनियन, अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में छह महीने के लिए दिनांक 25 मार्च, 1976 (पूर्वाह्न) से आय-कर अपील अधिकरण, अहमदाबाद न्यायपीठ, अहमदाबाद में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानपन्न रूप से नियुक्त किया गया था, देखिये! इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ० 48-एडी (एटी) /76 दिनांक 3 मार्च, 1976 को आय-कर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 25 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से और भी छह महीने के लिए या तब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री बाई० बालसुब्रमनियम को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी। उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोग्रेस किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

हरनाम शंकर  
अध्यक्ष

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1133(516)/-1-1/75-  
76-यतः, मुझे, जे० कथूरिया  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी, 415-बी, ए० पी० नं०  
227, सब प्लाट नं० 3/10, टी० पी० एस० नं० 14 है, जो  
दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9-1-76

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री शावणकुमार परमानंदभाई पटेल, गोल बाजार,  
जबलपुर, (एम० पी०) ।

2. श्री सिद्धार्थकुमार परमानंदभाई पटेल, मिल बाजार,  
जबलपुर (एम० पी०) ।

पावर आफ एटारनी होल्डर :—

श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल, नाथा लाल कालोनी, स्टेंडीयम  
रोड, नवजीवन, अहमदाबाद के द्वारा । (अन्तरक)

(2) श्री पटेल बाबूभाई भक्तिदास, 23, उत्तर गुजरात  
पटेल सोसायटी नं० 1, असाधा, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विया गया है ।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 298 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी, 415-बी (भाग), एफ० पी०  
नं० 227, सब प्लाट नं० 3/10, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा  
जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1134(517)/1-1/75-  
76—यतः मुझे, जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उष्टु अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी, 415-बी, (भाग), एफ० पी०  
नं० 227, सब प्लाट नं० 3/11 टी० पी० एस० 14, है, जो दरीयापुर  
काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 9-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उष्टु अन्तरण सिखित में वार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उष्टु अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उष्टु अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उष्टु अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उष्टु अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—276 जी आई०/76

(1) 1. श्री श्रावणकुमार परमानंदभाई पटेल, गोल  
बाजार, जबलपुर (एम० पी०)

2. श्री सिंदार्थकुमार परमानंदभाई पटेल, मिल बाजार,  
जबलपुर (एम० पी०)।

पावर आफ एटारनी होल्डर :—  
श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल, नाथालाल कालोनी, स्टेडियम  
रोड, नवजीवन, अहमदाबाद के द्वारा। (अन्तरक)

(2) श्री अमतालाल बालचंद दास पटेल, न्यू पूर्णिमा  
सोसायटी, ब्लाक नं० 10, असारवा, अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 472 वर्ग गज  
है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी, 415-बी (भाग), एफ० पी० नं०  
227, सब प्लाट नं० 3/11, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो  
दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-76

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1135(518)/1-1/75-

76—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी०, 415-बी० (भाग), एफ० पी०  
नं० 227, सब प्लाट नं० 3/7 टी० पी० एस० 14 है, जो दरीयापुर  
काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 9-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री शावनकुमार परमानंदभाई पटेल, गोल बाजार  
जबलपुर, (एम० पी०) ।

2. श्री सिद्धर्थकुमार परमानंदभाई पटेल, मिल बाजार,  
जबलपुर (एम० पी०) ।

पावर ऑफ अटारनी होल्डर :

श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल नाशालाल कालोनी, स्टेडियम  
रोड, नवजीवन अहमदाबाद के द्वारा । (अन्तरक)

(2) पटेल ईश्वर लाल कुबेर वास, उत्तर गुजरात  
पटेल सोसायटी नं० 1, बंगला नं० 23, असारवा, अहमदाबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल धेनफल 314 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी०, 415-बी० (भाग), एफ०  
पी० नं० 227, सब प्लाट नं० 3/7, टी० पी० एस० नं० 14 है  
तथा जो दरीयापुर-काजीपुर-अहमदाबाद, में स्थित है ।

जै० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1136(519)/1-1/75-76  
—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी०, 415-बी० (भाग)एफ० पी० नं० 227, सब प्लाट नं० 3/6, टी० पी० एस०-14, है, जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-1976

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री श्रावणकुमार परमानंदभाई पटेल, गोल बाजार, जलबपुर, (एम०पी०) ।

2. श्री सिद्धार्थकुमार परमानंदभाई पटेल, मिल बाजार, जलबपुर (एम०पी०) ।

पावर ऑफ एटारनी होल्डर:—

श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल, नाथा लाल कालोनी, स्टेडीयम रोड, नवजीवन, अहमदाबाद के द्वारा। (अन्तरक)

(2) पटेल डाढ़ाभाई मगनलाल उत्तर गुजरात पटेल सोसायटी नं० 1, ब्लाक नं० 72, असारखा, अहमदाबाद। (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 397 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी०, 415-बी० (भाग)एफ० पी० नं० 227, सब प्लाट नं० 3/6, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर, काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-76

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन०एस०—————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू०:- 23-I-1137(520)/1-1/75-76

—यतः मुझे जै० कथूरिया

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 197-बी०, 415 वी (भाग) एफ० पी०  
नं० 227, सब प्लाट नं० 3/8, टी० पी० एस० 14, है, जो दरीयापुर  
काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 17-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री श्रावणकुमार परमानंदभाई पटेल, गोल बाजार,  
जबलपुर, (एम० पी०) ।

2. श्री सिद्धार्थकुमार परमानंदभाई पटेल, मिल बाजार,  
जबलपुर, (एम० पी०) ।

पावर ओफ एटारनी होल्डर :—

श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल, नाथालाल कालोनी,  
स्टेडियम रोड नवजीवन, अहमदाबाद के द्वारा। (अन्तरक)

(2) श्री नारणभाई अम्बालाल पटेल, 80-उत्तर गुजरात  
पटेल सोसायटी नं० 1, असारवा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
विसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंदर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,  
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 267 वर्ग गज  
है तथा जिसका सर्वे नं० 197-बी, 415-बी (भाग) है एफ० पी०  
नं० 227, सब प्लाट नं० 3/8, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा  
जो दरीयापुर, काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीखः 3-9-1976

मोहरः

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस० .....

(1) मैसर्स पटेल आइल मिल, मजेवाड़ी दरवाजा के बाहर,  
जूनागढ़ ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1048(521)/1/75-76—  
यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 33 से 37 तक, है, जो खामड़ोल  
रोड़, मजेवाड़ी गेट के बाहर जूनागढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध  
अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जूनागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों शर्तात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्र्वंजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**रप्रदीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

एक अचल सम्पत्ति जो 2894.40 वर्ग गज भूमि पर स्थित  
है तथा जिसका प्लाट नं० 33 से 37 तक है तथा जो खामड़ोल रोड़  
पर, मजेवाड़ी गेट के बाहर, जूनागढ़ में स्थित है ।

जै० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रीजन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-1-972(522)/1/75-76—  
यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे नं० 2-ए, एफ० पी० नं० 270 तथा 259 टी० पी० एस० नं० 26, हैं, जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1976

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) मैसर्स निर्माण कार्पोरेशन, की ओर से भागीदार:—  
श्री नरेशचंद्र चंदूलाल शाह, 18, हरशाल्ती सोसायटी,  
पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) बेनजीर को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर  
से:—

प्रमुख:—श्री वसंतकुमार लक्ष्मीशंकर जोशी, सूतर वाडो,  
खाड़ीया, अहमदाबाद।  
सेंट्रली:—श्री भूवेन्द्रकुमार रतोलाल ठकर, बापूनगर,  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

9520 वर्ग गज वाली खुली भूमि पर कार्यर्मा टैनेसी हक्क, जिसका सर्वे नं० 2ए, एफ० पी० नं० 270 तथा 259, टी० पी० एस० नं० 26 है तथा जो वासणा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 3-9-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुदत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-९५०(५२३) /१-१/-  
७५-७६ :—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 188, है, जो राजपुर-हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री स्वर्गीय भगवानदास तेज जी खारावाला की सम्पत्ति के एग्जीक्यूटर्स :

1. श्री लालजीभाई भगवानदास खारावाला,
2. श्री जयंतीलाल भगवान लाल खारावाला, खारावाला भवन, मीठाखली, एल्स ब्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) सुमन सजानी को० ओप० हाऊसिंग की ओर से प्रोमोटर्स :—सोसायटी (प्रस्तावित)

1. श्री बनसीलाल चुनीलाल, जवेरी रायपुर, कोटनी पोल, अहमदाबाद ।
2. श्री प्राणजीवनदास विभवनदास मिस्ट्री, सफल कुंज, अम्बीका निवास, ईसनपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 20595 वर्गमील है तथा जिसका सर्वे न० 188 है तथा जो राजपुर-हीरपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० -23-1-971( 524) /-1-1/-

75-76:—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० सर्वे नं० 4461, 4462, 4463, कालूपुर वार्ड नं० 2, है, जो नीशा पोल के सामने, रिलीफ रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कान्ताबेन विघ्ना अमृतलाल, दलमुखभाई हाजी, टी०-28, शांति नगर सोसायटी आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) अखिल भारतीय संस्कृत रक्षक दल, की ओर से द्रष्टी : अहमदाबाद।

1. ललितभाई जेसिंगभाई डामी, सेवांती निवास हीरा जेन सोसायटी, रामनगर, सावरमती, अहमदाबाद।  
2. अमित अरविंदभाई शाह, 7, शांति नगर सोसायटी आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री चन्द्रलाल मणीलाल शाह,

2. श्री ब्रजलाल अमृतलाल शाह, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक चार मंजला मकान जो 191 वर्ग गज भूमिपर स्थित है तथा जिसका सिटी सर्वे नं० 4461, 4462, तथा 4463 कालूपुर वार्ड नं० 2 है तथा जो नीशा पोल के सामने, रिलीफ रोड पर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे. कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1138 (525) / 1-1/-  
75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है) की धारा 26९ ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 295-2, है, जो चांडलोडीया,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 28-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—276 जी आई०/76

(1) श्री डा. हास्ताभाई धनजीभाई पटेल, चांडलोडीया, चिस्ट्री-  
कट अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) ईश्वर कृष्ण को० ओण० हाऊसिंग सोसायटी लि०  
की ओर से :—

प्रमुख : श्री मोहन भाई वल्लभभाई पटेल, कृष्ण  
नगर सोसायटी नं० -3 न्य० बाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बस्त्र किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 के यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1694  
वर्गगज है तथा जिसका सर्वे नं० 295-2 है तथा जो चांड-  
लोडीया अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

हेर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1139 (526) /1-/-  
75-76 :—यतः मुझे, जो० कथूरिया  
शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राप्ति कारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 295-2 है, जो चांडलोडीया डिस्ट्रीक्टः  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 28-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रत्नेन झाह्या भाई पटेल, चांडलोडीया,  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) ईश्वर कृष्ण को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि०  
की ओर से :—

प्रमुख : श्री मोहनभाई वल्लभाई पटेल, कृष्णनगर  
सोसायटी नं० 3, न्यू वाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

एक खुली जमीन वाला लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1694  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 295-2 है तथा जो चांडलोडीया  
अहमदाबाद में स्थित है।

ज० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहृ :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I

अहमदाबाद, विनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-951 (527) /1-1/-

75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 129-1-2, एफ० पी० नं० 26, टी० पी० एस नं० 8 है, जो दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रस्तुत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्जनतः :—

(1) श्री सिद्धार्थ भाई कस्तूर भाई,

2. श्री संजय श्रीनिकभाई, शाही बाग, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) नन्नबाग को० ओप० शुक्रिंग सोसायटी लि०  
विभाग 2, शाही बाग, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषित कारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रांत व पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4512 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 129-1-2, एफ० पी० नं० 26, टी० पी० एस० नं० 8, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर में बी० जे० मेडीकल कालेज के पास, अहमदाबाद में स्थित है।

प्रे० कथूरिया  
सभम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1058 (528) / 1-1/-  
75-76:—यतः मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 1083 है, जो भालका रोड,  
वेरावल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, 15-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौदि किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के  
अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) वेरावल फर्टीलाईजरस एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०  
मैनेजिंग डायरेक्टर : श्री मोहम्मद हाजी उमर  
बलोज, भालका रोड, वेरावल, डिस्ट्रीक्ट: जूनागढ़  
डायरेक्टर : श्री नजीर अहमद मोहम्मद भाई बलोज  
भालका रोड, वेरावल, डिस्ट्रीक्ट जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) पटेल अफीकावाला एण्ड कं० की ओर से :—  
भागीदार : श्री हाजी रहमान रहीमभाई पटेल,  
खाराकुछ, वेरावल, डिस्ट्रीक्ट : जूनागढ़

(अन्तरिती)

(3) 1. सागर आईल मिल, बन्द मिल कम्पाउन्ड के सामने  
भालका रोड, वेरावल ।  
2. सिध्धी करमचन्द मूलचन्द, भालका रोड, वेरावल,  
3. अबदला ब्रदर्स, मैनेजिंग मेम्बर. श्री अब्दुल गनी  
मोहम्मद मलिक, भालका रोड, वेरावल .  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 10634. 23 वर्गगज भूमि पर स्थित  
है तथा जिसका वार्ड नं० 10/83 है तथा जो भालका रोड पर,  
वेरावल, डिस्ट्रीक्ट, जूनागढ़ में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज-I अहमदाबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 15 सितम्बर 1976

निदेश सं० सी० क्य० 23-1-1157 (551)/1-1-75-76  
—अतः, मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० नं० 255-2 है, जो घाटलोडीया  
डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1976  
को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिपल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालाजी हरजीजी ठाकोर, अंकलेश्वरी की चासी  
के पास, शाहपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कृष्णा कारपोरेशन, "मालू छाया", पुराना  
बांज बस टर्मीनस के पास, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 0.34 गंडा  
है तथा जिसका सर्वे नं० 255-2, है तथा जो घाटलोडीया, चांड-  
लोडीया रेलवे स्टेशन के पास, डिस्ट्रीक्ट, अहमदाबाद में स्थित  
है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०

(1) श्री बाबाजी, धीराजी ठाकोर, घाटलोडीया, डिस्ट्रीक्ट  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भूयगंदेव को० ओ० हाऊसिंग सोसायटी लि०  
घाटलोडीया अहमदाबाद

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1158 (552) /1-1/-  
75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 90-2, प्लाट नं० 1 तथा 2 है, जो  
घाटलोडीया, डिस्ट्रीक्ट, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीके  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-1-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
भीष्म ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 6861  
घर्गंज है तथा जिसका सर्वे नं० 90-2, तथा जो घाटलोडीया  
डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी विक्री दो निम्न-  
लिखित विक्री दस्तावेजों द्वारा की गयी है :—

नं०	प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजिस्ट्री नं०	विक्री कीमत
			तारीख	
1.	1	3430 वर्ग गज	16-1-76	रु० 39445. 00
2.	2	3431 वर्ग गज	812	रु० 39456. 50
			16-1-76	

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 15-9-76

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I

अहमदाबाद, विनांक 15 सितम्बर 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1159 (553)/1-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 90-2, प्लाट नं० 3 है, जो घाट-  
लोडीया, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावच्छ  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नानीबेन धर्मपत्नी श्री बाबाजी धीरुजी  
घाटलोडीया, डिस्ट्रीक्ट: अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) भूयंगदेव को० ओप० हाऊर्सिंग सोसायटी लि०  
घाटलोडीया, डिस्ट्रीक्ट: अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 3431 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 90-2, प्लाट नं० 3 है तथा जो  
घाटलोडीया, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1976

भोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1160 (554)/16-60

75-76 :—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गोडल रोड के पश्चिम की ओर, रेलवे  
क्रोसिंग के पास, है जो राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वंसतलाल पोपटलाल मालवी या मनहर प्लॉड  
राष्ट्रीय शाला के सामने राजकोट  
(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल जेरामभाई मालवी, नवजीवन  
सोसायटी, महिला कालेज मेनरोड, पर "पराजीया"  
राजकोट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो 945 वर्गज भूमि पर पर स्थित है तथा  
जो गोडल रोड के पश्चिम की ओर रेलवे क्रोसिंग के पास राजकोट  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1976 के 121-नं०  
बाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-76

मोहर :

प्रलेप प्राईंट ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1075(529)/16-6/75-76

—यतः, मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या पुराना सर्वे नं० 403 है, जो एस० एन० परिषित रोड, वार्ड नं० 16 राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, वै॒ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

5—276जी०आई०/76

1. (1) श्री सीता० राम पी० पण्डित  
(2) श्री वसन्त पी० पण्डित  
(3) श्रीमती० सरस्वती पी० पण्डित,  
विल पर्सी० वी० देसाई, रोड, अम्बई-400 027  
(4) श्रीमती० शारदा मुकर्जी,  
वी० वेसाई० रोड, अम्बई-400 027

(अन्तरक)

2. तक्षशिला को० ओप० हाऊसिहग सोसायटी लि०  
4, रामकृष्ण नगर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए आ सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### मनूसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 9952 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका पुराना सर्वे नं० 403 है तथा जो वार्ड नं० 16, एस० एन० परिषित रोड पर राजकोट में स्थित है।

जै० कथूरिया  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्रलेख आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्ष० 23-1-1140(530)/1-1/75-76  
यतः, मुझे जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सब प्लाट नं०  
1, टी० पी० एस० 8 है, जो दरियापुर काजीपुर अहमदाबाद में  
स्थित है (और इससे उपांचड़ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
मही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्राव: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधोरा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति—

(1) श्रीमती लीलावती बेत लालभाई,  
(2) श्री बल्लभाई कृष्णलाल मजमूदार,  
शाहीबाग—अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) पूरीबेन मावजीभाई बड़ीबार,  
नर्मद कोलोनी के पास,  
उफनाला—शाहीबाग, अहमदाबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 507 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० सब प्लाट  
नं० I, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरियापुर-काजीपुर  
अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

तारीख : 10-9-76

मोदूर :

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्रीमती लीलावती बेन सालभाई,  
(2) श्री बल्लभाई कृष्णलाल मजमूदार,  
शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

अहमदाबाद दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० अ० 23-I-1141(531)/1-1/75-76  
—यतः, मुझे जे० कथृत्रिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा  
269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, एस० पी०  
नं० 2, टी० पी० एस० 8 है, जो दरियापुर-काजीपुर अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
7-1-1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तर्ता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269—घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती निवेदिना बेन प्रविणभाई कडीवार,  
नमंद कालोनी के पास,  
डफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया था।

### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 503 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सब-प्लाट  
नं० 2, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरियापुर-काजीपुर  
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथृत्रिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 10-9-1976।

मोहर:

प्रसूप भाई० टी० एन० एस० .....

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिलोक अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1142 (532)/1-1/75-76  
यतः, मुझे जे० कशूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 अ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयांस करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सब प्लाट सं०  
3 टी० पी० एस० नं० 8 है जो दरियापुर-काजीपुर अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
7-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयांस करने  
का कारण है कि वृथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घर-या घर्ष-प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घर-या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती लीलावती बेन लालभाई,  
(2) श्री बल्लभाई कुण्डलाल मजमूदार  
शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती पुष्पाबेन नरेन्द्र भाई कड़ीवार,  
नरेन्द्र कोलोनी के पास,  
डफ्फनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाष्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन आला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 490 वर्ग गज  
है तथा जिसका सर्वे सं० 151 एफ०-पी० नं० 1, सब-प्लाट नं० 3,  
टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरियापुर काजीपुर अहमदाबाद  
में स्थित है ।

जे० कशूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद ।

तारीख: 10-9-1976

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथन रेंज-1, अहमदाबाद।

अहमदाबाद, विनांक 10 सितम्बर 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1143(533)/1-1/75-76  
—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व  
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है और

जिसकी सं० सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सब प्लाट नं०  
4, टी० पी० एस० नं० 8 है, जो दरियापुर-काजीपुर  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन 7-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
औरथा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, उपने में सुविधा के लिए;

यतः इब्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269 के प्रमुखरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती सीलावती बेन लालभाई,  
(2) श्री बल्लभाई कृष्णलाल मजमूदार  
शाहीबाग, अहमदाबाद।

(प्रस्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रभाई मावजीभाई कडीवार,  
नमंद कोलोनी के पास,  
दफ्तरनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 510 वर्ग गज  
है तथा जिसका सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सर्वे प्लाट नं०  
4, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरियापुर-काजीपुर, अहमदाबाद  
में स्थित है।

जे० कथूरिया  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 10-9-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 1144(534)/1-1/75-76—

यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं. 151, एफ० पी० नं० 1, सब प्लाट नं० 5, टी० पी० एस०-८ है, जो दरियापुर-काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

(1) श्रीमती लीलावती देन लालभाई  
(2) श्री बल्लभाई कृष्णलाल मजनूदार,  
शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री रजीनान्त मावजीमाई कडीवार,  
(2) कनकलता मावजीभाई कडीवार,  
नर्मद कोलोनी के पास,  
इफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जामीन जिसका कुल क्षेत्रफल 740 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 151, एफ० पी० नं० 1, सब प्लाट नं० 5, टी० पी० एस० नं० 8 है तथा जो दरियापुर-काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 10-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए०सी०व्य० 23-1-1145(535)/1-1/75-76—  
यतः मुझे जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि इथाथर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 211-1, 412, 212, ए०-२ (भाग)  
एफ० पी० नं० 260, 261, 262 (भाग) सब-प्लाट 2/2 है,  
जो दरियापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 23-1-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के द्वायित्व में कमी करन या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उत्तर अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
प्रनुसरण में, मैं 'उत्तर अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपाधार (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम:—

(1) श्रीमती तिलोत्तमा चन्द्रबदन लक्ष्मी,  
(2) श्री चन्द्रबदन दुर्गप्रिया लक्ष्मी,  
श्री जबल चन्द्रबदन लक्ष्मी (प्रवयस्क) के  
अभिभावक की हैसियत से :—  
उक्तनाला के पास, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधुकान्त बेन वासुदेव पटेल,  
37, हिन्दू कालोनी, नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तक्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 403 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 211/1, 412, 212-ए०-२ (भाग)  
एफ० पी० नं० 260, 261, 262 (भाग) सब प्लाट नं० 2/2  
है तथा जो दरियापुर-काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितंबर 1976

निवेश सं० ए० सी० व्य० 23-1-1146(536)/1-1/75-76  
यतः, मुझे जो० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसका सर्वे सं० 211-1, 412, 212-ए०-2 (भाग) एफ०  
पी० नं० 260, 261, 262 (भाग) सब प्लाट नं० 2/1 है, जो  
दरियापुर काजीपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपार्द्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1008 का 16) के अधीन 23-1-1976

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय  
ऐसे प्रतिफल के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वितीय  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यद्युपरि अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण, मेरे  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
के अधीन अवधियों, निम्नलिखित अर्थात्:—

- (1) श्रीमती तिलोत्तमा चन्द्रवदन लक्ष्मी
- (2) श्री चन्द्रवदन दुर्गाप्रिया लक्ष्मी (अवयस्क) के  
अभिभावक की हैसियत से:—  
डफनाला के पास, शाहीदारा,  
अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) (1) श्री महेन्द्र बाबूभाई पंचाल,  
(2) श्री बाबू तिकमलाल पंचाल,  
दीपक बलूभाई चार्पंल (अवयस्क) के  
अभिभावक की हैसियत से :  
गार० सी० हाई स्कूल के पास,  
धी कांटा रोड, अहमदाबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्त्वस्वन्धी ध्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से  
किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि या सी  
अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 524 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 211/1, 412, 212-ए०-2 (भाग)  
एफ० पी० नं० 260, 261, 262 (भाग) सब प्लाट नं० 2/1 है  
तथा जो दरियापुर-काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है ।

जो० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद ।

तारीख: 10-9-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए०सी०क्य०-23-1-1147 (537)/एच०/  
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 211/1, 412, 212-ए०-२  
(भाग) एफ० पी० नं० 260, 261, 262 (भाग) सब-  
प्लाट नं० 2/3 हैं जो दरियापुर-काजीपुरा अहमदाबाद में  
स्थित हैं (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 23 जनवरी 1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिहूं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—276 जीआई०/७६

(1) श्रीमती तिलोत्तमा चन्द्रवदन लक्ष्मी

(2) श्री चन्द्रवदन दुर्गाप्रसाद लक्ष्मी

जबल चन्द्रवदन लक्ष्मी (अवयस्क) के  
अभिभाविक की हैसियत से उफनाला के  
पास, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिक)

(1) (1) रमेश चन्द्र गोविंद लाल पंचाल,

(2) श्री विजय कुमार गोविंद लाल पंचाल,  
धी कांटा रोड,

अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 462  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 211/1, 412, 212-ए०-२  
(भाग) एफ० पी० नं० 260, 261, 262 (भाग)  
सब-प्लाट नं० 2/3 है तथा जो दरियापुर, काजीपुर अहमदाबाद  
में स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1,  
अहमदाबाद ।

दिनांक 10 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० य०-२३-१-९८८ (५३८)/एच०/ १-१

७५-७६—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 269-२ है, जो वेजलपुर गांव,  
सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 9 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पटेल शकराभाई पूंजाभाई

उमिया विजय को० ओप० हाऊसिंग सोसाइटी,  
लि०, सैटेलाइट रोड,  
अहमदाबाद-380-015 (अन्तरक)

(2) जयशफाली को० ओप० हाऊसिंग सोसाइटी लि०  
अहमदाबाद की ओर से,  
प्रमुख :—श्री दशरथभाई गोपाल भाई पंचाल,  
शहशालम, भर्णीनगर,  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, अद्वैतस्तानकी के पास लिखित में निए  
जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4235  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 269-२ है, तथा जो  
वेजलपुर में सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास सैटेलाइट रोड  
पर, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिश्री निम्नलिखित  
बो दस्तावेजों द्वारा की गई है :—

बिश्री दस्तावेज नं०	क्षेत्रफल	बिश्री कीमत
567	2117.5 वर्ग गज	रु० 60,348-75
569	2117.5 वर्ग गज	रु० 60,348-75

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ए०सी० क्य००-२३-१-११४८ (५३९)/१-१/  
७५-७६—यतः, मुझे, जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269 घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सबै न० 269-1 है, जो वेजलपुर गांव,  
सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, अहमदाबाद में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 9 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
ऐसे क्षृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री पटेल बबा भाई पंजाभाई,  
उमिया विजय को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०  
सैटेलाइट रोड,  
अहमदाबाद-३८००१५ (अन्तरक)
- (2) जयशकाली को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,  
अहमदाबाद की ओर से,  
प्रमुख : श्री दशरथ गोपालभाई पंचाल  
शाहग्राम, मरणीनगर,  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4840 वर्ग  
गज है तथा जिसका सबै न० 269-1 है तथा जो वेजलपुर  
में, सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, सैटेलाइट रोड पर,  
अहमदाबाद में स्थित है जिसकी बिक्री दो निम्नलिखित दस्ता-  
वेजों द्वारा की गई है :—

बिक्री दस्तावेज न०	क्षेत्रफल	विक्री कीमत
566	2420 वर्ग गज	रु० 68,970/-
564	2420 वर्ग गज	रु० 68,970/-

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 10-९-१९७६

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदश सं० ए०सी०क्य०-२३-१-११४९ (५४०)/ १-१/  
७५-७६—यतः मुझे, जो कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 269-3 है, जो वेजलपुर गांव,  
सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 9 जनवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माणक लाल पूंजाभाई,  
उमिया विजय को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०

सैटेलाइट रोड़,

अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) जयशक्ताली को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
अहमदाबाद की ओर से  
प्रमुख : दशरथभाई गोपालभाई पंचाल,  
पाहश्चालम, मणीनगर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4235 वर्ग  
गज है तथा जिसका सर्वे नं० 269-3 है तथा जो वेजलपुर  
में, सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, सैटेलाइट रोड़ पर  
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिक्री दो निम्नलिखित  
दस्तावेजों द्वारा की गई है :—

बिक्री दस्तावेज नं०	क्षेत्रफल	बिक्री कीमत
565	2117.5 वर्ग गज	रु० 60,348-75
570	2117.5 वर्ग गज	रु० 60,348-75

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आक्यर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1150 (541)/1-1/  
75-76—यतः, मुझे, जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 269-3 है, जो वेजलपुर गांव,  
सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास, अहमदाबाद में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 9 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती डाहीबेन धर्मपत्नी बबाभाई पूजाभाई,  
उमिया विजय को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
सेंटेलाइट रोड़,  
अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) जयशक्ताली को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
अहमदाबाद की ओर से :  
प्रमुख : श्री दशरथभाई गोपालभाई पंचाल,  
पाहुआलम मणी नगर,  
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

खुली जमीनवाला लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4356  
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 269-3 है तथा जो वेजलपुर  
में, सुरेन्द्र मंगलदास बंगला के पास सेंटेलाइट रोड पर अहम-  
दाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिक्री दो निम्नलिखित  
दस्तावेजों द्वारा की गई है :—

बिक्री दस्तावेज नं०	क्षेत्रफल	बिक्री कीमत
568/9-1-76	2178 वर्ग गज	रु० 60,348-75
571/9-1-76	2178 वर्ग गज	रु० 60,348-75

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 10-9-197

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंडी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1047 (542) /10-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथुरा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 है जो खोजा दरबाजा के  
पास, जाम नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय जाम नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 जनवरी  
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ओसमान हाजी हुसेन'  
पटेल कालोनी,  
जामनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री अबाभाई सालेमोहम्मद,  
मुस्लिम बोडिंग ट्रस्ट की ओर से द्रस्टी  
(1) श्री सुलेमान करमभाई, से  
(2) श्री याकूबभाई अब्दुलकरीम पानीवाला,  
रंजीत बाड़, जामनगर। (अन्तरिती)
- (3) श्री गोरखन दास गोपालदास,  
खोजा दरबाजा के पास,  
मठली पीठ, जामनगर (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला मकान जो 5118'-10" भूमि पर स्थित  
तथा जिसका सर्वे नं० 10/1 है तथा जो खोजा दरबाजा  
के पास, जामनगर में स्थित है।

जे० कथुरा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I,  
अहमदाबाद।

दिनांक 10 सितम्बर 1976।  
मोहरः :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) (1) श्री अब्दुल करीम इस्माईल,  
 (2) श्री रफी़ अब्दुल करीम,  
 (3) श्री उमर अब्दुल करीम,  
 कटलरी बाजार, बसाधिया शेरी,  
 वेरावल। (अन्तरक)

(2) (1) श्री बोरा सबीर हुसेन रजबअली जाम  
 (2) श्री बोरा मन्सूर हुसेन रजबअली जाम,  
 मार्केट: एम० सबीर हुसेन एण्ड कम्पनी,,  
 बन्दर रोड, वेरावल। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1059 (543) /4-6/  
 75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 39, ब्लाक नं० I, बार्ड नं० 8,  
 है, जो पुराना कोलीबाड़ बन्दर रोड, मुख्य रोड, वेरावल में  
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेरावल में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन दिनांक 16 जनवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-  
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269८ की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबद्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
 में विद्या गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1137.799 वर्ग भीटर भूमि  
 पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 39 ब्लाक नं० I, बार्ड  
 नं० 8 है तथा जो कोलीबाड़, मुख्य करोड़, वेरावल में स्थित  
 है।

जे० कथूरिया,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1060 (544) /12-1/  
75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० चार लीज़, होल्ड प्लाट, जो काँडला पोर्ट ट्रस्ट के हैं तथा जो पुराना कंडला, तालुका अंजार जिला कच्छ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंजार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28 जनवरी 1976

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० अतुल झग हाउस लिमिटेड,  
वल्डोता भवन,  
117, महिंदि कर्वे भार्ग,  
वर्म्बर्ड-400020। (अन्तरक)

(2) मै० कैमिकल्स एण्ड रेजिन्स प्रा० लि०,  
85, डा० एनी बिसण्ट रोड,  
बर्ली, गर्व्वर्ड-400018। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चार लीज़ होल्ड प्लाट जिनका अलग अलग क्षेत्रफल 1734, 21.5229, 11.12504 और 18289 वर्ग मीटर है तथा जो काँडला पोर्ट ट्रस्ट के हैं तथा जो फैक्टरी तथा अन्य सम्पत्ति के साथ है और जो पुराना कंडला, तालुका अंजार, जिला कच्छ में स्थित है, जिन का पूर्ण विवरण 17-1-76 वाले ईडेंचर में दिया गया है तथा जो अंजार सब-रजिस्ट्रार के पास 28-1-76 को ऋम सं० 126 रजिस्टर किए गए।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

दिनांक : 10-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितंबर, 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1151(545)/1-1-75-76  
—यतः मुझे जै० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), अधा॒रा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 282—2 तथा 282—1, है, जो राणीप, डिस्ट्री-  
ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध असूनुची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भरतीय रजिस्ट्रीकांड अधिकानियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-76

को पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्यों अर्थात् :—

1. (1) सोमचन्द्र मोतीराम भावसार, (प्रन्तरक)  
(2) श्री महासुखराम मोतीराम भावसार, मेंदीकुवा रोड,  
शाहपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

2. जगत दर्शन को० श्रीपरेटीव हाउसिंग सोसायटी लि०  
की ओर से :

प्रमुख :—श्री नवीनचन्द्र केशवलाल भावसार, 6 बीर, विजय सोसायटी, नारायणपुरा, अहमदाबाद।

सेक्रेटेरी :—श्री नटवरलाल बबलदास भावसार, अहमदाबाद।  
मेम्बर :—श्री सूरेशचन्द्र सोमचन्द्र भावसार अहमदाबाद :  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंवत व्यवित्यों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत रथावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध विस्तीर्ण व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, दही इर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 8393 वर्गजून है तथा जिसका सर्वे नं० 282—1, 282—2, है तथा जो राणीप, डिस्ट्रीक्ट : अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसकी बिक्री चार निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा की गयी है :—

नं०	रजिस्ट्रीकूल	सर्वे नं०	क्षेत्रफल	बिक्री कीमत
		नं०/तारीख		
1.	532/	282-2 9-1-76	2628 (भाग)	37,420/-
2.	540/	282-2 9-1-76	2430 282-2-3	36,450/-
3.	541/	282-2 9-1-76	2346 282-1-5	35,190/-
4.	548/	282-1 9-1-76	989 282 (भाग) 281-1-2	14,835/-

जै० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-9-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद विनाक 10 सितम्बर, 1976

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1152 (546)/1-1/  
75-76 :—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 70, एफ० पी० नं० 179, सब प्लाट  
नं० 6, टी० पी० एस०—14 है, जो दरीयापुर—काजीपुर, अहम-  
दाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 (1) श्री शिरीश बनसीलाल, नेताजी रोड, एलिस ब्रिज,  
अहमदाबाद । (अन्तरक)  
(2) शानताबेन बनसीलाल नेताजी रोड, एलिस ब्रिज  
अहमदाबाद ।  
(2) छोटालाल मणलाल, मोटा वाघजीपुरा, दरीयापुर,  
अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 235 वर्गमील  
है तथा जिसका सर्वे नं० 70 एफ० पी० नं० 179, सब प्लाट नं०  
16 टी०पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर,  
अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-9-76

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1153(547)/1-1/  
75-76 :—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा० गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 70, एफ० पी० नं० 179, सब प्लाट  
नं० 6, टी० पी० एस०-14 है, जो दरीयापुर काजीपुर अहमदा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 30-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में भारतीय रूप से वर्णित नहीं विद्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिरीण बनसीलाल

(2) यानता बेन बनसीलाल, नेताजी रोड, एलिस ब्रिज,  
अहमदाबाद  
(अतरक)

2. श्री भरतकुमार यशवंतराई मेहता, III रघूकुल सोसायटी  
शाहीबाग, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 221 वर्गगज  
है तथा जिसका सर्वे नं० 70, एफ० पी० नं० 179, सब प्लाट नं०  
6, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो दरीयापुर काजीपुर,  
अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 10-9-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एस० ——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1154(548) /1-1/  
75-76 :— अत० मुझे जे० कथूरिया,  
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 2929, तथा एम० सी० नं०  
1874, शीट नं० 68, तथा सी० टी० एस० नं० 2935 (भाग)  
शीट नं० 71, स्वाडीया वार्ड-1, है, जो खाड़ीया अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
30-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अस्तियों, प्रथातः :—

1. (1) शम्शूदीन अब्दुलकादर बुखारी सैयदबाड़ा, खानपुर,  
अहमदाबाद

(2) मोतीबेगम सुपुत्री सैयद अब्दुलकादर शम्शूदीन बुखारी,  
सलत वाडा, दिल्ली दरवाजा, अहमदाबाद

(3) नवलसीबेगम सुपुत्री सैयद अब्दुलकादर शम्शूदीन  
बुखारी, सैयद वाडा, खानपुर, अहमदाबाद ।

(4) करीमूनिसा सुपुत्री सैयद अब्दुलकादर एस० बुखारी  
पीरन पीर की दरगाह के सामने, जमालपुर अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) शुभनिधी को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि० पनीया  
बिल्डिंग, गांधी रोड, अहमदाबाद की ओर से :—

प्रमुख :—श्री कुमुदचन्द्र चंद्रलाल,  
रेशेतरी, श्री पटेल रत्नलाल श्रावाभाई, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां दरक्ता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो 118. 7 वर्गगज भूमि पर स्थित है तथा  
जिसका सी० टी० एस० नं० 2929, एम० सी० नं० 1874,  
शीट नं० 68, तथा सी० टी० एस० नं० 2935 (भाग), शीट नं०  
71, खाड़ीया वार्ड नं० 1 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 अहमदाबाद  
तारीख : 10-9-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स श्री ए० एम० कार्पोरेशन अहमदाबाद  
(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९व  
(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकार्यालय (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक १० सितम्बर १९७६

निदेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-११५५(५४९)/१-१/  
७५-७६—यतः मुझे, जो० कथूरिया,  
ग्रामकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु०  
से अधिक है

(ओर जिसकी सं० एफ० पी० नं० ७४९-१-१-२-३, तथा ७५०-  
ए० बी० सी०, (भाग) है, जो छड़ावाड़, अहमदाबाद में स्थित है  
(ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन ६-१-१९७६  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्लेम, उक्त अधिनियम की धारा २६९व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९व की उपधारा (१) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

2. मैसर्स स्टार बिल्डिंस, (गुजरात) अहमदाबाद  
(अंतरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजंत के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभासित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल ६६४ वर्ग गज है  
तथा जिसका एफ० पी० नं० ७४९-१-१-२-३ तथा ७५०-ए-  
बी-सी- (भाग) है तथा जो छड़ावाड़, अहमदाबाद में स्थित है  
तथा जिसकी बिक्री दो निम्नलिखित बिक्री दस्तावेजों द्वारा की गयी  
है नं०

नं० सब प्लाट नं०	क्षेत्रफल	रजिस्ट्रीकृत विक्री कीमत
		विलेख नं०
		तारीख
१. ई-१-३	३००	२५६/- ६-१-७६
२. ई-२	३६४	२५८/- ६-१-७६

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकार्यालय (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

तारीख : १०-९-७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1156(550)/1-1/  
75-76—अतः मुझे जे० कथूरिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 166, सब प्लाट नं० 3, टी० पी०  
एस० नं० 3 है, जो शेखपुर खानपुर हाई कोर्ट रोड, मेट्रो कामशियल  
सेंटर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 17-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ।  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
दायित्व में वर्ती करने या उससे बचने  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हाऊस आफ बेनीफीट (प्रा०) लिमिटेड प्रोप्रायटर, मेसेंस  
एन्टी एंड कम्पनी के डायरेक्टर के मार्फत श्री नानिक साधूराम खायानी  
587, जवाहर कालोनी सरदार नगर अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (i) श्री मोहनबाल वीरजी सोलंकी
- (ii) श्री दामजी वीरजी सोलंकी
- (iii) श्री अमृतलाल वीरजी सोलंकी
- (iv) श्री छोटाला वीरजी सोलंकी

यूनिवर्सिटी केम्पस रोड, बैंक आफ बड़ोदा, नवरंगपुरा, अहमदा-  
बाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होणा, जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

एक स्थावर (अचल) सम्पत्ति—जिसके ग्राउंड तल पर दुकान  
नं० 3 व 4 स्थित है जिन का एफ० पी० नं० 166, एस० पी० नं०  
3 और टी० पी० एस० नं० 3 है और जो हाईकोर्ट भाग, मेट्रो  
कामशियल सेंटर अहमदाबाद में स्थित है, जिनकी निम्नलिखित  
दो भिन्न विक्री दस्तावेजों के अनुसार विक्री से की गई है:—

दु० नं०	बिक्री कीमत	रजिस्ट्रेशन की तारीख।
---------	----------------	-----------------------

रु०		
3	32,500	17-1-1976
4	32,500	17-1-1976

जे० कथूरिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख 10-9-76  
मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1976

निदेश सं० 457/ए० सी० क्ष० 23-807/6-2/75-76-  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रे सं० नं० 503, वडोदरा कसबा है तथा जो 84, सम्पत्तराव कालोनी बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. लीलावती बेन, पारेख पाना चंद भगवान्जी की पत्नी, सम्पत्तराव कालोनी, बड़ोदा,

2. पानाचन्द भगवान्जी पारेख, सम्पत्तराव कालोनी, बड़ोदा (अन्तरक)

(2) 1. लीलावती बेन जयंतिलाल बादानी  
2. हसमुखभाई जयंतीलाल बादानी  
3. हमुभाई जयंतिलाल बादानी  
4. किशोरभाई जयंतिलाल बादानी 84, सम्पत्तराव कालोनी बड़ोदा। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणार्थी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का बंगला, गेरेज और आउट हाउस सहित, जो 84, सम्पत्तराव कालोनी, बड़ोदा में वडोदरा कसबा के रे सं० नं० 503 पर स्थित है, जमीन जिसका कुल माप 10000 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 7108/75 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमादाबाद

अहमादाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निवेश सं० 458/ए० सी० क्य०/23-808/6-1/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' द्वारा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपय से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 464 है, तथा जो रानोली में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित न  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1. चन्द्रकान्त पी० पटेल

2. विठ्ठलभाई पी० पटेल

3. महेन्द्र पी० पटेल

सीनी पुरुषोत्तमदास एस्टेट कारपोरेशन द्वारा उसकी ओर से :—

मारफत : विठ्ठलभाई पी० पटेल

'कामधेनु' रेस कोर्स सर्कल रोड, बड़ोदा (अन्तरक)

2. (1) ठाकोरभाई डाह्याभाई पटेल

(2) दिनकरभाई डाह्याभाई पटेल

मारफत : विठ्ठलभाई पी० पटेल 'कामधेनु' रेस कोर्स सर्कल  
रोड, बड़ोदा। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का मकान (वेरहाउस) नं० 5ए, सर्वे नं० 464 कुल  
माप 8750 वर्ग फुट है तथा जो रानोली में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जनवरी, 1976 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 442 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमादाबाद

तारीख : 6-9-76

मोहर :

प्रापुष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 459/ए०सी० क्यू०-23-809/6-2/75-76—  
ग्रतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मोसे जबलपुर, सर्वे नं० 512/2-1 है, तथा जो  
जेतलपुर बाधा, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब उक्त, अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
8—276 GI/76

(1) पटेल छगनी भाई देसाई भाई  
गांव पादरा, जिला बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रलाल जेठालाल जयस्वाल  
प्रो० राम प्रकाश एस्टेट कारपोरेशन  
8, महाराणी अवाविद कालोनी,  
शार० श्री० देसाई रोड, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में जिये जा सकें।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन तथा अस्थायी बांध काम जिसका सर्वे नं० 512/2-1  
है तथा जो जेतलपुर नाका, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (जमीन  
का कुल माप 1060.5 वर्ग फुट है) तथा जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
बड़ौदा के जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 171/76  
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6-9-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1976

निदेश सं० 460/ए०सी०क्य०-23-707/7-1/75-76-  
मतः मुझे पी० एन० मित्तल  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वार्ड नं० 1, स्टी सर्वे टी० नं० 18, स० नं० 64  
नवसारी है, तथा जो लुसी कुई, नवसारी, जिला बलसार में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हाजी मोहम्मद हाजी इसमाईल जावेरी नवसारी  
(अन्तरक)

(2) 1. श्री मनीभाई रामभाई पटेल  
2. मनमुखभाई मनीभाई पटेल  
3. मनहरभाई मनीभाई पटेल  
4. श्री रमेश भाई मनीभाई पटेल श्री लुसी कुई,  
नवसारी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन व गेरेज सहित तीन मंजला मकान, जमीन का कुल  
माप 3000 वर्ग फुट है तथा जो स्टी सर्वे टीका नं० 18 सर्वे नं०  
64 पर लुसी कुई, नवसारी जिला बलसार में स्थित है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 106 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6-7-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——

(1) श्री हाजी मोहम्मद हाजी इस्माइल जवेरी नवसारी  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना

- (2) 1. श्री मनीभाई रामभाई पटेल  
2. श्री मनसुखभाई रामभाई पटेल  
3. श्री मनहर भाई मनीभाई पटेल  
4. रमेश भाई मनीभाई पटेल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 461/ए.सी० य०-23-707/7-1/75-76-  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० टीका नं० 18 सर्वे नं० 18 नवसारी  
है तथा जो लुंसी कुर्झ, नवसारी जिला बलसार में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
(1908 का 16) के अधीन 19-1-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पांद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका सी० एस० टीका नं० 18, सर्वे नं० 64  
है तथा जो लुंसी कुर्झ ग्राउन्ड, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप  
2000 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के  
जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 107 में प्रदर्शित है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 6-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० ——  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अमहादाबाद  
अमहादाबाद, दिनांक 14-9-1976

निदेश सं० 462/ए०सी०क्य० 23-857/7-1/75-76—  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० ब्लाक नं० 208 है, तथा जो सेंधा ता० ओलपाड, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-1976 को पूर्खोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खोंवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रुस्तम जमशेद मानेकशा  
(2) श्री मानेक जमशेद मानेकशा

(अन्तरक)

(2) श्री मानसिंह जगनीभाई परमार  
सेंधा, ता० ओलपाड, जिला सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

**प्रार्थना :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका ब्लाक नं० 208 कुल माप 25 एक 11 गुंथा है तथा जो सेंधा, ता० ओलपाड, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलसार के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 15 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अमहादाबाद

दिनांक 14-9-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निदेश सं० 463/ए०सी०क्य० 23-858/6-1/75-76—  
अतः, मुझे, पी० एन० मितल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० ढी० टी० नं० 1/9, स० नं० 2, है, जो फते गंज  
बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी

1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रभुदास मणीलाल आचार्य  
मार्फत, कलपना स्टीट मार्ट,  
जुबली बाग के सामने, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री आर्यंशा बेन मूसाभाई जेठारिया तथा अन्य  
नागरवाडा, सैयदपुरा, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका नं० ढी० टी० नं० 1/9, स० न० 2 और कुल  
माप 1872 बर्ग फुट है तथा जो फतेह गंज, बड़ौदा में स्थित है  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी 1976 के  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 943 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मितल:  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-9-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निदेश नं० 464/ए०सी०क्य०-23-859/6-1/75-76--  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० टी० नं० 1/9 सं० नं० 2 है तथा जो फहरांज,  
बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जनवरी 1976

#### को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्तीर्ती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला बेन मणीभाई वैद्य, हाथी पोल, राज्य  
महेल रोड, बड़ोदा।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीना खानु रसूलखान पठान, 3, बोरा कालोनी,  
आजवा रोड, बड़ोदा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यवित्रिया द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नं० डी० टी० नं० 1/9 सं० 5 और  
कुल माप 1870 वर्ग गज है तथा जो फतेह गंज, बड़ोदा में स्थित है  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जनवरी 1976 के  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6940/75 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 14-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निदेश नं० 465/ए० सी० क्य०-23-860/6-1/75-76—  
अस: मझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं०टी० शी० 10/2 सं० नं० 11 है, तथा जो नवाब-बाड़ा, रावपुरा, बड़ोदा में स्थित है (और इसे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतात्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. काजी मुजफर हुसेन अहमद हुसेन  
2. काजी मुमताज बेगम अहमद हुसेन नवाबियाडा, रावपुरा,  
बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमीनाखातु रसूलभाई पठान, 3-बोरा कालोनी,  
आजवा रोड, बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० टी० शी० 10/2 सं० नं० 11 कुल माप 2626 वर्ग फुट है तथा जो नवाबबाड़ा, रावपुरा, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3321/75 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-9-1976

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निदेश सं० 466/ए० सी० क्य०-23-861/19-7/75-76—  
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं० रे० सं० नं० 151 है तथा जो मजूरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल 15 प्रतिशत का अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री दीना नाथ पूनमचन्द्र सचिन हाऊस के पास,  
सग्रामपुरा, सूरत।  
(अन्तरक)

(2) श्री दीन बन्धु को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी।  
प्रमुख : भारत रमणलाल।  
सेकेटरी : चंद्रकान्त चिमतलाल भातार रोड, ज़कातनाका  
के पास, सूरत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रे० सं० नं० 151 कुल माप 5229 वर्ग गज है तथा जो मजूरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 356 और 743 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-9-1976  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निदेश सं० 467/ए० सी० क्यू०-23-862/19-7/75-76—  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० न० 132 पैकी है तथा जो मजूरा, जिला सूरत  
में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से शृण्ठि  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्र करण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नियित  
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, इधाने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9—276GI/76

(1) श्री शशीकांत चन्द्रलाल सचिन हाउस के पास संग्राम-  
पुरा, सूरत।  
(अन्तरक)

(2) श्री ललुभाई रामभाई पटेल वराड, ता० बारडोली।

(अन्तरिती)

(4) श्री चन्द्रलाल कालीदास सचिन हाउस के पास  
संग्रामपुरा, सूरत।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवज्ज्ञ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० न० 132 पैकी कुल जाप 5330 वर्ग  
गज है तथा जो मजूरा सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
305 और 346 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख : 16-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निदेश सं० 468/ए० सी० क्य०-23-863/19-7/75-76—  
यतः मूल्य, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसको सं० नं० 132 पैकी है जो मजूरा, सूरत में विथित  
है (और इससे उपावद्ध : अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी है कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य रान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तराल)  
और अन्तरिती (अन्त रेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किस आय या विसी धन या अन्य आरितियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबंध नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा० (1) के अनुरूप  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित वृक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शशीकान्त चन्द्रलाल सचिन हाउस के पास,  
सग्रामपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सोमाभाई हीराभाई पटेल सिकर, ता० वालोद।  
(अन्तरिती)

(4) श्री चन्द्रलाल कालीदास सचिन हाउस के पास  
सग्रामपुरा, सूरत।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितबद्ध है)

को यह उचित जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा० तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दे और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुगूणी

जमीन जिसका सं० नं० 132 पैकी कुल माप 5330 वर्ग  
गज है तथा जो मजूरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
306 और 347 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 16-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1745/75-76—अतः  
मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खाली प्लाट क्षेत्रफल 481<sup>½</sup> वर्ग गज  
है तथा जो गुरदेव नगर लूधियाना में स्थित है (और इससे  
उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
का, अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री कुन्ठा सिंह,  
(ii) श्री हरजिन्द्र सिंह,  
(iii) श्री जगमोहन सिंह} पुत्र श्री मोहिन्द्र सिंह  
निवासी कोठी नं० 311, सेक्टर 7 प० चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी सं० गुरचरन सिंह  
निवासी गांव लौंगा दोना तहसील  
जीरा, आजकल मारफत सहायक मंडल अटारी मण्डल न्यायालय,  
लूधियाना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के आर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में इकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**संख्याकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खाली प्लाट क्षेत्रफल 481<sup>½</sup> वर्ग गज जिसका खासरा  
नं० 74

16	—	2	2	1
		2	2	5
			1	2

खासा नं० 1889/2036 जमाबन्दी 1970-71, जोकि गुरदेव नगर,  
लूधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 7170 जनवरी 1976  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कर्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/1752/75-76—अतः  
मुझे ग० प० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1615 खाली प्लाट सहित है  
तथा जो शिमला पुरी (गिल नं० 2) तहसील लूधियाना  
में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अथवा :—

(1) श्रीमती सुरिन्द्र कोर पुत्री श्री हजारा सिंह पुत्र  
श्री मंगल सिंह निवासी 286 अबाद पुरा जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री साधु राम पुत्र श्री सुलसी  
राम निवासी पेदनी कला, तहसील धूरी जिला संगमर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**रपट्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1615 खाली प्लाट सहित क्षेत्रफल 1000  
बर्ग गज जिसका खसरा नं० 832 खाता नं० 182/232 है  
और जोकि शिमला पुरी (गिल नं० 2) तहसील लूधियाना  
में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 7241 जनवरी  
1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कार्यालय में  
लिखा है।)

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निर्देश सं० के० एन० एल०/1894/75-76—अतः मुझे  
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्परात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 9 बिघे 3 बिस्ते है तथा जो गांव करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरजीत सिंह मुत्र श्री सन्त राम, निवासी ए०/473 सदर बाजार, करनाल। (अन्तरक)

(2) सर्वं श्री बलबन्त सिंह और शेर सिंह पुत्र लधा सिंह निवासी ई०/६ मुभाश गेट करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन बो अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, इधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 9 बिघे 3 बिस्ते उस भूमि में से जिस का खेत नं० 2171 खतौनी नं० 4786 और खसरा नं० 6513 मिन 6515/2-11, 6518/0-10, 6522/1-13 है जोकि मेरठ रोड करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5496 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

ग० प० सिंह  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० के० एन० एल०/1895/75-76—अतः मुझे  
ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 बिघे 13 बिस्बे है तथा  
जो जी० टी० रोड बाई पास मेरठ रोड करोसिंग के नजदीक  
करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976  
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने वा कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, रैसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह ग्रन्थि अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेर सिंह पुत्र श्री लधा सिंह, निवासी ई० 6  
मुभाश गेट करनाल (अन्तरक)

(2) मै० मान कोलड सटोरेज द्वारा श्रोमती जानकी  
देवी विधवा चौधरी रनधीर सिंह निवासी रनधीर लेन मान  
फिलिंग सटोरेज के नजदीक जी० टी० रोड करनाल (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बिघे 13 बिस्बे उस भूमि में से जिस  
का खसरा नं०

(क) 8296 मिन दक्षिण, 8287, 8288 मिन

2	2
0-2	1-19

8290 मिन उत्तर, 8306 मिन, खेवट 2078 खतौनी नं० 4657

0-19 2

(ख) 8305 मिन

0.7 बिस्बा
------------

नं० 2770/27,

(ग) 13379 8306

8309	1
------	---

3-14	4-11	4-5
------	------	-----

खसरा नं० 8308/2 वीधा 15 बिस्बे।

खेवट नं० 1100, 1101 खतौनी नं० 2731-32 है  
जमावन्दी 1969-70 जोकि जी० टी० रोड बाई पास मेरठ, रोड  
करोसिंग के नजदीक करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5507 जनवरी 1976 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्रेरणा आर्ड० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निर्देश सं० के० एन० एल०/1896/75-76—ग्रतः  
मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि धेनफल 2 विधे 19 विस्वे है तथा जो कमबा करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स० बलवन्त सिंह पुत्र स० लघा सिंह निवासी ई०/६ सुभाश गेट करनाल (अन्तरक)

(2) मै० मान कोलड सटोरेज करनाल द्वारा श्रीमती जानकी देवी विधवा चौधरी रनधीर सिंह निवासी रनधीर लेन मान फिलिंग सटेशन के नजदीक (पट्टोल पम्प) जी० ई० रोड करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि धेनफल 2 विधे 19 विस्वे उस भूमि में से जिस का खसरा नं० 8286 मिन दक्षिण, 8287, 8288 मिन, 8306

2	2	2	2
0-2	1-19	2-8	0-10

8290

मिन उत्तर

0-19

खेवट नं० 2078, खतौनी नं० 4657 है जोकि जी० ई० रोड बाई पास मेरठ रोड करोसिंग के नजदीक करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीफ्ट के विलेख नं० 5508 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० के० एन० एल०/1897/75-76—अतः  
मुझे य० प० सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 बिघे 10 1/2 विस्ते हैं  
तथा जो कसबा करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठ्य गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से फथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी  
ई०/६ सुभाष गेट करनाल (अन्तरक)

(2) मै० मान कोसड सटोरेज करनाल द्वारा श्रीमती  
जानकी देवी विधवा और्धवी रनधीर सिंह, रनधीर लेन,  
जी० टी० रोड, करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के अवधि या तस्म्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बिघे 10 1/2 विस्ते उस भूमि में से  
जिस का खसरा नं०

8305

(क) — मिन उत्तर खेवट नं० 1151 खतौनी नं०  
0-7

2770

—,

27

13379	8306
(ख) — मिन उत्तर,	— मिन उत्तर,

8209	1
------	---

3-14	4-11
------	------

8207	8308
------	------

— मिन उत्तर,	— मिन पश्चिम
4-5	2-15

खेवट नं० 1100-1101, खतौनी नं० 2731-31 है।

जोकि जी० टी० रोड बाई पास मेरठ रोड करोसिंग  
करनाल में स्थित है।

(जिसे कि रजिस्ट्रीक्यूट के विलेख नं० 5509 जनवरी,  
1976 में रजिस्ट्रीक्यूट अधिकारी करनाल के कार्यालय में  
लिखा है।)

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० के० एन० एस०/1998/75-76—अतः  
मुझे ग० प० सिंह,

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पात्रात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बिंदे 2 विस्त्रे है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता क्षिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया अन्तरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित :—व्यक्तियों, अर्थात्

10-276GI/76

(1) स० शेर सिंह पुत्र श्री लधा सिंह, निवासी ई०/६ सुभाष गेट, करनाल  
(अन्तरक)

(2) मै० मान कोलड सटोरेज करनाल, द्वारा श्रीमती जानकी दंवी विधवा चौधरी रनधीर सिंह निवासी रनधीर लेन मान किलिंग सेटेशन के नजदीक जी० टी० रोड, करनाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, शधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उरा अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बिंदे 2 विस्त्रे उस भूमि में से जिस का खसरा न०

13379	8306
— मिन उत्तर,	— मिन उत्तर
8309	1
3-14	4-11
8307	8308
— मिन उत्तर	— मिन पांचम खेवट न०
4-5	2-15

1100-1101 खतोनी न० 2731-32 जगाबन्दी 1969-70, जोकि जी० टी० रोड बाई पास मेरठ रोड करौसिंग के नजदीक करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 5528 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निर्देश सं० के एन० एल०/1899/75-76—अतः  
मुझे ग० प० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अन्त में सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भू०प क्षेत्रफल 3 बिहे 5 1/2 बिस्वे है तथा जो कसवा करने वा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1976 को पूर्ववत् सम्पत्ति के चित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनियत की गई है और मुझे यह विवास करने वा कारण है कि यथापूर्ववत् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिःत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरेतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादः गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण वा हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री बलबन्त सिंह निवासी ई०/६ मुम्भां गेट करनाल (अन्तरक)

(2) मै० मान कोलड सटोरेज करनाल द्वारा श्रीमती ज्ञानकी देवी विधवा चौधरी रनधीर सिंह, निवास स्थान का पता रनधीर लेन, मान फिलिंग स्टेशन के नजदीक (पट्टोल पम्प) जी० टी० रोड करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बिहे 5 1/2 बिस्वे उस भूमि में से जिस का खसरा नं०

13379	8306
_____	मिन उत्तर,
8309	4-11

3-14	
8307	8308
_____	मिन उत्तर,
4-5	खतोनी नं० 2731-32 2-15

खेत नं० 1100-01 जमावन्दी 1969-70 जोकि जी० टी० रोड वाई पास, मेरठ रोड करौली के नजदीक करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5530 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्र० पूरुष आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर 1976

निदेश सं० के०एन०एल०/1900/75-76—अतः मुझे  
ग० प० सिह, (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व, जो  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 बीघे 4 बिस्बे है तथा जो करनाल  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,  
1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुरुदीप सिह  
(2) गुरुचर्ण सिह } पुत्र खान सिह

निवासी दिल्ली, द्वारा श्री मोहर सिंह पुत्र श्री कम सिह,  
विशेष प्राभिकरण शक्ति, माल रोड, डी० री० के निवास स्थान के  
नजदीक, करनाल।  
(प्रन्तरक)

(2) (i) रजिन्द्र सिह } पुत्र मोहर सिह  
(ii) हरिन्द्र सिह }

निवासी माल रोड, करनाल।  
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त उत्तर संपत्ति के हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अधृत 20क में विवरित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 बीघे 4 बिस्बे, उस भूमि में से जिस ता खसरा  
नं० 2899/2, 8296/2, 8295/2, 8233/2 और 8292/1 है  
जो कि डी० रोड बाई पास भेरठ-रोड करीसिंग 1-10 के  
नजदीक करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5781 जनवरी 1976  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल में कार्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राईंटी १० एन० एस० —————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० के०एन०एल०/1901/75-76—प्रति: मुझे,  
ग० प० सिह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल 15 मरले हैं तथा जो गांव मंगलपुर तहसील और जिला करनाल में स्थित है (और हस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वह मैं दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसीं आय की बदल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसीं धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ति :—

1. श्रीमती कलावती विधवा स्वर्गीय श्री जगदीश चन्द्र पुत्र लाला सीता राम, निवासी मुहल्ला धोवियां, करनाल। (अन्तरक)

2. सर्वे श्री (i) सुशील कुमार  
(ii) अशोक कुमार  
(iii) सन्धीव कुमार  
(iv) अश्विनी कुमार  
(v) अमृत कुमार } पुत्र लाला राम स्वरूप  
(vi) श्रीमती कुसम लता } पुत्रियां लाला राम स्वरूप  
(vii) श्रीमती पुष्प लता }  
(viii) श्रीमती रिक्षा लता }  
(ix) श्रीमती रूपवती }

मार्फत मै० तेलूराम रामस्वरूप नावलटी रोड, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या क्षत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायी सम्पत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल, 15 मरले (5294 वर्ग गज) खेड़ नं० 4, खतोनी नं० 9, खसरा नं० 24/18, 31/3, 1/1-18 23/6-160-1 जो कि गांव मंगलपुर तहसील और जिला करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5819 जनवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल में कार्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 3 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्र० ३० प्र० ४० एस० ५०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़  
 चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० सी० एच० डी०/1876/75-76—अतः मुझे, ग० प०  
 मिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० एस० सी०/एफ नं० 1001, 1002, 1003 हैं  
 जो सैक्टर 22-बी चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपांच अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन, मार्ख, 1976  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि पश्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमती शान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह  
 (ii) श्री सोहन सिंह } पुत्र श्री योर सिंह  
 (iii) श्री मोहन सिंह } पुत्र श्री नारायण सिंह  
 (iv) श्री गुरमेल सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह  
 (v) श्री मलकीयत सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह
- निवासी एस० सी० एफ नं० 1001 से 1003 सैक्टर 22-बी  
 चण्डीगढ़ । (अन्तरक)
2. (i) स० प्रेम सिंह पुत्र श्री सौदागर सिंह  
 (ii) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री प्रेम सिंह

- |   |  |
|---|--|
| (iii) श्री बलबीर सिंह<br>(iv) श्री जगतार सिंह<br>(v) श्री कुलदीप सिंह<br>(vi) श्री हरगोविंद सिंह<br>(vii) श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री जगतार सिंह<br>(viii) श्रीमती जितन्द्र कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह<br>(ix) श्रीमती सरबजीत कौर पत्नी श्री बलबीर सिंह | } पुत्र श्री प्रेम सिंह<br>}<br>}<br>}<br>}<br>} सभी निवासी मकान नं० 113, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ ।<br>(ग्रन्तरिती ) |
|---|--|

3. (i) मै० मिनर्वा रैस्टोरेंट  
 (ii) मै० नन्दू फार्मसी  
 (iii) म० कै० डी० शमरा एन्ड सन्ज  
 (iv) म० सरदार ट्रेडिंग कारपोरेशन  
 (v) म० साहू राम टैक्सटाइलज  
 (vi) म० एम० ज० टैक्सटाइलज कारपोरेशन  
 (vii) म० भारत टैक्सटाइलज  
 (viii) म० बांसल ब्रदर्स  
 (ix) म० बी० एस० टैक्सटाइलज  
 (x) म० श्रीम प्रकाश अमर नाथ  
 (xi) म० आजाद टैक्सटाइलज  
 (xii) म० बचन एंड कम्पनी  
 (xiii) म० जय टैक्सटाइलज  
 (xiv) म० आल इन्डिया प्रिन्टिंग हाउस  
 (xv) म० टर्बन सेंटर

सभी किरायेदार एस० सी० एफ नं० 1001, 1002, 1003,  
 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)  
 को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्ठ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
 से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

एस० सी० एफ नं० 1001, 1002 और 1003 सैक्टर 22-बी,  
 चण्डीगढ़ (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1428 मार्च 1976  
 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है) ।

ग० प० सिंह  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 13 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर, 1976

निदेश सं० आर०टी०के०/(डी०एल०आई०)/1/76-77—  
अतः, मुझे, ग० प० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धी धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति नं० 171 वार्ड नं० IX है तथा जो किला रोड रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हीरानंद पुत्र श्री हरनाम दास  
निवासी 6/296, गीता कालोनी, इलाका शाहदरा, दिल्ली-31।  
(अन्तरक)

2. श्री बहादुर चन्द्र पुत्र श्री साई दित्ता मल मारफत जगद्व्याक्ताथ हाऊस, किला रोड, रोहतक।  
(अन्तरिती)

3. श्री इशर दास, दुकान नं० 171 वार्ड नं० IX,  
किला रोड, रोहतक।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितषद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही  
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 171 वार्ड नं० IX जो कि किला रोड, रोहतक में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 137 अप्रैल 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में लिखा है)।

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 13 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० के०एन०एल०/1/76-77—अतः मुझे ग० प०  
सिह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 1200 वर्गगज जोकि मकान नं० डब्लू-III/422 का भाग है तथा जो माल रोड करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विद्या सागर गुप्ता एडब्लूकेट पुत्र श्री चमन साल निवासी डब्लू-III/422, माल रोड, करनाल।

(अन्तरक)

2. मैं ज्ञान प्रकाश एंड सन्स, भट्टे वाले, चौड़ा बाजार, करनाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रष्ठा 1 की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रष्ठा 1 की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रधीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का प्लाट क्षेत्रफल 1200 वर्गगज जोकि मकान नं० डब्लू-III/422 का भाग है और माल रोड करनाल में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेखन नं० 547 अप्रैल 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 13 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० के०एन०एस०/1944/75-76—अतः मुझे  
ग० प० सिह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और  
जिसकी सं० भकान नं० 422 का भाग है तथा जो सैक्टर III,  
माल रोड करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विद्या सागर गुप्ता एडवोकेट भकान नं० 422, सैक्टर III,  
माल रोड करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री शाम लाल अग्रवाल पुत्र श्री शंकू भल  
भकान नं० 422, सैक्टर III, माल रोड करनाल।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अमुसूची

भकान नं० 422 का भाग, सैक्टर III, माल रोड, करनाल।  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 6814 मार्च 1976 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, करनाल

दिनांक 13 सितम्बर 1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० एल०डी०एच/सी०/1738/75-76—यतः मुझे  
ग० प० सिह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 15 मरले हैं तथा जो  
तरफ कोरा बारा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
इन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से विधित नहीं विया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, ऐपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

11-276 GI/76

1. स० भाग सिंह पुत्र स० हरी सिंह निवासी तरफ कारा  
बारा तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. न्यू इण्डिया कालोनाईजरज 55, भदौड़ हाऊस, लुधियाना  
द्वारा श्री बाल कृष्ण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 15 मरले जोकि तरफ कारा बारा  
तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल के बिलेख नं० 7023 जनवरी 1976  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)

ग० प० सिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 13 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० पंल० छी० पंच०/सी०/1740/75-76—अतः मुझे,  
ग० प० सिहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 15 मरले हैं तथा जो  
तरफ कारा बारा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1976को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. स० भाग सिंह पुत्र स० हरी सिंह निवासी तरफ कारा  
बारा तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. न्यू इण्डिया कालोनाइजरज 55, भद्रौड़ हाऊस लुधियाना  
द्वारा श्री बाल कृष्ण। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।**अनुसूची**भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 15 मरले जोकि तरफ कारा बारा  
तहसील लुधियाना में स्थित है।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 7047 जनवरी 1976  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़तारीख: 13 सितम्बर 1976 ।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० सो०एच०डी०/1877/75-76—यतः मुझे,  
ग० प० सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3253 है तथा जो सैवटर 15-डी  
चण्डीगढ़ में स्थित है (और जिससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वस के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरिंद्र पाल सिंह पुत्र श्री रवेल सिंह, निवासी 1357  
सैवटर 15-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मुख्यार सिंह पुत्र श्री भगत सिंह,  
2. श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री मुख्यार सिंह और  
3. श्री बलकार सिंह पुत्र श्री मुख्यार सिंह, निवासी  
मकान नं० 3253 सैवटर 15-डी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3253 सैवटर 15-डी, चण्डीगढ़।  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1429 मार्च 1976 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० सी०एच०डी०/1678/75-76—यतः मुझे,  
ग० प० सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 भाग अधूरा मकान नं० 3061, सैकटर 21 डी, चण्डीगढ़ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र नाथ सूद, पुत्र श्री कन्वर लाल निवासी मकान नं० 94, सैकटर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अंतरक)

(2) श्री कन्वर लाल पुत्र श्री मेहर चन्द निवासी मकान नं० 94 सैकटर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग अधूरा मकान नं० 3061 जोकि सैकटर 21-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1233 फरवरी 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269य (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़  
 चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/ 1843/75-76—यतः  
 मुझे ग० प० सिंह  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 ह० से अधिक है  
 और जिसकी सं० प्लाट नं० 133-एच० क्षेत्रफल 500 वर्गजग  
 है तथा जो सराभा नगर तहसील लुधियाना में स्थित है (और  
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या  
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

(1) मैं० जैन लैंड एण्ड फाईनेंस कम्पनी लुधियाना द्वारा  
 श्री मुर्ती लाल जैन पुत्र श्री कुन्दन लाल जैन, निवासी बी VIII-4  
 गोकल रोड लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री कर्म चन्द्र हांडा पुत्र श्री हंस राज हांडा निवासी  
 7 ग्रीन पार्क लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 133-एच क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जोकि सराभा नगर लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 8261 मार्च 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 13 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर, 1976

निदेश सं० एलडीएच०/1821/75-76—यतः मुझे, ग० प०  
सिह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 27 एच है तथा जो सराभा नगर लुधि-  
याना में स्थित है (और इससे उपागढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

असः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधारी लाल जिदल पुत्र श्री चर्णदास जिदल मारस्ता  
नवयुग ट्रेडिंग कार्पोरेशन, मोहिद्रा मार्केट, लकड़ बाजार, लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति प्रकाश कौर पत्नी श्री करतार सिंह, 502 अकाल  
गढ़ कादीयां जिला गुरदास पुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 27 एच क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो कि सराभा  
नगर लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8069 फरवरी 1976  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

ग० प० सिह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख: 13 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रलूप माई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० सीएचडी/6/76-77—अतः मुझे ग० प०  
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ध  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी कोठी नं० 4 प्लाट सहित है तथा जो सैक्टर 4 चण्डी-  
गढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख  
अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269 ध के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की जपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बरिन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी एच-33,  
जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. (i) श्रीमति हरसिमरन जे० सिंह पत्नी श्री जसबीर सिंह  
(ii) श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री काला सिंह निवासी 372  
जेल रोड, लुधियाना।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी  
व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोठी नं० 4 प्लाट सहित जोकि सैक्टर 4 चण्डीगढ़ में स्थित  
है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूल के विलेख नं० 12 अप्रैल, 1976 में  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 13 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री बलबन्त सिंह, गांव सरायनगा  
जिला फरीदकोट।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निवेश सं० एस० एन० पी०/1907/75-76.—अतः मुझे  
ग० प० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० कृषि भूमि क्षेत्रफल 67 कनाल 9 मरले हैं तथा जो गांव पंची गुजरां तहसील व जिला सोनीपत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री हरी सिंह पुत्र श्री दया सिंह, 5, जन्त मन्त्र रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 67 कनाल 9 मरले जोकि गांव पंची गुजरां तहसील और जिला सोनीपत में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 3032 जनवरी, 1976 में रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सोनीपत के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 16-9-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 1621 :—अतः मुझे रवीद्र कुमार  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु  
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ग्रीन पार्क में स्थित  
है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—276 GI/76

1. श्री गुरप्रीत सिंह, जयप्रीत सिंह, सुपुत्र थी रजिद्र सिंह तथा  
राजहंस कौर लड़की थी रजिद्र सिंह, रजिद्र कौर विधवा थी रजिद्र  
सिंह निवासी—मुख्तमर (अन्तरक)

2. श्री सज्जन सिंह सुपुत्र थी हीरा सिंह निवासी—गांव तथा  
पोस्ट ऑफिस नारली, तहसील पटटी, जिला—अमृतसर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (व्यक्ति, जिस के अधिभोग में संपत्ति  
है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9395  
फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा  
है ।

रवीद्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 1620/76-77—अतः मुझे रवींद्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो खावासपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होश्यारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नाजर सिंह सुपुत्र श्री उत्तम सिंह सुपुत्र श्री बूढ़ा सिंह निवासी खावासपुर, जिला—होश्यारपुर, (अन्तरक)

2. श्री जगदीप सिंह सुपुत्र श्री रंजिंद्र सिंह सुपुत्र श्री पूर्ण सिंह निवासी दागोना कला, जिला होश्यारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में संपत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्ययितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्ययितयों में से किसी ध्ययित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का एलाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4081 फरवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होश्यारपुर में लिखा है ।

रवींद्र जैन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 1619—अतः मुझे रवींद्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की  
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भोरों वाली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे अधिक सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति दासो लड़की नरंग सिंह सुपुत्र श्री मैहताब सिंह  
निवासी मोरांवाली, तहसील गढ़शंकर (अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह, दर्शन सिंह, कर्नेल सिंह सुपुत्र श्री नरंग सिंह  
सुपुत्र श्री मैहताब सिंह, निवासी-मोरांवाली तहसील गढ़शंकर  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वीकृत है

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3368 फरवरी  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

रवींद्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निदेश सं० 1618—अतः मुझे रवींद्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक शाश्तरी  
मार्केट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी, 1976 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी चन्द्र सुपुत्र श्री चंजु राम, वस्ती बाबा खेल  
तहसील जलन्धर, जिला जलन्धर (प्रत्तरक)
2. 1. श्री नवेत्र सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह गांव खानखाना  
2. बलबीर सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह गांव खानखाना तहसील जलन्धर  
3. हरदेव सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह गांव खानखाना  
तहसील—नवांशहर, जिला जलन्धर (अन्तरिती)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टदीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8609, 8610,  
तथा 8611 जनवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर  
में लिखा है।

रवींद्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 1617—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’, वहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शास्तरी मार्किट  
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-  
सरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री चंजु राम, निवासी—बस्ती  
वावा खेल, तहसील—जलन्धर। (अन्तरक)

2. श्री हरदेव सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी—खान-  
खाना, तहसील—नवांशहर, जिला—जलन्धर। (अन्तरिती)

3. मेसर्स हरीश ट्रेक्टर गरेज, नेहरू गार्डन रोड, जालन्धर  
(वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूट विलेख सं० 7611 जनवरी  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्रेरुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज, जलन्धर कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1976

निर्वेश सं० 1616—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नजदीक शाशतरी मार्किट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उच्च अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री चंजु राम, निवासी—बस्ती बाबा खेल, तहसील—जलन्धर। (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी—खान-खाना, तहसील—नवाषाहर, जिला—जलन्धर। (अन्तरिती)

3. मैसर्ज हरीश द्रेक्टर, नेहरू गार्डन, जलन्धर (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बन्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8610 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख: 6-9-1976

मोहर :

प्रलेप श्राई० ई०० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 1615—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाश्तरी मार्केट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में सण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरी चन्द्र सुपुत्र श्री चंद्र राम, वस्ती बाब जलन्धर। (अन्तरक)

2. श्री नवतेज सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी खानखाना, तहसील नवांशहर, जलन्धर। (प्रत्यक्षी)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8609 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति १० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 1614—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जिता जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. बीबी राज प्रीत कौर लड़की गुरु अमरजीत सिंह, दी फोर्ट, करतारपुर। (अन्तरक)

2. मैसर्ज सौदी तथा सौदी इन्टरप्राईजिज प्राइवेट लिमिटेड, दी फोर्ट, जलन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बढ़ है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि करतारपुर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8490 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 6-9-1976  
मोहर :

प्र० श्री आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जासन्धर, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 1609/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मिलाप चौक,  
जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—276 जीआई/76

1. श्री गुरुबक्ष सिंह, एडवोकेट्स पुन श्री नारायण सिंह,  
मिलाप चौक, जलन्धर।  
(अन्तरक)

2. गुरुनानक पब्लिक ऐलफेयर, मिलाप चौक, सरकुलर  
रोड, जलन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-  
बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

बिल्डिंग जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8073 जनवरी  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 6-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 30 अगस्त, 1976

निवेश सं० 1608—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार  
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 10 जैसा कि अनुसूची में है तथा जो लिंक रोड, जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फतेह चन्द सुपुत्र श्री देस राज, एन० एफ० 140, मोहल्ला थापरां, जलन्धर शहर। (अन्तरक)

2. श्री तरसेम लाल, परमजीत तथा प्रेम लाल सुपुत्र श्री अच्छर सिंह, निवासी मगुवाला, तहसील तथा डिस्ट्रिक्ट हैंडिशार-पुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-वद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट, भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8243 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 30-8-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 1622—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो रेलवे माल गोदाम  
के पीछे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चैत सिंह सुपुत्र श्री कौशल सिंह बस्ती शेख, जलन्धर  
द्वारा श्री वैहल सिंह काजी मण्डी, जलन्धर। (अन्तरक)

2. श्री ग्रामा राम सुपुत्र श्री रमेश राम आधा शेयर श्री दीवान  
चन्द सुपुत्र श्री दसौदी राम द्वारा दीवान तथा कम्पनी प्राप्ती  
डीलर के सामने पुरानी बस स्टैण्ड, जलन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लिखेनं० 8103 जनवरी 1976  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जलन्धर

तारीख : 14-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 5225/76-77—यतः मुझे, एस० राजरतनम्,<sup>१</sup>  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डार सं० 5, टान्क बण्ड रोड, मद्रास 'भूमि और  
मकान' (8252 स्क्युयर फीट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय, जे० एस० आर० 'मद्रास नार्थ' (डाकुमेंट 2522)  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-10-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थत् :—

- (1) 1. आर रामन;
  - 2. आर० नारायणन;
  - 3. आर० कृष्णन;
  - 4. आर० प्रेम कुमार;
  - 5. श्रीमती मौरी आर० मेनन;
  - 6. श्रीमती जेयन्ती जी० मेनन;
  - 7. श्रीमती रुक्मिनि नायर
- (अन्तरक)

- (2) मिल्लट रोचास प्राइवेट लिमिटेड
- (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

मद्रास 34, नुगम्बाक्कम, टान्क बण्ड रोड, डोर सं० 5 में  
8252 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (आर० एस०  
सं० 554/4)

एस० राजरतनम् /  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 18-9-1976

मोहर :

प्र॒ल॒प् प्रा॒र्ह॑० टी॒० एन॒० एस॒०

1. श्रीमती जयन्ति जी॒० मेनन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० 5068/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मद्रास 34, टान्क वण्ड रोड, डोर सं० 5  
(3538 स्क्युयर फीट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
जे० एस० आर० 'मद्रास नार्थ' (डाकुमेंट 369) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-  
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित  
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

2. मिल्लट रोचास प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त पद्धों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने  
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, टान्क वण्ड रोड, डोर सं० 5 में 3538 स्क्युयर  
फीट की खाली भूमि (आर० एस० 554/4 भाग)

एस० राजरत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 18-9-1976

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एस० —————  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज II, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर, 1976

सं० 5069/76-76—यतः मुझे, एस० राजरतनम्,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
 मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी सं० डोर सं० 5, टान्क बण्ण रोड, मद्रास 34 (3610  
 स्क्युर फीट) में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और  
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 जै० एस० आर० 'मद्रास नार्थ' (डाकुमेंट 370) में, रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-76  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गौरी मेनन

(अन्तरक)

2. मिल्लट रोचास प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

मद्रास-34, टान्क बण्ण रोड, डोर सं० 5 में 3610 स्क्युर  
 फीट की खाली भूमि (आर० एस० 554/4 भाग)

एस० राजरतनम्  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-II, मद्रास ।

दिनांक : 18-9-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 5068/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5, टाङ्क बण्ड रोड, मद्रास (3386 स्क्युयर फीट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० (मद्रास नार्थ) (डाकुमेंट 371) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मनि नायर  
(अन्तरक)

2. श्री टी० ए० अर्येणा नाचिया  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, नंगम्बाक्कम, टाङ्क बण्ड रोड, डोर सं० 4 में 3386 स्क्युयर फीट की खाली भूमि (आर० एस० सं० 554/4)

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एस० —

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 5068/76-77—गत: मुझे, एस० राजरटनम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहु गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ५० डोर सं० ५, टान्क बण्ड रोड, मद्रास ३४ (3467 स्क्युर फीट) में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, (मद्रास नार्थ) (डाकुमेण्ट 372) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-१-

1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० जयकुमार (अन्तरक)

2. श्री एच एम० ए० अब्दुल हमीद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेप :—

(क) इस सूचना के रापजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी ध्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रापजत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य ध्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास टान्क बण्ड रोड, डोर सं० ५, आर० एस० सं० 554/४ में 3467 स्क्युर फीट की खाली भूमि।

एस० राजरटनम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-9-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर, 1976

निदेश सं० 5068/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी डोर सं० 5, टान्क बण्ड रोड, मद्रास-34 (आर० एस० 554) (2 ग्राउण्ड) में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० (मद्रास नार्थ) (डाकुमेण्ट 373/71) में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
14—276GI/76

1. श्री पी० के० नायर, (अन्तरक)

2. श्री ए० एन० ए० रहिमतुल्ला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 34, नुंगम्बाक्कम, टान्क बन्ड रोड, डोर सं० 5 में 2 ग्राउण्ड की खाली भूमि (आर० एस० 554)

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-9-1976  
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1976

सं० आर० ए० सी० 149/76-77—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 7-1-621/97 है, जो संजीवारेड्डी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधियिनम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्री बी० नागेश्वर राव पुत्र बी० लक्ष्मीनारायना, जरनालिस्ट कालनी, प्लाट नं० 19, बंजारा हिल्स, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री एम० सूर्यनारायना राजू पुत्र एम० जोगीजगशापाराजू सं० न० 6-3-668/9. पंजागुट्टा, हैदराबाद। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7-1-621/97 जो संजीवारेड्डी नगर कालनी, हैदराबाद में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 393 : 06 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-9-1976

मोहर :

प्रलुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 150/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32 नगर पालिका नं० 156 से 159 है, जो आर० पी० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

1. श्रीमती हरमतुंगिस्सा बेंगम, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद
- (2) श्री जयनारायन मिश्रा, 26 ए, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री बी० मानिकचन्द जैन, 15-2-760, उस्मान गंज,  
हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के आर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 32 जिसका नगर पालिका नं० 2-11-30 और 156 से 159 जो आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-9-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० आर० ए० सी० 151/76-77:—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 31 नगर पालिका नं० 2-11-30 और  
156 से 159 है, जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती हेमतुल्लीस्सा वेगम (2) श्री जयनारायण  
मिश्रा, आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमचन्द्र जैन पुत्र स्वर्गीय कल्यानमल जैन, 15-2-760,  
उस्मानगंज, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 31 जिसका नगर पालिका नं० 2-11-30 और  
156 से 159 वह पूरा भाग जो आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद में  
स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-9-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्रीमती हर्षमतुशीसा बगम (2) श्री जयनारायण मिश्रा 26-ए०, आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1976

2. श्री एन० अंजनराव पुन्न स्व० एन० महबूब रेहु 1-10-221, अशोकनगर, हैदराबाद।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं० 38 जिसका धेतरफल 391 वर्ग गज है और नगर पालिका नं० 156 से 159 है जो आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-9-1976

मोहर :

प्रख्याई० टी० एन० एस०-—

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ  
(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० आर० ए० सी०-153/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० बेकट्टरामन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-834 है, जो आबीव रोड, में स्थित है (और इसे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की आबत, उक्त ग्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; पौर/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्ता अधिनियम की द्वारा 269वे के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269वे की उपधारा (1) अस्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

१. श्री बलीराम पुन्न दयाराम, होटेल इम्प्रियल, नाम्पल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद ।

( अन्तरक )

2. श्री अयोज अहमद, पुत्र अब्दुल गफ्फार, नं० 4-1-520  
तरुप बाजार, उरद गल्ली, हैदराबाद ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्येयितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमराची

दूसरी मजले पर मलगी नं० 4-1-834, आबीद रोड, हैदरा-  
बाद।

के० एस० बेंटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आधकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : २-९-१९७६

मोहर ३

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री वलीराम पुल दयाराम, होटेल इम्पेरियल, नाम्पल्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1976

सं० आर० ए० सी० 154/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० बैंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 4-1-834 है, जो आबीद रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री अयाज श्रहमद पुल अब्दुल गफार, नं० 4-1-520, तुल्य बजार, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आमेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहले मजले पर की मलगी नं० 4-1-834, आबीद रोड, हैदराबाद ।

के० एस० बैंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3-9-1976

सं० आर० ए० सी० 155/76-77—यतः मूल्य के० एस०  
वेंकटरामन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 23 नगर पालिका नं० 156 से  
159 है, जो आर० पी० रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-1-1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूरी किसी श्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हशमतुल्लीसा बेगम (2) श्री जयनारायण  
मिश्रा आर० पी० रोड, सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश अहुल्यालिया 31/4, 2-आर० टी०  
प्रकाश नगर हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 23 जिसका नगर पालिका नं० 156 से 159 जो  
सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है और क्षेत्र  
फल 400 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-9-1976  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 3-9-1976

सं० आर० ए० सी० 156/76-77—यतः मूजे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 33 नगर पालिका नं० 156 [से  
159 है, जो आर० पी० रोड में स्थित है (और इसके  
उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
फर्टा अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
29-1-1976 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में वामी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं छिया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—276जीआई०/76

(1) श्रीमती हशमतुल्लीसा बेगम (2) श्री जयनारायण  
मिश्रा सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० मुन्द्री बाई न० 11-1-1944,  
मैलारगड़ा सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 33 जिसका नगर पालिका नं० 156 से  
159 है जो सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है  
और क्षेत्रफल 388 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट राम  
सभ्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 3-9-1976

मोहर :

प्रेरुप थाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 15-9-1976

सं० आर० ए० सी० 163/76-77—यतः, मुझे, के० एस०  
बैक्टरामन

आयकर अधिनियम, 196 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 4-2-171 से 176 है, जो कन्जरगूडा में स्थित  
है (और इसां उपाबद्ध आसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 19-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक द्वायित्व में करो करने या उससे बचने में सुविधा  
है लिए; और या

(ख) उसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः आग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम वो धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधेरला लशमीनरसामा (2) एम० जैहीद  
(3) एम० अशोक (4) एम० अनजनी बाई  
(5) प्रभीला तमाम लोग घर नं० 1-3-773  
कदाढ़ी मूडा हैदराबाद में रहते हैं (अन्तरक)

(2) उपलंच्ची वेन्कटेशवरराऊ शिवाजी नगर सिकन्दरा-  
बाद (2) उपलंच्ची श्रीनीवासराऊ घर नं०  
251 मरेडपल्ली सिकन्दराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहि पा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी वर्गित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास  
हितिं में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रभापित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

स्थल नं० 2262, 2263, और 2264 (नया नं०  
4-2-171 से 176 तक), कन्जरगूडा सिकन्दराबाद

के० एस० बैक्टरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख 15-9-1976

भोग्यः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर, 1976

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1132 (515) — 75-76—  
यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 घ (1) अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसका सं० सर्वे नं० 197-बी, 415-बी (भाग), एफ० पी०  
नं० 227-ब प्लाट नं० 3/3, टी० पी० एस०-14, है, जो दरीयापुर  
काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे रपावद्ध अनुसूची  
में और पू० रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 3-८-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ६% के दृश्यमान  
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए; ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री परमानंद मोहन लाल पटेल,  
(2) श्रीमती ज्योत्सना परमानंद पटेल,  
पावर आफ एटारनी होलडर :—  
श्री लालजीभाई मगनलाल पटेल,  
नाथालाल कालोनी, स्टैंडीयम रोड, नवजीवन,  
अहमदाबाद के द्वारा । (अन्तरक)

(2) श्री नटवर लाल मोतीगाल पटेल, बिष्णु नगर  
सोसाइटी, सरसपुर, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तासम्भंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल ठेकफल लगभग  
298.5 बांग गज है तथा जिसका पर्वे नं० 19-बी, 415-बी  
(भाग), सब प्लाट 3/3, टी० पी० एस० नं० 14 है तथा जो  
दरीयापुर काजीपुर, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सन्नम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 3-९-७६

मोहन:

अधीनस्थ सेवा आयोग

विज्ञप्ति

सहायक श्रेणी (रेलवे बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगिता-  
त्मक परीक्षा, 1977

दिनांक 9 अक्टूबर, 1976

संख्या : 2/9/76-प्रबंध.—रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के सहायक श्रेणी की प्रवर दूसरी में बढ़िया करने के लिए अधीनस्थ सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा 10 अगस्त 11 फरवरी, 1977 को दिल्ली में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पाक्षिकी की गतें:—उम्मीदवार स्थायी अथवा अनुमति रूप से लगा हुआ अस्थायी अधिकारी होना चाहिए जो रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा में काम करता हो और निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो:—

- (क) सेवा अवधि—रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-1-1977 को तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।
- (ख) शायु—सन् 1977 में होने वाली परीक्षा के लिए कोई अधिकतम शायु सीमा नहीं होगी।

3. फीस:—16/- रु. (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 4/- रु.)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम खण्ड-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपया (रिकार्ड डिलिवरी द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित (“प्राप्त कर्ता लेखा” (भारतीय पोस्टल अर्डर जो सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो, भेजकर अथवा आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन पत्र आयोग को 27 नवम्बर, 1976 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मदन लाल  
सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1976

सं. एफ. 9/7/76-प० I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 9 अक्टूबर, 1976 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड-I/ग्रेड 'ख' की चयन सूचियों में सम्मिलित करने

के लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 5 अप्रैल, 1977 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग, यदि चाहे, तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (विधिए उपाधंड II का पैरा 9)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है:—

बग्गे I

केन्द्रीय सचिवालय सेवा — 75\*\*  
अनुभाग अधिकारी ग्रेड

बग्गे II

अनुभाग अधिकारी ग्रेड — 5\*\*  
(भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख'  
'ख' के सामान्य संबंध का  
समेकित ग्रेड II और III)

बग्गे III

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का  
अनुभाग अधिकारी ग्रेड — 3 (अनुसूचित जातियों के  
उम्मीदवारों के लिए  
एक आरक्षित रिक्ति  
सम्मिलित है)।

बग्गे IV

केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर  
सेवा का ग्रेड 'ख' — 10\*\*

बग्गे V

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख'  
के स्टेनोग्राफर उप-संबंध का  
ग्रेड I — 10\*\*\*

बग्गे VI

संशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनो-  
ग्राफर सेवा का ग्रेड 'ख' — 2 (अनुसूचित जातियों  
के उम्मीदवारों के लिए  
एक आरक्षित रिक्ति  
सम्मिलित है)।

## खण्ड VII

रेल बोर्ड सचिवालय स्टेनो-  
ग्राफर सेवा का ग्रेड 'ब'

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*\*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित रिक्तियां, यदि कोई होंगी, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएंगी।

3. जो उम्मीदवार उक्त सेवाओं (नियम 3) के दो वर्गों के लिए पात्र हैं और दोनों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है, वह केवल एक ही आवेदन-पत्र भेजें। उसे उपाध्यक्ष I में उल्लिखित शुल्क एक बार ही देना होगा तथा आवेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिये पृथक शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

ध्यान दें:—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्रों में उन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिये जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में वरीयता क्रम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने के अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि ऐसा अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अक्टूबर, 1977 को या इससे पहले प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीग्रांडर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीग्रांडर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में बापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1977 के लिये निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 6 दिसम्बर, 1976 (6 दिसम्बर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीगढ़ में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 20 दिसम्बर 1976) तक या उससे दूर अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाध्यक्ष I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। वह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाध्यक्ष I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1976 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे 1976 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए गिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि 1976 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाध्यक्ष I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1976 की परीक्षा के अंतिम परिणामों की घोषणा के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाए।

8. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने में संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रूथी,  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

## उपाध्यक्ष-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹ 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये ₹ 7.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों आयोग स्टेट बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली पर देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था और नोटिस के पैरा 7 में उल्लिखित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के लिए दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

## उपांधन-II

### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर वह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में विए गए केवलों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अतिम रूप से चुन सेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश-स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पंसद के क्रमानुसार वो अन्य भारतीय मिशनों (वह स्वयं जिवेश में हैं उससे भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी बैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित सीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. (i) उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के रूप में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र, संभव है, अस्वीकार कर दिया जाए।

नोट:—उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट के पैरा 4

और 5 के अनुसार उम्मीदवारों को कुछ विधयों के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प दिया गया है। उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्र के कालम 9 में उस भाषा का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिसमें वे प्रश्न-पत्रों के उत्तर देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो वह मान लिया जाएगा कि प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखे जाएंगे।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धीमपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बावजूद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग यदि चाहे तो, विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपी में रहने वाले उम्मीदवार से इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 6 दिसंबर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीपी में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्स (देखिए उपांधन I)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × 7 सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(iv) जहां लागू हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(v) जहां लागू हों वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त

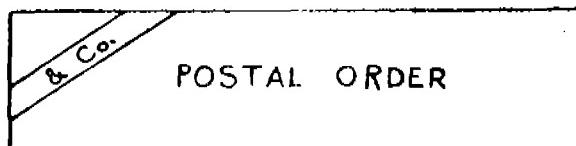
मद (ii), (iv) तथा (v) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही

प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर यथास्थिति सेवा शिकार्ड के मूल्यांकन अथवा आशुलिपि परीक्षा, के लिए अर्हता प्राप्त कर सेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के सितम्बर, 1977 के महीने से घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र मांगे जाने पर नहीं भेजेंगे उनको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई वाषा नहीं होगा।

मद (i) से (iii) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (iv) और (v) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रथम पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए:— “Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post office.”

किस अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जर्नल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरुद्धित या कटे फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रु. 7.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय, में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष 051 Public Service Commission—Examination fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में शाए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महोने ही दिए जाते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैड मास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए वहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जम्म की

तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाब जिसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुसति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

**मोट 3:**—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी नौकरी में हैं, उनकी सेवा-पुस्तका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख के प्रमाण-स्वरूप स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) फ़ोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी.  $\times$  7 सें. मी.) के फ़ोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नथी कर देनी चाहिए। फ़ोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

**ध्यान बें:**—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii) तथा 3(iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न हो और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के बिलकुल कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि आवेदन-पत्र के साथ न भजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नांकित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पर्वों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री\*/\*श्रीमती/कुमारी/...  
..... सुपुत्र\*/सुपुत्री/श्री ...  
..... जो गांव\*/कस्बा ...  
..... जिला\*/मण्डल ...  
..... राज्य\*/संघ राज्य  
क्षेत्र ..... के\*/की निवासी हैं,  
..... जाति\*/जन जाति के/की  
है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति\*/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950\*।

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\*।

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदीप्ति क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956\*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962\*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962\*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964\*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*।

संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968\*।

संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968\*।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970\*।

2. श्री\*/श्रीमती/कुमारी.....  
और\*/या उनका परिवार आम तौर से गांव\*/कस्बा .....  
..... जिला\*/मंडल.....  
..... राज्य\*/संघ राज्य  
क्षेत्र ..... में रहते\*/  
रहती है।

हस्ताक्षर .....  
\*\*पदनाम .....  
(कार्यालय की मोहर)

स्थान.....  
तारीख.....

राज्य\*

संघ राज्य क्षेत्र

\*जो भव्य लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

मोट :—यहां “आम तौर से रहते/रहती है” का अर्थ  
वही होगा जो “रिप्रेजेण्टेशन आफ दि पीपुल  
एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने  
के लिए सभी अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/  
डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/  
प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-  
डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/  
एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे  
का नहीं)।

(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसि-  
डेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यु अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से  
कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां  
उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर  
से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलेपमेंट  
अफसर (लक्ष्मीप)।

5. (i) नियम 3 (ग) की मद (ii) या मद (iii)  
के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने  
वाले भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित  
व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से  
लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि  
यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व  
पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक  
विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके

बाद किन्तु 26 मार्च, 1971 से पूर्व प्रदर्शन कर भारत  
आया हैः—

(1) दंडवारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न  
राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस  
समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी  
अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन  
का सब डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/  
निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 3 (ग) की मद (iv) या मद (v) के  
अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका  
से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत  
के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के  
प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत  
करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर  
1964, के भारत श्रीलंका ममझौते के अधीन 1 नवम्बर,  
1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(iii) नियम 3 (ग) की मद (vii) या मद (viii)  
के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले वर्मा  
से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूता-  
बास, रंगून द्वारा दिए गए पहचान प्रमाण-पत्र की एक अभि-  
प्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत  
करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून,  
1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस  
क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए  
प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत  
करनी चाहिए कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक  
प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके  
बाद भारत आया है।

(iv) नियम 3 (ख) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट  
चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को  
उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त  
की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित  
प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि  
उसने किसी स्तर पर फेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की  
है।

(v) नियम 3 (ग) की मद (vi) के अन्तर्गत आयु-  
सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त  
गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया,  
मलावी, जैरे और हृथियोपिया से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीयों  
को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय  
निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-  
प्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत  
करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 3 (ग) की मद (ix) अथवा मद (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवारों को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ हैं, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर लिए गए प्राणान्पत्र की एक अभिप्राणाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट ..... के रैक नं. .... श्री ..... रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में\*/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर	.....
पदनाम	.....
तारीख	.....

\*जो लागू न हो उसे कृपया काट दें।

6. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्व-पूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेर बदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

7. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूक्ष्म न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

8. यदि परीक्षा में संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की श्राविरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती (एक्नोलिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

9. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम

कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बाबे से वंचित हो जाएगा।

10. केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1976 से पूर्व पांच वर्षों के दौरान में ली गई उक्त परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तिकारों की विक्री कंट्रोलर आफ पब्लिकेशन, सिविल लाइसेंस, दिल्ली-110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आईडर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रियोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लॉक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा विक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, तथा संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, और (iii) गवर्नर्मेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के ० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

11. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म-तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता। ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आशयक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त वर्ष 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यथापि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता। [ ]

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st September 1976

No. A12019/1/75-Admn.II.—Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Assistant Controller (DP) in the Commission's Office, for a period of 6 months with effect from the forenoon of 1st September, 1976, or until further orders, whichever is earlier:—

1. Shri M. L. Dhawan
2. Shri J. L. Kapoor
3. Miss Santosh Handa.

A. N. KOLHATKAR, Under Secy.  
for Chairman UPSC.

New Delhi-110011, the 1st September 1976

No. A12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's Office for the period from 2-9-1976 to 31-12-1976, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance's O.M. No. F.10(24)-E.111/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. A-12019/1/75-Admn.II.—The Secretary Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Hollerith) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on *ad hoc* basis as Section Officer (DP) in the Commission's Office, for a period of 6 months with effect from the forenoon of 1st September, 1976 or until further orders, whichever is earlier:—

1. Shri B. R. Gupta
2. Shri M. M. Sharma.

The 7th September 1976

No. A12019/3/76-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) in the Commission's Office for a period from the forenoon of 23rd August, 1976 to 28th February, 1977 or until the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

A. N. KOLHATKAR, Under Secy.  
for Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 14th September 1976

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University who was earlier appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission upto 31st August, 1976 *vide* this office Notification of even number dated 23rd June, 1976 has been allowed to continue in the said post upto 30th November, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

A. N. KOLHATKAR, Under Secy.  
Union Public Service Commission

## CABINET SECRETARIAT

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th September 1976

No. A-35018/4/75-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. A. Ahiwale an officer of Maharashtra State Police, on

deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay (GOW) Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 24-8-1976 until further orders.

V. P. PANDEY  
Administrative Officer(A)  
For Deputy Inspector General of Police,  
Special Police Establishment.

New Delhi, the 9th September 1976

No. G-53/67-AD.V.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri G. L. Agarwal, relinquished charge of the office of Administrative Officer (E), Central Bureau of Investigation, (Special Police Establishment) on the afternoon of 31-8-76.

The 10th September 1976

No. K-7/73-AD.V.—Shri K. P. Agarwal, Dy. Director, C.B.I., New Delhi relinquished charge of the office of Dy. Director, CBI, New Delhi on the forenoon of 1-7-76.

His services were placed back at the disposal of the State Government of Uttar Pradesh.

V. P. PANDEY,  
Administrative Officer,  
C.B.I.

New Delhi, the 15th September 1976

No. G-3/65-Ad.V.—On attaining the age of superannuation Shri G. P. Dube, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation has relinquished the charge of the office of Dy. S.P., C.B.I., Jabalpur Branch on the afternoon of 31-9-76.

P. S. NIGAM,  
Administrative Officer (E),  
C.B.I.

New Delhi the 16th September 1976

No. PF/S-1/70-AD-V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri S. K. Saxena, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Lucknow Branch on promotion as Senior Public Prosecutor in the CBI in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th December, 1975, until further orders.

This is in supersession of this office Notification of even number dated 21-2-76.

K. K. PURI,  
Deputy Director (Admn.),  
C.B.I.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 14th September 1976

No. O-II-207/69-Estt.—Consequent on his retirement from service in terms of F.R. 56(j), Shri B. D. Rai, Dy. S.P. 46th Bn., CRP Force relinquished charge of his office on 13-8-76 (AN).

The 16th September 1976

No. O.II-130/75-Estt.—On retirement from Govt. Service, Major Gurdial Singh, an officer of the Indian Army on deputation to CRPF, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant 1st Signal Bn. RPF New Delhi on the afternoon of 31st July, 1976.

## II

The President is pleased to appoint on re-employment Major General Gurdial Singh (Reid) as Asstt. Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

Major Gurdial Singh took over charge as Asstt. Commandant 1st Signal Bn., CRPF, New Delhi on the forenoon of 1-8-76.

A. K. BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 4th September 1976

No. E-32015(4)/1/76-GA.II.—IG/CISF is pleased to appoint Shri S. K. Madan, Junior Hindi Translator to officiate as Hindi Officer in the office of Inspector General/Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the forenoon of 31st August, 1976, until further order, who assumed the charge of the said post with effect from the same date.

The 7th September 1976

No. E-38013(3)/4/76-PERS.—On transfer from Baroda, Shri S. M. Saini, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Reserve Force HQrs. at New Delhi with effect from forenoon of 10th August, 1976.

The 10th September 1976

No. E-16014(1)/9/73-PERS.—On repatriation to State Cadre Shri R. K. Niyogi, Commandant, CISF Unit Bokaro Steel Ltd., Bokaro, relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 21st August, 1976.

No. E-38013(3)/13/76-PERS.—On transfer from Thumba, Shri K. G. Thomas, Assistant Commandant CISF Unit ISRO Thumba, relinquished the charge of the said post with effect from the afternoon of 7th August, 1976.

No. E-38013(3)/4/76-PERS.—On transfer for New Delhi Shri P. S. Nandal, Assistant Commandant, assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit Gujarat Refinery, Baroda with effect from the forenoon of 9th August, 1976.

No. E-38013(3)/17/76-PERS.—The President is pleased to appoint Inspector Hans Raj to officiate as Assistant Commandant, CISF Training Reserve Force with HQrs. in the office of Inspector General/CISF, New Delhi, with effect from the forenoon of 31st August, 1976, until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

L. S. BISHT,  
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 13th September 1976

No. 11/4/76-AG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Swain, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Orissa, as Assistant Director of Census Operations, (Technical) in the same office, on an ad-hoc basis, with effect from the afternoon of 30 August, 1976 upto 28 February 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarter of Shri Swain will be at Cuttack.

The 16th September 1976

No. 11/10/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Lal Krishan, an Assistant Director of Census Operations (Technical), as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andaman and Nicobar Islands, on an ad-hoc basis for a period of one year with effect from the afternoon of 6 August, 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Lal Krishan will be at Port Blair.

No. 11/4/76-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. Y. Revashetti, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on an ad-hoc basis, for a further period of 3 months with effect from 1-10-1976 to 31-12-1976, or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Revashetti will continue to be at Bangalore.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 30-6-1976, and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on ad-hoc basis, with effect from 18-8-1976 to 31-12-1976, or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 30-6-1976, and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on an ad-hoc basis, with effect from 19-8-1976 upto 31-12-1976 or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Chatterjee will continued to be at Calcutta.

BADRI NATH,  
Deputy Registrar General, India &  
ex-officio Deputy Secy.

SHRAM MANTRALAYA  
SHARAM BUREAU  
Simla-171004, 9 October 1976

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by one point to reach 298 (Two hundred and ninety eight) during the month of August, 1976. Converted to base : 1949=100 the index for the month of August, 1976 works out to 362 (Three hundred and sixty two).

S. RAY  
Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE  
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS

Dewas : (MP), the 8th September 1976

F. No. BNP/E/8/M-6.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 6-6-76, the ad-hoc appointment of Shri M. Laxminarayana as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas (MP) is extended for a period of 6 months from 4th Sept. 1976 or till regular appointment is made to this post whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA,  
General Manager

INDIA SECURITY PRESS  
Nasik Road, the 9th September 1976

No. 798/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri P. S. Bajaj, a permanent Section Officer, Govt. of India, Deptt. of Parliamentary Affairs, New Delhi, as Administrative Officer, India Security Press, Nasik Road with effect from 9th September, 1976 (PN) for a period of two years in the first instance.

No. 795/A.—Shri I. S. Paul, officiating Security Officer, India Security Press, Nasik Road is appointed in a substantive capacity in the post of Security Officer with effect from 23rd August 1976.

N. RAMAMURTHY,  
Sr. Dy. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th July 1976

No. Admin. I/0.0. 344/PF/V.D.Puri/1048.—In pursuance of and on expiry of the notice served by him on this office under P.R. 56(k), the Accountant General, Central Revenues, hereby permits Shri V. D. Puri, a (C.A.G.'s allottee) Accounts Officer of this office, to retire from Govt. service w.e.f. 2-7-76 A.N.

His date of birth is 8-2-1923.

New Delhi, the 16th September 1976

No. Admin. 1/5-5/Promotion/76-77/O.O.494/1589.—Consequent upon his attaining the age of superannuation (58 years) Shri M. S. Bedi, Accounts Officer (Pmt.) of this office retired from Government Service with effect from 31-8-1976 (AN).

His date of birth is 15-8-1918.

H. S. DUGGAL,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH-I**

Hyderabad-500004, the 8th September 1976

No. E.B.-I/8-312/76-77/42.—The Accountant General Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. R. Krishna Murthy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21-8-76 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.-I/8-312/76-77/44.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri G. V. Subba Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 19-8-76 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT**

Ahmedabad-380 001, the 10th September 1976

No. Estt.(A)/GO/2(178)/2249.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri C. A.

Menon permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 2-8-76 F.N. until further orders.

No. Estt.(A)/GO/2(179)/2251.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri V. S. Vaidya permanent members of the Subordinate Accounts Service; to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 2-8-76 F.N. until further orders.

K. H. CHHAYA,  
Deputy Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL BIHAR**

Ranchi, the 10th September 1976

No. OE.I-Audio-3250.—The Accountant General has been pleased to promote Shrimati Karuna Bose a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts officer in that office with effect from 30-8-76 (A.N.)

B. P. SINHA,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,  
DEFENCE SERVICES**

New Delhi, the 16th September 1976

No. 4040/A-Admn/130/76.—Consequent on his permanent absorption in the Rural Electrification Corporation Limited, with effect from 16-6-76, the lieu of Shri K. Subramanian, substantive Audit Officer, in this department has been terminated in terms of F.R. 14-A(d) from the same date.

K. B. DAS BHOWMIK,  
Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi, the 14th September, 1976

No. 40011(2)/76/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to Pension Establishment	Organisation	
				1	2
S/Shri					
1.	V. B. Paranjpe (P/20)	Permanent Officer.	Accounts	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
2.	Madhusudan Lala (P/92)	Permanent Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
3.	R.S. Pardhan (P/125)	Permanent Officer.	Accounts	30-11-76	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut (on deputation with HQrs. 22 Estt., C/o 56 APO).
4.	Harbans Lal Wadhera (P/319)	Permanent Officer.	Accounts	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
5.	S. R. Sen Gupta (P/496)	Permanent Officers.	Accounts	30-11-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
6.	Kripal Singh (P/630)	Permanent Officer.	Accounts	30-11-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
7.	O. De'Mello (O/81)	Officiating Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
8.	Roshan Lal (O/137)	Officiating Officer.	Accounts	31-1-77	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
9.	Nripendra Bhatta haryya (O/142)	Officiating Officer.	Accounts	31-3-77	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.
10.	J.N. Doobhakta (O/309)	Officiating Officer.	Accounts	31-12-76	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.

(2) Shri Sukumar Mukherjee, Permanent Accounts Officer (Rsoter No. P/66) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta will retire from service under the provision of Rule 56 (J) F.R. (corresponding to Article 459 (h) (CSR) and will be transferred to pension establishment with effect from the afternoon of 23rd October, 1976.

(3) The following is added as sub-para to para 1 of this department notification bearing No. 40011(2)/76/AN-A, dated 11th August 1976:—

"Shri T. C. Jaitley, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave pending retirement for 89 days from 3-9-1976 to 30-11-1976".

S. V. SUBRAMANIAN,  
Dy. Controller General of Defence Accounts (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th September 1976

No. EST-I-2(674).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 12th August, 1976 and until further orders Shri Anjaneya, Economic Investigator in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Director, Grade II (Economics) in the same office.

C. R. NEELAKANTAN,  
Deputy Director.

MINISTRY OF MINES & STEEL  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA  
Calcutta-13, the 10th September, 1976

No. 2201/M3/64/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Driller (Group 'B' Scale of pay Rs. 650-1200/-revised) in the Geological Survey of India with effect from the dates as shown against each:—

Sl. No.	Name of Officer	Date of Confirmation
1.	Shri A. M. M. Rao	3-5-63
2.	Shri R. L. Gera	3-5-63
3.	Shri H. K. Rauta	3-5-63
4.	Shri Rattan Singh	3-5-63
5.	Shri P.C. Ghosh	25-8-67
6.	Shri V.C. Taneja	25-8-67
7.	Shri V. K. Sethi	25-8-67
8.	Shri N.K. Seth	25-8-67
9.	Shri K. P. Semwal	25-8-67
10.	Shri R. P. Nautiyal	25-8-67
11.	Shri H. S. Virk	25-8-67
12.	Shri G.P. Shah	25-8-67
13.	Shri M. S. Anantha Ramaiah	8-12-67
14.	Shri E. P. Joglaker	8-12-67
15.	Shri V.T. Joshi	8-12-67
16.	Shri M. C. Rastogi	8-12-67
17.	Shri E. Ramalingam	8-12-67
18.	Shri Moranjan Chowdhury	8-12-67
19.	Shri R. Krishnan	8-12-67
20.	Shri S. K. Banerjee	8-12-67
21.	Shri B. S. Venkateshan	8-12-67
22.	Shri N. Pattabhiraman	8-12-67
23.	Shri K. Somasundram	8-12-67
24.	Shri S. K. Seu	8-12-67
25.	Shri K. A. Deshmukh	8-12-67
26.	Shri P. M. Dutta	8-12-67
27.	Shri R. K. Lamba	8-12-67
28.	Shri S. C. Sharma	8-12-67
29.	Shri B. A. Jambekar	8-12-67
30.	Shri A. K. Kayal	8-12-67
31.	Shri V. Subramanian	8-12-67
32.	Shri Thomas Kurien	8-12-67
33.	Shri A. C. Natarajan	8-12-67
34.	Shri Udhamp Singh	8-12-67

Sl. No.	Name of Officer	Date of Confirmation
35.	Shri M. S. Ramaswamy	8-12-67
36.	Shri R.N. Goswami	8-12-67
37.	Shri P. K. R. Panicker	8-12-67
38.	Shri K. K. Chopra	8-12-67
39.	Shri S. C. S. Iyengar	8-12-67
40.	Shri T. B. Roy Chowdhury	8-12-67
41.	Shri P.R. Dutta Roy	8-12-67
42.	Shri S. K. Gupta	8-12-67
43.	Shri M. L. Dhar	8-12-67
44.	Shri S. K. Mitra	8-12-67
45.	Shri A. R. Mahadevan	8-12-67
46.	Shri Thomas Chacko	8-12-67
47.	Shri S.R. Das	8-12-67
48.	Shri R. K. Maggon	8-12-67
49.	Shri N. J. Nath	8-12-67
50.	Shri S. P. Bhattacharjee	8-12-67
51.	Shri M. Kameswaran	8-12-67
52.	Shri K. P. Dutta Barman	8-12-67
53.	Shri R. S. Gandhi	8-12-67
54.	Shri K. Koshy	8-12-67
55.	Shri P. T. Chacko	8-12-67
56.	Shri Ranbir Singh	8-12-67
57.	Shri S. N. Mukherjee	8-12-67
58.	Shri S. K. Sharma	8-12-67
59.	Shri Joginder Singh	8-12-67
60.	Shri G. Zachariah	8-12-67
61.	Shri P. S. Sahdra	8-12-67
62.	Shri Kali Kumar De	8-12-67
63.	Shri D. P. Deshmukh	8-12-67
64.	Shri G. S. D. Upadhyaya	8-12-67
65.	Shri A. K. Mitra	2-6-70
66.	Shri K. S. Negi	2-6-70
67.	Shri M. J. Stephen	2-6-70
68.	Shri N. K. Deb	2-6-70
69.	Shri K. D. Dutt	2-6-70
70.	Shri B. K. Banerjee	2-6-70
71.	Shri Amitava Bajechi	2-6-70
72.	Shri M. N. Mookerjee	2-6-70
73.	Shri B. K. Sen	2-6-70
74.	Shri B. S. Virdi	2-6-70
75.	Shri S. K. Thaplayal	2-6-70
76.	Shri P. M. Samuel	2-6-70
77.	Shri N. K. Banerjee	2-6-70
78.	Shri A. K Nandy	2-6-70
79.	Shri K. B. Kapoor	2-6-70
80.	Shri K. P. Sarma	2-6-70
81.	Shri B. S. Bagi	2-6-70
82.	Shri S. C. Bhattacharjee	2-6-70
83.	Shri R. N. Singh Sharma	2-6-70
84.	Shri R. K. Babuta	2-6-70
85.	Shri J. A. K. Tareen	2-6-70
86.	Shri Chinmoy Niyogi	2-6-70
87.	Shri S. P. Hatwal	2-6-70
88.	Shri R. Bahadur	2-6-70
89.	Shri V. R. Rao	2-6-70

Sl. No.	Name of Officer	Date of Confirmation
90.	Shri S. R. Acharee	2-6-70
91.	Shri Meharban Singh Rewat	2-6-70
92.	Shri K. K. Bhattacharjee	2-6-70
93.	Shri R. Sawaiyan	2-6-70
94.	Shri B. C. Mukherjee	2-6-70
95.	Shri S. K. Biswas	2-6-70
96.	Shri Satya Naryan Rath	2-6-70
97.	Shri George Kurien	2-6-70
98.	Shri S. C. Samanta	2-6-70
99.	Shri D. N. Banerjee	2-6-70
100.	Shri Tilakraj Taneja	2-6-70
101.	Shri P. K. Chakraborty	30-8-71
102.	Shri Mir Manjoor Ali	4-6-73
103.	Shri S. P. Paruthi	4-6-73
104.	Shri A. M. Mathur	4-6-73
105.	Shri Birakesh Biswas	4-6-73
106.	Shri Jeyanand	4-6-73
107.	Shri A. B. Bhowmick	4-6-73
108.	Shri P. A. Jichhar	4-6-73
109.	Shri K. K. Bakshi	4-6-73
110.	Shri Zahid Alam	4-6-73
111.	Shri M. L. Fotedar	4-6-73
112.	Shri K. R. Katoch	4-6-73
113.	Shri S. K. Chatterjee	4-6-73
114.	Shri Harpal Singh	4-6-73
115.	Shri J. R. Ohri	4-6-73
116.	Shri S. C. Diwan	4-6-73
117.	Shri S. K. Dua	4-6-73
118.	Shri T. C. Markose	4-6-73
119.	Shri Natchiappa Ram Krishna	4-6-73
120.	Shri U. S. P. Gupta	4-6-73
121.	Shri B. C. Dutta	4-6-73
122.	Shri Gudar Lal Sehgal	4-6-73
123.	Shri Tejpratap Rai	4-6-73
124.	Shri Jagdish Ram	4-6-73

V. K. S. VARADAN,  
Director General,  
Geological Survey of India.

Calcutta-16, the 10th September 1976

No. 22/66/19A.—Shri Ram Swaroop has been allowed by the Director General, Geological Survey of India to receive charge of the post of Stores Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the forenoon of 1-7-1976.

No. 40/59/(SSJ/19A).—Shri S. S. Jamwal, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is released by the Director General, Geological Survey of India on resignation for appointment as Senior Administrative Officer Grade II in the Raksha Utpadan Vibhag, Ahmednagar with effect from the afternoon of 31st May, 1976.

No. 40/59/C/19A.—Shri D. D. Jain has been allowed by the Director General, Geological Survey of India to receive charge of the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the forenoon of 1-7-1976.

No. 40/59/(GCS)/19A.—Shri G. C. Srivastava, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India has been appointed as Administrative Officer by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in

a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12th July, 1976, until further orders.

No. 9/58/C/19-B.—The following Senior Technical Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, are appointed by the Director General Geological Survey of India, as Assistant Geophysicists in the Geological Survey of India on promotion and pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-in officiating capacity with effect from the date shown against each, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri P. K. Rammohan	17-6-1976 (FN)
2.	Shri B. Polliah	16-6-1976 (FN)
3.	Shri M. Appa Rao	16-6-1976 (FN)
4.	Shri D. Venkata Rao	14-6-1976 (FN)
5.	Shri A. M. V. Raghava Rao	16-6-1976 (FN)
6.	Shri A. S. Khotpal	14-6-1976 (FN)
7.	Shri M. S. Venkataramani	16-6-1976 (FN)
8.	Shri K. K. Muralidharan	17-6-1976 (FN)
9.	Shri R. B. Singh	15-6-1976 (FN)
10.	Shri K. Jagannadha Rao	14-6-1976 (FN)
11.	Shri G. Sambi Reddy	15-7-1976 (FN)

No. 51/62/19A.—Shri C. L. Soorma has been allowed by the Director General, Geological Survey of India to receive charge of the post of Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the forenoon of the 1-7-1976.

No. 2181(NNS)/19B.—Shri Nripendra Nath Saha, Senior Technical Assistant (Chemical), Geological Survey of India is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Chemist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st June, 1976, until further orders.

The 13th September 1976

No. 2222(TM)/19A.—Shri Tejabandhu Mahapatra is appointed by the Director General, Geological Survey of India as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay to Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th July, 1976 until further orders.

S. V. P. TYENGAR,  
Deputy Director General,  
(Headquarters)

#### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 10th September 1976

No. E1-5135/724-SOS.—Shri Vijai Kumar Sharma is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India in the General Centre Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post @ Rs. 550/- p.m. in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 16th August, 1976 until further orders.

K. L. KHOSLA,  
Major General,  
Surveyor General of India

#### DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th August, 1976

No. A-31014/2/75-SVI-SIL.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri J. J. Oberoi, Sr. Administrative Officer (ad-hoc), All India Radio, New Delhi

in a substantive capacity in the cadre of Administrative Officer (Jr.) in All India Radio with effect from 7-5-1975 against the permanent post of A.O. in External Services Division, AIR, New Delhi.

2. The confirmation of Shri Oberoi is subject to the condition that he will be liable to transfer at any time to serve under a Public Corporation, if formed and that on such transfer he will be liable to the condition of service laid down for the employees of that Corporation.

3. Shri Oberoi's position in the order of seniority in the confirmation list, vide Notification of even number dated 27-2-76 will be between Shri M. Ramachandran at No. 9 and Shri K. Venkateshmurty at No. 10.

S. V. SESHADRI,  
Deputy Director of Administration,  
for Director General

Bombay-26, the 15th September 1976

No. 5(65)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri J. K. Joshi, Transmission Executive, All India Radio, New Delhi as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 23rd August, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA,  
Deputy Director of Administration.  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 15th September 1976

No. 17/59/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri R. P. Sharma, Permanent Salesman, Films Division, Lucknow to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of the 31st August 1976 vice Shri G. K. D. Nag, Offg. Branch Manager granted leave.

M. K. JAIN,  
Administrative Officer,  
for Chief Producer

**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY CITY**

New Delhi-1, the 14th September 1976

No. A.19013/1/75-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri D. C. Ray, Technical Assistant (Models) to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate in a temporary capacity with effect from 3rd September, 1976 (forenoon), until further orders.

K. S. SRINIVASAN,  
Senior Copy-Writer.  
for Director of Advertising & Visual Publicity

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 10th September 1976

No. A.12023/11/76-Ad.J.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. S. Bora to the post of Hindi Officer in the Directorate General of Health Services with effect from the 31st August, 1976 (F.N.) on an ad hoc basis and until further orders.

The 15th September 1976

No. 9-24/75-Admn.I.—Kumari Kamlesh M. G. relinquished charge of the post of Clinical Instructor in the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 5th August, 1976.

S. P. JINDAL,  
Deputy Director Administration.

New Delhi, the 10th September 1976

No. A.22012/27/76-CHS.I.—Consequent on her transfer and after availing of earned leave for eighty six days w.e.f. the 10th May, 1976 to 3rd August, 1976, Dr. (Smt.) M. H. Bhagat, an officer of G.D.O. Grade I, has assumed the charge of the post of D.A.D. (Annual Report) in the Dir. General of Health Services on the forenoon of the 4th August, 1976.

K. VENUGOPAL,  
Deputy Director Administration (CHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 9th September 1976

No. F.4.5(73)76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Santari Prasad is hereby appointed as Marketing Officer, Group III in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a temporary basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Rajkot with effect from 19-8-1976 (F.N.) until further orders.

RAMADHAR,  
Agricultural Marketing Adviser

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 4th September 1976

No. PPED/3(235)/75-Adm.1088.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani a Permanent Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of June 11, 1976 to the forenoon of August 16, 1976 against the post of Assistant Personnel Officer temporarily transferred from Rajasthan Atomic Power Projects to Power Projects Engineering Division.

N. G. PARULEKAR,  
Administrative Officer.

**NUCLEAR FUEL COMPLEX**

Hyderabad-500 762, the 7th September 1976

No. PAR/0704/1681.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri K. S. Asokan, a temporary Personnel Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad from 30-8-76 to 30-9-76, or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MHATRE,  
Senior Administrative Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 15th September 1976

No. E(I)04381.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. G. Lele, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 20-8-76 to 16-11-76.

Shri Lele Offg. Asstt. Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)05195.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Das, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 16-8-76 to 12-11-76.

Shri Das, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(I)05438.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Madan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 16-8-76 to 12-11-76.

Shri Madan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(I)05493.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Bandyopadhyaya, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eighty nine days with effect from the forenoon of 17-8-76 to 13-11-76.

Shri Bandyopadhyaya, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)/04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Dutta, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 20-8-76 to 16-11-76.

Shri Dutta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)05481.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 26-8-76 to 22-11-76.

Shri Bhan remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)05485.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. D. Kundra, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty nine days with effect from the forenoon of 2-9-76 to 29-11-76.

Shri Kundra, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA,  
Meteorologist,

for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th September 1976

No. A 38013/1/76-E.A.—The following officers in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department reverted to the post as mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Post from which reverted.	post to which reverted	Date of rever- sion	Station of last posting	Station posting on reversion	of on
1	2	3	4	5	6	7	
1.	Shri B.L. Chaddah	AAO	Aerodrome Assistant (Group C. Post)	4-7-76 (AN)	Rourkela	Delhi Airport Palam.	
2.	Shri Kaviraj Singh	Asstt. Dir. (Estate)	Asstt. Aero- drome Officer	9-7-76 (AN)	Hdqrs.	Safdarjung	

No. 380-13/1/76-E.A.—The following officers in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department retired from Government service under F.R. 56(j) on the date shown against each:—

Sl. No.	Name	Designation	Station	Date
1.	Shri S.K. Moulik	SAO	Varanasi	29-6-76 (AN)
2.	Shri P.C. Durgapal	AO	Kanpur	30-6-76 (AN)
3.	Shri W.V.B. John	AO	Madras	22-6-76 (AN)
4.	Shri H.D. Lal	AAO	Safdarjung	23-6-76 (AN)
5.	Shri S.H. Subba Rao	AAO	Dum Dum	27-7-76 (AN)
6.	Shri Kanwal Singh	AAO	Safdarjung	16-7-76 (AN)

The 10th September 1976

No. A 38013/1/76-E.A.—The following officers in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department retired from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date shown against each:—

Sl. No.	Name	Designation	Station	Date
1.	Shri V.S. Marathe	Senior Aerodrome Officer	Nagpur	30-6-76 (AN)
2.	Shri J. Raina	Asstt. Aerodrome Officer	Safdarjung	31-7-76 (AN)
3.	Shri B.N. Kacker	Dy. Dir. (Air-Transport)	Headquarters	31-7-76 (AN)

V. V. JOHRI,  
Asstt. Director of Administration

## FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 13th September 1976

No. 16193/70-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has been pleased to accept the resignation of Shri R. K. Bhartari, at present working as Deputy Director, Indian Standard Institution, from the post of Research Officer at this Institute with effect from 12-1-72 (F.N.) and he is deemed to have been relieved of his duties with effect from the same date.

P. R. K. BHATNAGAR,  
Registrar.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 8th September 1976

No. 15.—Shri B. P. Bhartaria, lately posted as Offg. Superintendent of Central Excise, Group B, Bhopal Division, proceeded on Earned Leave for 116 days w.e.f. 15-6-76 to 8-10-76 and 174 days half Pay Leave w.e.f. 9-10-76 to 31-3-77 on expiry of which he will retire from Govt. service.

No. 16.—Shri S. R. Dubey, lately posted as Superintendent of Central Excise Group-B (I/G), Ratlam, having been completely and permanently declared incapacitated for further retention in Govt. service as certified by the President, Divisional Medical Board, Indore, has been invalidated from Govt. service in the afternoon of 2nd August, 1976.

No. 17.—Shri Abdul Aziz Khan, lately posted as Superintendent Group-B, Central Excise M.O.R.-II Bhopal proceed on leave Preparatory to retirement of 120 days w.e.f. 3-8-76 to 30-11-76 on expiry of which he will retire from Govt. service.

No. 18.—Consequent upon his transfer Shri S. Banerjee, lately posted as Assistant Collector (Tech) Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur, has assumed the charge of Divisional Officer, Central Excise Division-I, Nagpur, in the forenoon of 12th July, 1976.

No. 19.—Consequent upon his transfer Shri B. P. Mathur lately posted as Divisional Officer, Central Excise Division, Indore, has assumed charge of Assistant Collector (Hqrs) Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur, in the forenoon of 11th August, 1976.

No. 20.—Consequent upon his transfer Shri Onkar Nath lately posted as Assistant Collector (Preventive) Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur, has assumed charge of Divisional Officer, Central Excise Division, Ujjain, in the forenoon of 1st July, 1976.

No. 21.—Consequent upon his transfer Shri C. Sen lately posted as Divisional Officer, Central Excise Division, Ujjain, has assumed charge as Divisional Officer, Central Excise Division, Indore in the forenoon of 30-6-1976.

No. 22.—Consequent upon his promotion as Offg. Superintendent C. Ex., Group-B, Shri M. S. Ghanekar, lately posted as Inspector (SG) Central Excise, has assumed charge as Superintendent (Val.) C. Ex. Hqrs. Office, Nagpur, in the forenoon of 5-8-1976.

No. 23.—Consequent upon his promotion Shri R. M. Pandey, lately posted as Superintendent C.Ex. Group-A Bhopal Division assumed charge of Assistant Collector of C. Ex. (Tech.) Hqrs. Office, Nagpur, in the forenoon of 17th August, 1976.

M. S. BINDRA,  
Collector.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL  
EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 14th September 1976

C. No. II(7)5-ET/75/8303.—Sri D. K. Bhattacharjee confirmed Superintendent Group 'B' Central Excise and Customs Collectorate Patna who was on deputation to Bokaro Steel Limited as Accounts Officer (Excise) retired from service on superannuation with effect from 31-5-1976 (A.N.).

C. No. II(7)5-ET/75/8304.—The following Superintendent of Central Excise and Customs Group 'B' Gazetted post of Patna Collectorate have retired from service on Superannuation with effect from dates and hour indicated against each.

*Sl. No., Name and Date of Superannuation.*

1. Shri Gopalnath—30-6-76 (A.N.).
2. Sri Gopalsaran Pd.—31-7-76 (A.N.).

H. N. SAHU, Collector  
Central Excise, Patna

## DIRECTORATE OF INSPECTION

## CUSTOMS &amp; CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 13th September 1976

No. 11/76.—Shri K. Rai lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Allahabad, assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the North Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise at Allahabad on 1-9-1976 (forenoon) vice Shri Sreedhar Prasad transferred.

C. No. 1041/51/76

Sd. ILLEGIBLE  
Director of Inspection

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 9th September 1976

No. A-19012/608/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri S. Maiti, Supervisor as Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 31st July, 1976, until further orders.

Shri S. Maiti assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

No. A-19012/579/76-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Suresh Kumar Jain to the post of Assistant Research Officer (Engineering-Mechanical) at the Central Water and Power Research Station, Poona Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 5th August, 1976.

2. Shri Suresh Kumar Jain will be on probation for a period of two years with effect from the same date and time viz. 5-8-1976.

No. A-19012/615/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Partho Nandi, Supervisor as Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, with effect from the afternoon of 31st July, 1976, until further orders.

Shri Partho Nandi assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 10th September 1976

No. A-19012/421/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to accept the resignation of Shri B. N. Dongre, Assistant Research Officer, Central Water and Power Research Station, Pune, with effect from the forenoon of the 16th August, 1976.

JASWANT SINGH  
Under Secretary  
For Chairman, C.W. Commission

SOUTH EASTERN RAILWAY  
GENERAL MANAGER'S OFFICE  
Calcutta-43, the 13th September 1976

No. P/G/14/300A/I.—The following Officiating Class-II Officers of the Transportation (Traffic) and Commercial Department of this Railway are confirmed in Class-II service of that Department with effect from the date shown against each:—

Name	Date from which Confirmed
1. Shri J.J. Kanjilal	28-4-64
2. Shri O. P. Lobo	1-2-73
3. Shri G. Singh	3-2-1973
4. Shri N. P. Pramanik	17-9-73
5. Shri A. N. Dutta	1-2-75
6. Shri B. Bose	1-5-75
7. Shri R. B. Newlay	1-12-75
8. Shri P. K. Roy	1-1-76
9. Shri P. K. Banerjee	1-2-76
10. Shri S.D. Bhattacharjee	5-2-76

M. MENEZER, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
Bombay, the 8th September 1976

C. No. 13771/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Nova Chit Funds Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 21-6-1976 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

P. T. GAJWANI,  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Hind Vyopar Company Private Ltd. (In Lqn.)

Kanpur, the 9th September 1976

No. 10608/1957 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hind Vyopar Company Private Ltd. (In Lqn.), unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
W. R. Draper Private Ltd. (In Lqn.)

Kanpur, the 9th September 1976

No. 10630/220 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the W.R. Draper Private Ltd. (In Lqn.) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN  
Registrar of Companies, Kanpur,  
U.P.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 13th September 1976

INCOME-TAX DEPARTMENT

F. No. O&C-I/Pub/W.T./D-III/75-76/27247.—Following is list showing the names of individuals and H.U.F.s, who during the financial year 1974-75 have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees (i) indicates status 'I' for

individual 'H' for H.U.P. (ii) Assessment year (iii) Wealth returned, (iv) Wealth assessed, (v) Wealth tax payable, (vi) Wealth tax paid by the assessee:—

1. PV-4748/Spl.Cir.XII Sardarni Mohinder Jaspal Kaur, 1A, Janpath, New Delhi (i) I, (ii) 1972-73, (iii) 5,25,000, (iv) 21,06,504, (v) 2,10,280, (vi) 1,50,000.
2. 22-008-HY-8086, Smt. Shanti Jhallani, 106, Sunder Nagar, New Delhi (i) H, (ii) 1974-75, (iii) 10,22,770, (vi) 10,22,770, (v) 15,684, (vi) 15,684.

A. C. JAIN,  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-III, New Delhi

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 7th September 1976

No. F. 48-Ad(AT)/76-P.II.—Shri S. V. Narayanan, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (forenoon) *vide* this office Notification No. F.48-Ad(AT)/76 dated 18th March, 1976, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta on *ad hoc* basis for a further period of six months w.e.f. 11th September, 1976 (Forenoon) or till the post is filled up on regular appointment of a nominee of the UPSC whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow on Shri S. V. Narayanan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri U. N. Krishnamurthy, Senior Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 11th March, 1976 (Forenoon) *vide* this office Notification No. F.48-Ad(AT)/76 dated 18th March, 1976, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on *ad hoc* basis for a further period of six months w.e.f. 11th September, 1976 (FN) or till the post is filled up on regular appointment of a nominee of the UPSC whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow on Shri U. N. Krishnamurthy a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT)/76-P.II.—Shri Y. Balasubramaniam, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 25th March, 1976 (forenoon) *vide* this office notification No. F.48-Ad(AT)/76 dated 3rd March, 1976, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate tribunal Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis for a further period of six months with effect from 25th September, 1976 (Forenoon) or till the post is filled up on regular appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow on Shri Y. Balasubramaniam a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

HARNAM SHANKAR  
President

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1133(516)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 197-B, 415-B, FP No. 227, SP No. 3/10 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Shravankumar Parmanandbhai Patel, Gali Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth Kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. Through power of Attorney Holder, Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navijvan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Patel Babubhai Bhaktidas, 23, Uttar Gujarat Patel Society No. 2, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 298. sq. yards bearing S. No. 197-B, 415-B Part, FP No. 227, SP No. 3/10 of TPS 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Dated : 3-9-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Shri Shravankumar Parmanandbhai Patel, Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharth-kumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. Through Power of Attorney Holder, Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Amtalal Balchandas Patel, New Purnima Society Block No. 10, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1134(517)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 197-B, 415-B Part, FP No. 227, SP No. 3/11 situated at (of TPS No. 14), Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admensuring 472 sq. yards bearing S. No. 197-B, 415-B Part, FP. No. 227, SP No. 3/11 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1135(518)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 197-B, 415-B (Part) FP No. 227, SP No. 3/7 situated at TPS No. 14, Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Shravankumar Parmanandbhai Patel, ~~Gok~~ Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharthkumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh, Through Power of Attorney Holder, Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Patel Ishwarlal Kuberdas, Uttar Gujarat Patel Society No. I, Bungalow No. 23, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 314 sq. yards bearing S. No. 197-B 415-B Part, of FP No. 227, SP No. 3/7 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Shravankumar Parmanandbhai Patel, Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharthkumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. Through power of attorney holder, Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

(2) Patel Dahyabhai Maganlal, Uttar Gujarat Patel Society No. 1, Block No. 72, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1136(519)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. Survey No. 197-B, 415-B Part, FP No. 227, SP No. 3/6 of TPS situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 397 sq. yards bearing S. No. 197-B 415-B (Part) of F.P. No. 227, SP. No. 3/6 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Shravankumar Parmanandbhai Patel, Gol Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. 2. Shri Sidharthkumar Parmanandbhai Patel, Mill Bazar, Jabalpur, Madhya Pradesh. Through power of Attorney Holder, Shri Laljibhai Maganlal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

- (2) Shri Naranbhai Ambalal Patel, 80, Uttar Gujarat Patel Society, No. 1, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

No. Acq. 23-I-1137(520)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 197-B, 415-B, Part, FP No. 227, SP No. 3/8 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 17-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

An open plot of land admeasuring 267 sq. yards bearing S. No. 197-B, 415-B (Part) FP No. 227, S.P. No. 3/8 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

**J. KATHURIA,**  
**Competent Authority**  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Patel Oil Mill, Outside Majewadi Darwaja, Junagadh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1048(521)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 33 to 37 situated at Khamdrol Road, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 29-1-1976 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—276GI/76

(2) Shri Ram Industries, through partner—Shri Tribhuvandas Ramchhodhbhai Patel, Outside Majewadi Darwaja, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 2894.40 sq. yards bearing Plot No. 33 to 37 situated at Khamdrol Road, Outside Majewadi Darwaja, Junagadh,

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-972(522)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 2-A, FP No. 270 and 259 of TPS No. 26 situated at Vasana, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Nirman Corporation, through its partner, Shri Nareshchandra Chandulal Shah, 18, Harshanti Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Benazir Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Vasantkumar Laxmishankar Joshi, Sutarpada, Khadia, Ahmedabad. Secretary : Shri Bhupendrakumar Rahul Thakkar, Bapunagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A permanent tenancy right on land admeasuring 9520 sq. yards bearing S. No. 2-A, FP No. 270 and 259 of TPS No. 26 and situated at Vasana, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Dated : 3-9-1976,

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Executors of the property of the late Bhagwanlal Tejaji Kharawala, 1. Shri Laljibhai Bhagwanlal Kharawala, 2. Shri Jayantilal Bhagwanlal Kharawala, Kharawala Bhuvan, Mitakhali, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

(2) Suman Sajani Co-op. Housing Society (Proposed), through its promoters, 1. Bansilal Chunilal Zaveri, Raipur Kotni Pole, Ahmedabad. 2. Pranjivandas Tri-bhovandas Mistry, Safalkunj, Ambica Nivas, Isan-pura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 20595 sq. yds. bearing S. No. 188 situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kantaben widow of Amratlal Dalsukhbhai Haji, T-28, Shantinagar Society, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

(2) Akhil Bhartiya Sanskriti Rakshak Dal, Ahmedabad Through its trustees (1) Shri Lalithbhai Jasinghbhai Dhabhi, Servants Nivas, Ilira Jain Society, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad. (2) Amit Arvindbhai Shah, 7, Shantinagar Society, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) 1. Shri Chandulal Manilal Shah, 2. Shri Vrajlal Anililal Shah.

(Person in occupation of the property)

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-971(524)/I-1/75-76.—Whereas, I, **J. KATHURIA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 4461, 4462 and 4463 of Kalupur Ward No. 2, situated at Opp : Nisha Pole, Relief Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A four storied building standing on land admeasuring 191 sq. yards bearing C.S. No. 4461, 4462 and 4463 of Kalupur Ward No. 2, and situated opp. Nisha Pole, Relief Road, Ahmedabad.

**J. KATHURIA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dahyabhai Dhanjibhai Patel, Chandlodiya, Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ishwarkripa Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Mohanbhai Vallabhbhai Patel, Krishnanagar Society, 3, New Vadéj, Ahmedabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1694 sq. yards bearing S. No. 295-2 situated at Chandlodia, Ahmedabad.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ratiben Dahyabhai Patel, Chandlodia, Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Ishwarkripa Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Mohanbhai Vallabhai Patel, Krishnanagar Society No. 3, New Vadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1139(526)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 295-2 situated at Chandlodia, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 1694 sq. yards bearing S. No. 295-2, situated at Chandlodia, Distt. Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Sidharthbhai Kasturbhai, 2. Shri Sanjay  
Shrenkibhai Shahibaug, Ahmedabnd,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandanbaug Co-op. Housing Society Ltd., Vibhag-  
2, Shahibaug, Ahmedabad-2.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabnd-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-951(527)/75-76.—Whereas, I,  
J. Kathuria,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 129-1-2 Plot No. 26 of TPS 8 situated at  
Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering  
Officer at Ahmedabad on January 1976  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reasons to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 4512 sq. yards bearing  
S. No. 129-1-2 Final Plot No. 26 of T.P.S. No. 8, situated at  
Dariyapur-Kazipur, Near B. J. Medical College, Ahmedabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act',  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1058(528)/11-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 10/83 situated at Bhalka Road, Veraval (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval, on 15-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Veraval Fertilizers and Industries (P) Ltd., Managing Director : Shri Mahamad Haji Umar Baloch, Bhalka Road, Veraval, Dist. Junagadh. Director : Shri Nazir Ahmed Mahamadbhai Baloch, Bhalka Road, Veraval, Distt. Junagadh.

(Transferor)

(2) Patel Afticawala & Co., through partner—Shri Haji Raheman Rahim Patel, Kharakuwa, Veraval, Distt. Junagadh.

(Transferee)

(3) 1. Sagar Oil Mill, Opp : Bond Mill Compound, Bhalka Road, Veraval. 2. Sindhi Karamchand Mulchand, Opp : Bon Mill Compound, Bhalka Road, Veraval. 3. Abdla Bros, Managing member Shri Abdalgani Mohammad Malek, Opp : Bond Mill Compound, Bhalka Road, Veraval.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 10634.23 sq. yards Ward No. 10/83, and situated at Bhalka Road, Veraval, Distt. Junagadh.

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Balaji Hariji Thakore. Near Ankleswarni Chali, Outside Shahpur Gate, Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th September 1976

No. Acq. 23-I-1157(51)/1-1/75-76.—Whereas, I,  
J. Kathuria,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 255-2, situated at Ghatlodia Distt.  
Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 27-1-1976,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act: to the following persons, namely :—

19—276GI/76

(2) M/s. Krishna Corporation,  
"Mathruchhaya", Old Vadaj Bus Terminus,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 0-34 Guntha bearing S.  
No. 255-2, of Ghatlodia, situated near Chandlodiya Railway  
Station, Distt. Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Balaji Dhiraj Thakore, Ghatlodia Distt.  
Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1158(552)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 90-2, Plot No. 1 and 2 situated at Ghatlodia, Distt. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, sons, namely :—

(2) Bhuyangdev Co-op. Housing Society Ltd., Ghatlodia, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring in all 6861 sq. yards bearing S. No. 90-2, situated at Ghatlodia, Distt. Ahmedabad and transferred under two different sale deeds the details of which are as under :—

Sl.No.	Plot No.	Area	Regn. No. & date	Con- sideration
1	1	3430 sq. yds.	811/16-1-76	39,445-00
2	2	3431 sq. yds.	812/16-1-76	39,456-50

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Dated : 15-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Naniben, wife of Shri Babaji Dhiraj, Ghatlodia,  
Distt., Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1159(553)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 90-2, Plot No. 3 situated at Chatlodia, Distt. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Bhuyangdev Co-op. Housing Society Ltd., Ghatlodia, Distt. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3432 sq. yards bearing S. No. 90-2, Plot No. 3, situated at Ghatlodia, Distt. Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vasantlal Popatlal Malaviya, Manahar Plot,  
Opp : Rashtriya Shala, Rajkot.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amritlal Jerambhai Malavi, Navjivan Society,  
Mahila College Main Road, "Parjiya", Rajkot.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-308 009, the 15th September 1976

No. Acq. 23-I-1160(554)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at on Westside of Gondal Road, Nr. Railway Crossing, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 945 sq. yds. situated on western side of Gondal Road, Ncar Railway Crossing, Rajkot, as described in the sale deed registered vide Registration No. 121 in January, 1976.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 15-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri Sitaram P. Pandit, 2. Shri Vasant P. Pandit, 3. Smt. Saraswati P. Pandit, All residing at Dil Pazir, B. Desai Road, Bombay-27 4. Smt. Sharda Mukerji, 8-A, Mufatla Park, B. Desai Road, Bombay-27.  
(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

- (2) Takshahila Co-op. Housing Society Ltd., 4, Ramkri-shannagar, Rajkot.  
(Transferee)

Ahmedabad, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1075(529)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old Survey No. 403 situated at S. No. Pandit Road, Ward No. 16, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admcasuring 9952 sq. yards bearing old Survey No. 403, situated at Ward No. 16, S. No. Pandit Road, Rajkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lilavatiben Lalbhai, 2. Shri Ballubhai K. shnal Majmudar, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1140(530)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 151, FP 1, Sub-Plot No. 1 of TPS No. 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

An open plot of land admeasuring 507 sq. yds. bearing S. No. 151, FP 1 Sub-Plot No. 1 of TPS No. 8, Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Lilavatiben Lalbhai,  
2. Shri Ballubhai Krishnalal Majmudar, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1141(531)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 151, FP No. 1, SP No. 2 of TPS No. 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Niveditaben Pravinbhai Kadivar, Near Narmad Colony, Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 503 sq. yards bearing S. No. 151, FP No. 1 S.P. No. 2, of TPS No. 8, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lilavatiben Lalbhai,  
2. Shri Ballubhai Krishnalal Majmudar, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

(2) Pushpaben Narendrabhai Kadivar, Near Narmad Colony, Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1976

Ref. Acq. 23-I-1142(532)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 151, FP No. 1, S.P. No. 3 of TPS No. 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 490 sq. yards bearing S. No. 151, Final Plot No. 1, Sub-Plot No. 3 of TPS No. 8, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

J. KATHURIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
AHMEDABAD.

Date : 10-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Lilavatiben Lalbhai,  
2. Shri Ballubhai Krishnalal Majmudar, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1976

Ref. No. Acq. 23-I-1143(533)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 151, FP No. 1, SP No. 4 of TPS 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

20—276GI/76

- (2) Shri Narendrabhai Mavjibhai Kadivar, Near Narmed Colony, Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 510 sq. yards bearing S. No. 151, Final Plot No. 1, Sub-Plot No. 4 of T.P.S. No. 8, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
AHMEDABAD.

Date : 10-9-1976

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Smt. Lilavatiben Lalbhai,  
2. Shri Balubhai Krishnalal Majmudar, Shahibaug,  
Ahmedabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1144(534)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 151, FP No. 1, SP No. 5 of TPS No. 8 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 740 sq. yards bearing S. No. 151, Final Plot No. 1 Sub-Plot No. 5 of TPS No. 8, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1145(535)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 211-1, 412, 212-A-2 Part, FP 260, 261, 262 Part, situated at Sub-plot No. 2/2, Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Tilotama Chandravadan Lashkari,  
2. Shri Chandravadan Durgaprasad Lashkari,  
Guardian of Minor, Jabal Chandravadan Lashkari Near Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Madhukantaben Vasudev Patel,  
37, Hinav Colony, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 403 sq. yards bearing S. Nos. 211/1, 412, 212-A-2, Part, Final Plot No. 260, 261, 262 Part, Sub-Plot No. 2/2, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1146(536)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 211/1, 412, 212-A-2, Part, Final Plot No. 260, 261, 262 Part situated at Sub-Plot No. 2/1,  
Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Tilotama Chandravadan Lashkari,  
2. Shri Chandravadan Durgaprasad Lashkari,  
guardian of Minor, Jabal Chandravadan Lashkari,  
Nr. Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mahendra Babubhai Panchal,  
2. Shri Babubhai Trikamlal Panchal,  
guardian of Minor Dipak Babubhai Panchal,  
Near R. C. High School, Ghee Kanta,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 524 sq. yards bearing S. No. 211/1, 412, 212-A-2 Part, Final Plot No. 260, 261, 262-Part, Sub-Plot No. 2/1, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Tilotama Chandravadan Lashkari,  
2. Shri Chandravan Durgaprasad Lashkari, guardian  
of minor, Jabal Chandravadan Lashkari, Near  
Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rameshchandra Govindlal Panchal,  
2. Shri Vijaykumar Govindlal,  
Ghee Kanta Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1147(537)/1-1/75-76.—Whereas, I. J.  
KATHURIA

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 211/1, 412, 212-A-2-Part, FP Nos. 260, 261, 262 Part, Sub-Plot No. 2/3, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land admeasuring 462 sq. yards bearing S. Nos. 261-1, 412-, 212-A-2 Part, FP No. 260, 261, 262 Part Sub-Plot No. 2/3 situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-988 (538)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 269-2 situated at Vejalpur Village, Near Surendra Mangaldas Bungalow, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Patel Skrabbhai Punjabhai, Umia Vijay Co-op. Housing Society, Ltd., Satellite Road, Ahmedabad-15 (Transferor)

(2) Jai Shafali Co-op. Housing Society Ltd., Ahmedabad, through Chairman : Shri Dasrathbhai Gopalbhai Panchal, Shah Alam, Maninagar, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 4235 sq. yards, bearing Survey No. 269-2 and situated at Vejalpur, near Surendra Mangaldas Bungalow, Satellite Road, Ahmedabad, transferred vide two sale documents, the details of which are as under :—

Document No.	Area	Apparent consideration.
567	2117.5 sq. yd.	Rs. 60,348.75
569	2117.5 sq. yds.	Rs. 60,348.75

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Patel Bababhai Punjabhai, Umia Vijay Co-op.  
Housing Society Ltd., Satellite Road, Ahmedabad-15.  
(Transferor)

(2) Jai Shafali Co-op. Housing Society Ltd., Ahmedabad.  
Through Chairman : Shri Dasrathbhai Gopalbhai  
Parchal, Shah Alam, Maninagar, Ahmedabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1148 (539)/1-1/75-76.—Whereas, J. J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Survey No. 269-1, situated at Vejalpur village, Near Surendra Mangaldas Bungalow, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Ahmedabad on 9-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 4840 sq. yards, bearing Survey No. 269-1 and situated at Vejalpur, near Surendra Mangaldas Bungalow, Satellite Road, Ahmedabad, transferred vide two sale documents, the details of which are as under :—

Document Nos	Area	Apparent consideration
566	2420 sq. yds.	68,970/-
564	2420 sq. yds.	68,970/-

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Maneklal Punjabhai, Umja Vijay Co-op. Housing Society Ltd., Satellite Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1149(540)/1-1/75-76.—whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 269-3 situated at Vejalpur village, Near Surendra Mangaldas Bungalow, Ahmedabad on 9-1-1976 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Jai Shafali Co-op. Housing Society Ltd., Ahmedabad Through Chairman: Shri Dasrathbhai Gopalbhai Panchal, Shah Alam, Mannagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land admeasuring in all 4235 sq. yards bearing Survey No. 269-3, and situated at Vejalpur, Near Surendra Mangaldas Bungalow, Satellite Road, Ahmedabad, transferred vide two documents, the details of which are as under :—

Document No.	Area	Apparent consideration
565	2117.5 sq. yds.	60,348.75
570	2117.5 sq. yds.	60,348.75

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Dahiben, wife of Bababhai Punjabhai, Umia Viay Co-op. Housing Society Ltd., Satellite Road, Ahmedabad-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jai Shafali Co-op. Housing Society Ltd., Ahmedabad through Chairman : Shri Dasrathbhai Gopalbhai Panchal, Shah Alam, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1150(541)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 269-3, situated at Vejalpur Village, Nr. Surendra Mangaldas Bungalow, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 4356 sq. yards, bearing Survey No. 269-3 and situated at Vejalpur, Nr. Surendra Mangaldas Bungalow, Satellite Road, Ahmedabad, transferred vide two sale documents, the details of which are as under :—

Document Nos.	Area	Apparent consideration
568/9-1-76	2178 sq. yards.	Rs. 62,073/-
571/9-1-76	2178 sq. yards.	Rs. 62,073/-

J. KATHURIA

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—276G1/76

## FORM ITNS.

(1) Shri Osman Haji Hussein, Patel Colony, Jamnagar.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1047(542)/10-I/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 10/1, situated at Near Khojagate, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagar on 31-1-1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Ababhai Saleemohmad Zaveri, Muslim Boarding Trust, Through Trustees, (1) Shri Suleman Karambhai, (2) Shri Yakubhai Abdulkarim Paniwala, Ranjitvad, Jamnagar.

(Transferee)

(3) (1) Shri Gordandas Gopaldas, (2) Shri Rameshchandra N. Joshi, Near Khojagate, Machhalipith, Jamnagar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A double storied building standing on land admeasuring 5118'-10", bearing S. No. 10/1, situated near Khoja Gale, Jamnagar.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 296D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shri Abdulkarim Ismail,  
 (2) Shri Rafik Abdulkarim,  
 (3) Umar Abdulkarim, Cutlery Bazar, Basathiya Sheri, Veraval.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
 HOUSE; ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD-380009

(2) (1) Vora Sabbir Hussin Rajabali Jam,  
 (2) Vora Mansur Hussen Rajabali Jam, C/o. M. Sabbirhussen & Co., Bundar Road, Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1059(543)/11-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 39, Block No. I, Ward No. 8, Old Kaliwad, Bundar Road, Main Road, Veraval, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval on 16-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 1137.799 sq. metres bearing S. No. 39, Block I, Ward No. 8, situated at Kaliwad, Bundar Road, Main Road, Veraval.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Atul Drug House Ltd., Baldota Bhavan, 117,  
Maharshi Karve Marg, Bombay-20

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1060 (544)/12-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Four lease-hold plots belonging to Kandla Port Trust, situated at Old Kandla Taluka Anjar, Distt. Kutch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anjar on 28-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Chemicals and Resins Pvt. Ltd., 85, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

(Transferee)

(4) Kandla Port Trust, Gandhidham, Kutch.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four lease-hold plots admeasuring 1734.21, 5229.11, 12504 and 18289 sq. mts. respectively, belonging to the Kandla Port Trust, Gandhidham alongwith factory and other premises situated at old Kandla, Taluka Anjar, District Kutch and as fully described in the Indenture of 17-1-1976, registered by the Sub-Registrar, Anjar vide registration No. 116 dated 28-1-1976.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Shri Somchand Motiram Bhavasar.  
 2. Shri Mahasukhram Motiram Bhavasar,  
 Mendikuva Road. Outside Shahpur Gate, A' bad.  
 (Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
 HOUSE; ASHRAM ROAD,  
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1151 (545)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 282-2 & 282-1

situated at Ranip, Distt. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (2) Jagatdarshan Co-op. Housing Society, Ltd., through its Chairman :  
 Shri Navinchandra Keshavlal Bhavasar,  
 6, Vincijay Society Naranpura, A'bad.  
 Secretary : Shri Natwarlal Babaldas Bhavasar,  
 Ahmedabad, Member : Shri Sureshchandra Somchand Bhavasar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring in all 8393 sq. yards bearing S. No. 282-2, 282-1, situated at Ranip Distt. Ahmedabad, transferred under four different documents, the details of which are as under :—

Sr. No.	Regn. No. & dt.	Survey No.	Area	Apparent consideration
1. 532/9-1-76		282-2 Part 282-1-6	2628	Rs. 39,420/-
2. 540/9-1-76		282-2 Part 282-2-3	2430	36,450/-
3. 541/9-1-76		282-2 Part 282-1-5	2346	35,190/-
4. 548/9-1-76		282-1 & 282 Part 282-1-2	989	14,835/-

J. KATHURIA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Shirish Bansilal,  
Netaji Road, Ellisbridge, Ahmedabad.  
2. Shantaben Bansilal,  
Netaji Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1152 (546)/I-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 70, FP No. 179, Sub-Plot No. 6, of TPS 14, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 30-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Chhotalal Mangalal,  
Mota Vaghjipura, Dariapur,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 235 sq. yards bearing S. No. 70, F. P. No. 179, Sub-Plot No. 6 of T. P. S. No. 14, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1153 (547)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 70, FP No. 179, Sub-Plot No. 6, of TPS No. 14, situated at Dariapur-Kazipur, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Shirish Bansilal,  
2. Smt. Shantaben Bansilal,  
Both residing at Netaji Road, Ellis Bridge,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Yashvantray Mehta,  
III, Raghukul Society, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 221 sq. Yards bearing S. No. 70, F. P. No. 179, Sub-Plot No. 6 of T. P. S. No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Shri Shamshuddin Abdulkadar Bukhari, Sayedwada, Khanpur, Ahmedabad,  
 2. Motibegum, d/o Saiyed Abdulkadir Shamshuddin Bukhari, Salatwada, Delhi Darwaja, Ahmedabad.  
 3. Navalsibegum, d/o Saiyed Abdulkadir Shamshuddin Bukhari, Sayedwada, Khanpur, Ahmedabad.  
 4. Karimunnisa, d/o Saiyed Abdulkadir S. Bukhari, Opp : Piran Pir's Durgah, Jamalpur, Ahmedabad.  
 (Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,**

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1154 (548)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CTS No. 2929 & M. C. No. 1874, Sheet No. 68 and CTS No. 2935 Part, Sheet No. 71 of Khadia Ward-I, situated Khadia, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shubhanidhi Co-op. Housing Society Ltd., Paniya Building, Gandhi Road, Ahmedabad-1. Through— 1. Chairman : Shri Kumudchandra Chandauli, 2. Secretary : Shri Patel Ratibhai Ashabhai.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property standing on land admeasuring 118.7 sq. yards bearing C. T.S. No. 2929, M. C. No. 1874, Sheet No. 68 and CTS No. 2935 Part, Sheet No. 71 of Khadia Ward No. 1 and situated at Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Shri A. M. Corporation, Ahmedabad.  
(Transferor)(2) M/s. Star Builders (Gujarat),  
Ahmedabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1155 (549) /1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. P. No. 749-1-1-2-3 and 750-A-B-C Part situated at Chhadavad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land admeasuring in all 664. sq. yards bearing F. P. No. 749-1-2-3 and 750-A-B-C (Part) and situated at Chhadavad, Ahmedabad and transferred under two different sale deeds, the details of which are as under :—

Sr. No.	Sub-Plot No.	Area	Regn. No. & dt.	Con-sideration
		sq. yds.		Rs.
1. E-1-3		300	256/6-1-76	36,000/-
2. E-2		364	258/6-1-76	43,680/-

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—276GI/76

**FORM ITNS —****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE; ASHRAM ROAD,**

Ahmedabad-380009, the 10th September 1976

No. Acq. 23-I-1156 (550)/I-I/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F. P. No. 166, Sub-Plot No. 3, TPS No. 3 situated at Sheikhpur-Khanpur, Gujarat High Court Road, Metro Commercial Centre, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) House of Benefit (P) Ltd., Proprietor, M/s. Envec & Co. through its director, Shri Nanik Sadhu Ram Khayani, 587, Jawahar Colony, Sardar Nagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohanlal Virji Solanki,  
2. Shri Damji Virji Solanki,  
3. Shri Amritlal Virji Solanki,  
4. Shri Chhotalal Virji Solanki, University Campus Road, Bank of Baroda, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

(3) Sarvasree K. L. Chatterjee, A. Sengupta, P. Chowdhuri and Mrs. R. Dhar, 54, Dhakuria Station Road, Calcutta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in this Chapter.

**THE SCHEDULE**

An immovable property consisting of Shop No. 3 and 4 on the ground floor, bearing FP No. 166, SP No. 3, TPS No. 3, and situated at High Court Road, Metro Commercial Centre, Ahmedabad, transferred under two different sale deeds the details of which are as under :—

Shop No.	Consideration.	Date of registration
3	Rs. 32,500/-	17-1-976
4	Rs. 32,500/-	17-1-76

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt Lilavatiben W/o  
Shri Parekh Panachand Bhagwanji  
Sampatrao Colony, Baroda
- (2) Shri Panachand Bhagwanji Parekh,  
Sampat rao Colony, Baroda

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR( HANLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1976

Ref. No. P.R. No. 457/Acq.23-807/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No 503, of Vadodara Kasba, situated at 84, Sampatrao Colony, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baroda in January 1976

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt.Lilavantiben Jayantilal Badani;  
2. Shri Hasmukhbhai Jayantilal Badani;  
3. Shri Hamubhai Jayantilal Badani,  
4. Shri Kishorbhai Jayantilal Badani,  
84, Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lahd and a bungalow including garage and out-house situated at 84, Sampatrao Colony, Baroda land bearing R.S. No. 503 Vadodara Kasba and admeasuring 10000 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 7108/75 of January, 1976 of the Sub-Registrar, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th September 1976.

Seal :

**FORM INTS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Shri Chandrakant P. Patel;  
2. Shri Vithalbhai P. Patel;  
3. Shri Mahendra P. Patel;  
For and behalf of Shri Purshottamdas Estate Corporation; C/o. Shri Vithalbhai P. Patel, Kamdhenu' Race Course Circle Road, Baroda.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

- (2) 1. Shri Thakorbhai Dahyabhai Patel;  
2. Shri Dinkerbhai Dahyabhai Patel;  
C/o. Shri Vithalbhai P. Patel;  
'Kamdhenu' Race Course Circle Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 6th September 1976

Ref. No. P.R. No. 458Acq.23-808/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Sur. No. 464 situated at Ranoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building (warehouse) No. 5A, bearing S. No. 464 situated at Ranoli, admeasuring 8750 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 442 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Baroda.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6th September 1976.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Patel Chhaganbhai Desai bhai  
Village Padra, Dist. Baroda.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR( HANLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380-009, the 6th September 1976

Ref. No. P.R. No. 459.Acq.23-809/6-2/75-76.—Whereas, J. P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mauje Jetapur, Sur. No. 512/2-1 situated at Jetapur Naka, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Chandulal Jethalal Jayswal,  
Prop. Ram Prakash Estate Corporation,  
8, Maharshi Arvind Colony, R. V. Desai Road,  
Baroda.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and temporary structures bearing S. No. 512/2-1 of Jetapur, situated at Jetapur Naka, Race Course Road, Baroda. Land admeasuring 10605 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 171/76 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 6th September, 1976.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Haji Mohmed Haji Usman Jhaveri,  
Navsari.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

- (2) 1. Shri Manibhai Rambhai Patel;  
2. Shri Mansukhbhai Manibhai Patel;  
3. Shri Manberbhai Manibhai Patel;  
4. Shri Rameshbhai Manibhai Patel;  
Lunsi-kui, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380-009, the 6th September 1976

Ref. No. P.R. No. 460.Acq.23-707/7-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 7, City Survey T. No. 18 S. No. 64 of Navsari situated at Lunsi-kui, Navsari, Dist. Bulsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 3000 sq. ft. alongwith a three storeyed bungalow with a garage bearing City Sur. Tika No. 18, Sur. No. 64 situated at Lunsi-kui, Navsari, Dist. Bulsar in the sale-deed registered with registration No. 106, registered in the month of January, 1976 by the registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th September, 1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS**(1) Haji Mohamed Haji Usman Jhaveri,  
Navsari.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR( HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 6th September 1976

Ref. No. P. R. No. 461-Acq.23-707/7-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey Tika No. 18, Sur. No. 18 of Navsari. situated at Lunsikui, Navsari, Dist. Bulsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Manibhai Rambhai Patel;  
2. Shri Mansukhbhai Rambhai Patel;  
3. Shri Manherbhai Manibhai Patel;  
4. Shri Rameshbhai Manibhai Patel;  
Lunsi-kui Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing C. S. Tika No. 18, Sur. No. 64, situated at West side of Lunsikui ground, Navsari admeasuring 2000 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 107 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6th September, 1976.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) 1. Shri Rustom Jamshed Maneksha;  
2. Shri Manek Jamshed Maneksha.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
  
**ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1976

Ref. No. P.R. No. 462.Acq.23-857/7-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 208 situated at Segva, Tal. Olpad, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulsar on 17-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

(2) Shri Mohansingh Jaganbhai Parmar,  
Segva, Tal. Olpad, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing Block No. 208 situated at Segva, Tal. Olpad, Dist. Surat, admeasuring 25 acre, 11 gunthas as described in the sale-deed registered under registration No. 15 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Bulsar.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14th September, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prabhudas Manilal Acharya,  
C/o Kalpiana Sweet Market,  
Opp. Jubilee Baug, Baroda.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ayanshaben Masabhai Jetharia,  
& others,  
Nagarwada, Sayedpura, Baroda.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND. FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1976

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 463.Acq.23-858/6-1/75-76.—Whereas, J. P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D.T. No. 1/9, S. No. 2 Fatehganj Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in January 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
23—276GI/76

**THE SCHEDULE**

Land being No. D.T. No. 1/9, S. No. 2, situated at Fatehganj, Baroda admeasuring 1872 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 943 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14th September, 1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kamla Ben Manibhai Vaidya,  
Hathi Pole, Rajmahel Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND. FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1976

Ref. No. P.R. No. 464.Acq.23-859/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D.T. No. 1/9, S. No. 2, situated at Fateh Gahj, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Aminakhatu Rasulkhan Pathan;  
3- Vora Colony, Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing No. D.T. No. 1/9, S. No. 2, situated at Fatehganj, Baroda admeasuring 1870 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 6940/75 in the month of January, 1976 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14th September, 1976.

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) (i) Kazi Muzafar Hussain Ahmedhussain,  
(ii) Kazi Mumtaz Begam Ahmedhussain,  
Nawabwada, Raopura, Baroda.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR( HANLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1976

Ref. No. P.R. No. 465.Acq.23-860/6-1/75-76.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
T.B. 10/2, S. No. 11, situated at Nawabwada, Raopura,  
Baroda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Baroda in January, 1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Aminakhatu Rasulbhai Pathan;  
3-Vohra Colony, Ajwa Road, Baroda.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA, of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Land bearing T.B. No. 10/2, S. No. 11 situated at Nawabwada, Raopura, Baroda admeasuring 2626 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 3321/75 in the month of January, 1976 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 14th September, 1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dinanath Punamchand;  
Near Sachin House, Sagrampura, Surat.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dinhbandhu Coop. Housing Society;  
President : Shi Bharat Ramanlal;  
Secretary : Shri Chandrakant Chimanlal  
Bhatar Road, Near Jakat Naka, Surat.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th September 1976

Ref. No. P.R. No. 466.Acq.23-861/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
R. S. No. 151 situated at Majura, Surat.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat in January, 1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA, of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 151 situated at Majura, Surat, ad-  
measuring 5929 sq. yds. as described in the sale-deeds regis-  
tered under registration Nos. 356 & 743 in the month of  
January, 1976 by the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 16th Sept. 1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Shashikant Chandulal;  
Near Sachin House; Sagrampura,  
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lallubhai Rambhai Patel;  
Varad, Tal. Bardoli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Chandulal Kalidas,  
Near Sachin House, Sagrampura,  
Surat.

[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 16th September 1976

Ref. No. P.R. No. 467.Acq.23-862/19-7/75-76.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

S. No. 132 paiki; situated at Majura, Dist. Surat,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat in January, 1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 132 paiki situated at Majura, Surat  
admeasuring 5330 sq. yds. as described in the sale deeds  
registered in the month of January 1976 under registration  
No. 305 & 346 by the registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

Date : 16-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shashikant Chandulal;  
Near Sachin House; Sagrampura,  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Somabhai Hirabhai Patel;  
Siker, Tal. Valod.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND, FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

(4) Shri Chandulal Kalidas,  
Near Sachin House, Sagrampura,  
Surat.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 16th September 1976

Ref. No. P.R. No. 468.Acq.23-863/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 132 paiki; situated at Majura, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land bearing S. No. 132 paiki situated at Majura, Surat admeasuring 5330 sq. yds. as described in the sale-deeds registered in the month of January 1976 under registration No. 306 & 347 by the Registering Officer, Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. LDH/C/1745/75-76.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Plot measuring 481 2/3 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Mohinder Singh S/o  
Shri Kundha Singh,  
(ii) Shri Harjinder Singh,  
(iii) Shri Jagmohan Singh  
S/o Shri Mohinder Singh,  
R/o Kothi No. 311-Sector-7A, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur W/o Gurcharan Singh Gill  
alias Harcharan Singh,  
R/o Village Longa Douna Teh. Zira,  
Presently C/o Sh. G. S. Gill Asstt. District Attorney  
District Court, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot measuring 481 2/3 sq. yds.  
comprised in Khasra No. 74.

16-2-	2-	1
2	2	5
1	2	

Khata No. 1889/2036 and Jambandi of 1970-71.  
situated in Gurdev Nagar Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 7170, of January, 1976 of the Registering Officer Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Surinder Kaur D/o Sh. Hajara Singh,  
S/o Sh. Mangal Singh,  
R/o 286-Abad Pura, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Murti S/o Sh. Sadhu Ram  
S/o Sh. Tulsi Ram  
R/o Pedni Kalan, Teh. Dhuri Dist. Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. LDH/C/1752/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 1615 alongwith vacant Plot situated at Simla Puri (Gill No. 2) Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

H. No. 1615 alongwith Vacant Plot measuring 1000 sq. yds. comprised in Khasra No. 832 Khata No. 182/232 situated in Simla Puri (Gill No. 2) Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 7241 of January, 1976 of the Registering Officer Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Amarjit Singh S/o Sh. Sant Ram  
R/o A/473 Sadar Bazar, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1894/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 9 Bighas 3 Biswas situated at Village Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Karnal in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) S/Shri  
Balwant Singh & Sher Singh  
S/o Ladha Singh,  
R/o E/6 Subhash Gate, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bighas 3 Biswas out of land comprised in Khewat No. 2171, Khatoni No. 4786 and in Khasra Nos.

6513 Min	6515	6518	6522
4-9	2-11	0-10	1-13

situated at Meerut Road, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5496 of January 1976 of Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

24—276GI/76

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sher Singh S/o Sh. Ladha Singh,  
R/o E-6, Subhash Gate, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1895/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 4 Bighas 13 Biswas situated on G.T. Road bye pass Meerut Crossing, Karchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karnal in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Mann Cold Storage through Smt. Janki Devi Wd/o Ch. Randhir Singh, R/o Randhir Lane, near Mann Filling Station, G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 13 Biswas out of land comprised in Khasra Nos :—

(a) 8286 Min.	8287	8288 Min
— South,	—	—
2	2	2
o-2	1-19	2-8
8290 Min.	8306 Min.	
— North	—	—
0-19	2	1-10

Khewat 2078, Khatoni No. 4657.

(b) 8305 Min. North	0-7 Biswa
---------------------	-----------

Khewat No. 1151, Khatoni No. 2770/27,
(c) 13379, 8306 Min. North, 8307 Min. North

8309	1
3-14	4-11
	4-5
Kh. 8308/2 Bighas 15 Biswas	

Khewat No. 1100, 1101, Khatoni No. 2731-32, Jamabandi year 1969-70 situated on G.T. Road bye pass near Meerut Road Crossing, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered No. 5507 of January 1976 of Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Balwant Singh S/o Ladha Singh,  
R/o E/6, Subhash Gate, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
 CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1896/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2 Bighas 19 Biswas situated at Kasba Karhal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Karnal in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Mann Cold Storage through Smt. Janki Devi Wd/o Ch. Randhir Singh, R/o Randhir Lane, near Mann Filling Station, (Petrol Pump) G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 19 Biswas out of land comprised in Khasra Nos.

	8286	Min. South,	8287	8288
		2	2	2
	8306	0-2	1-19	2-8
	8290		Khwat No. 2078, Khatoni No. 4657.	
		2	2	2
		Min North		
	0-10	0-19		

situated on G.T. Road Bye Pass near Meerut Road crossing Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 550 of January 1976 of Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-9-1976  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Gian Singh S/o Sh. Balwant Singh  
R/o E-6 Subhash Gate, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNI/1897/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 Bighas 10 $\frac{1}{2}$  Biswas situated at Kasba Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in January, 1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) M/s Mann Gold Storage through Smt. Janki Devi Wd/o Ch. Randhir Singh, Randhir Lane, G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 10 $\frac{1}{2}$  Biswas out of land comprised in Khasra Nos. (a) 8305 Min North

0-7	Khewat No. 1151	Khatoni No.
	2770	

27

(b) 13379	8306	
8309	Min North	Min North
3-14		1
		4-11
8307	Min North	8308
4-5		Min West
		2-15

Khewat No. 1100-1101,

Khatoni No. 2731-31, situated on G.T. Road Bye Pass near Meerut Road Crossing Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deen No. 5509 of January 1976 of the Registering Officer Karnal).

G. P. SINGH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Aange, Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) S. Sher Singh S/o Sh. Ladha Singh  
R/o E/6, Sughash Gate, Karnal.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1898/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas 2 Biswas situated at Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karnal in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S. Sher Singh S/o Sh. Ladha Singh  
R/o E/6, Sughash Gate, Karnal.

(2) M/s Mann Gold Storage Karnal,  
through Smt. Janki Devi Wd/o  
Ch. Randhir Singh,  
R/o Randhir Lane,  
near Mann Filling Station,  
G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **THE SCHEDULE**

Khewat No. 1100-1101, Khatoni No. 2731-32, Jamabandi 1969-70 situated on G.T. Road bye pass near Meerut Road Crossing, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5528  
of January, 1976 of the Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Scale :

## FORM ITNS

(1) Sh. Gian Singh S/o Balwant Singh,  
R/o E/6, Subhash Gate, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

(2) M/s. Mann Cold Storage Karnal  
through Smt. Janki Devi Wd/o  
Ch. Randhir Singh,  
R/o Randhir Lane,  
near Mann Filling Station,  
(Petrol Pump) G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1899/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 3 Bighas 5½ Biswas situated at Kasba Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Karnal in January, 1976

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 5½ Biswas out of land comprised in Khasra No :—

Land measuring 3 Bighas 5½ Biswas out of land comprised in Khasra No.

13379	Min North;	8306	Min North
8309		4-11	
3-14			
8307	Min North	8308	Min. West.
4-5		2-15	

Khatoni No. 2731-32, Khewat No. 1100-01, Jamabandi year 1969-70 situated on G.T. Road bye pass near Meerut Road Crossing, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5530 of January 1976 of Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(2) S/Shri

1. Rajinder Singh &  
 2. Harinder Singh  
 S/o Mohar Singh  
 R/o Mall Road,  
 Karhal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE,  
 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1900/75-76.—Whereas, I G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 4 Bighas 4 Biswas situated at Karhal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in January, 1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) S/Shri  
 1. Gurdip Singh  
 2. Gurcharan Singh

S/o Khan Singh

Residents of Delhi, through  
 Sh. Mohar Singh S/o Sh. Karam Singh,  
 Special Power of Attorney,  
 Mall Road, near D. C. residence,  
 Karhal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4 Bighas 4 Biswas out of the land comprised in Khasra Nos. 2899, 8296, 8295, 8292, 8293 :

2	2	2-2J	1	2-2
				1-10

situated on G. T. Road Byc Pass near Meerut Road crossing, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5781 of January, 1976 of the Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH,

Chandigarh, the 3rd September 1976

Ref. No. KNL/1901/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 Kanals 15 Marlas situated at village Mangalpur Teh. & Distt. Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January, 1976 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kalawati wd/o Late Sh. Jagdish Chand  
S/o L. Sita Ram,  
R/o Mohalla Dhobiah,  
Karnal.

(Transferor)

(2) S/Shri  
1. Sushil Kumar  
2. Ashok Kumar  
3. Sanjiv Kumar  
4. Ashwani Kumar  
5. Amrit Kumar

Ss/o L. Ram Sarup

6. Smt. Kusum Lata  
7. Smt. Pushap Lata  
8. Smt. Riksha Lata  
9. Smt. Rupwati

Ds/o L. Ram Sarup  
C/o M/s. Telu Ram Ram Sarup,  
Novelty Road,  
Karhal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 8 Kanals 15 Marlas (5294 sq. yds) falling in Khewat No. 4, Khatoni No. 9, Khasra No.

24	31
18	23
1	3
1	6-16 0-1

1-18

situated in village Mangalpur Teh. and Distt. Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5819 of January, 1976 of the Registering Officer Karnal.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. CHD/1876/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.F. No. 1001, 1002, 1003 situated at Sector 22-B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Gian Kaur W/o S. Mohan Singh,  
2. Sh. Sohan Singh  
3. Sh. Mohan Singh      S/o Sh. Sher Singh,
4. Sh. Gurmail Singh S/o S. Narain Singh,  
5. Sh. Malkiat Singh S/o S. Sohan Singh,  
R/o S.C.F. No. 1001 to 1003, Sector 22-B,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. S. Prem Singh S/o Sh. Saudagar Singh,  
2. Smt. Surjinder Kaur W/o Sh. Prem Singh,  
3. Sh. Balbir Singh  
4. Sh. Jagtar Singh  
5. Sh. Kuldip Singh  
6. Sh. Hargobind Singh      S/o Sh. Prem Singh,  
7. Smt. Joginder Kaur W/o Sh. Jagtar Singh,  
8. Smt. Jatinder Kaur W/o Kuldip Singh,  
9. Smt. Sarabjit Kaur W/o Sh. Balbir Singh,  
All residents of House No. 113, Sector 11-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Minerva Restaurant.  
2. M/s. Zandu Pharmacy.  
3. M/s. K. D. Sharma and Sons.  
4. M/s. Sardar Trading Corporation.  
5. M/s. Sai Ram Textiles.  
6. M/s. M. J. Textile Corporation.  
7. M/s. Bharat Textiles.  
8. M/s. Bansal Brothers.  
9. M/s. B. S. Textiles.  
10. M/s. Om Parkash Amar Nath.  
11. M/s. Azad Textiles.  
12. M/s. Bachan & Company.  
13. M/s. Jai Textiles.  
14. M/s. All India Publishing House.  
15. M/s. Turban Centre.

All Tenants of:  
S.C.F. No. 1001 to 1003, Sector 22-B,  
Chandigarh.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

S.C.F. No. 1001, 1002 and 1003, Sector 22-B, Chandigarh  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1428 of March, 1976 of the Registering Officer Chandigarh.)

G. P. SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Hira Nand S/o Sh. Harnam Dass  
R/o 6/296, Geeta Colony,  
Illaqa Shahdra, Delhi-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
136, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. RTK/(DLI)/1/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing No. 171 Ward No. IX situated at Qilla Road, Rohtak

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

- (2) Sh. Bahadur Chand S/o Sh. Sain Ditta Mal C/o Jagdamba Cloth House, Qilla Road, Rohtak.

(Transferee)

- (3) Sh. Ishar Dass, Shop No. 171 Ward No. IX, Qilla Road, Rohtak.  
[Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 171 Ward No. IX, situated at Qilla Road, Rohtak.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 137 of April, 1976 of the Registering Officer Delhi.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Vidya Sagar Gupta Advocate  
S/o Sh. Chaman Lal,  
R/o W-III/422, Mall Road, Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. KNL/1/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land measuring 1200 Sq. yds. which is part of House No. W-III/422, situated at Mall Road, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Gian Parkash & Sons,  
Brick Kiln Owners,  
Chaura Bazar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 1200 Sq. yds. which is a part of House No. W-III/422, Mall Road, Karnal.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 547 of April, 1976 of Registering Officer, Karnal).

G. P. SINGH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Vidya Sagar Gupta Advocate,  
House No. 422, Sector III,  
Mall Road, Karnal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. KNL/1944/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House No. 422 situated at Sector III, Mall Road, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in March, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Sham Lal Aggarwal  
S/o Sh. Jhandu Mal  
House No. 422, Sector III,  
Mall Road, Karnal.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of House No. 422, Sector III, Mall Road, Karhal

(Property as mentioned in the registered Deed No. 6814 of March, 1976 of the Registering Officer, Karnal.)

(a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) S. Bhag Singh S/o Sh. Hari Singh,  
R/o Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. LDH/C/1738/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 Kanal, 15 Marlas situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) New India Colonizers,  
55, Bhadaur House,  
Ludhiana,  
through Sh. Bal Krishan.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5 Kanal 15 Marlas situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 7023 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) S. Bhag Singh S/o S. Hari Singh,  
R/o Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) New India Colonizers,  
55, Bahadur House,  
Ludhiana,  
through Sh. Bal Krishan.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. LDH/C/1740/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 Kanals 15 Marlas situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 5 Kanals 15 Marlas situated at Taraf Kara Bara Teh. Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 7047 of January, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Narinder Paul Singh S/o  
S. Ravel Singh  
R/o 1357, Sector 15-B,  
Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Sh. Mukhtiar Singh S/o Sh. Bhagat Singh  
2. Smt. Parkash Kaur W/o Sh. Mukhtiar Singh &  
3. Sh. Balkar Singh S/o Mukhtiar Singh  
R/o H. No. 3253, Sector 15-D,  
Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. CHD/1877/75-76.—Whereas, J. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No.3253 situated at Sector 15-D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3253, Sector 15-D, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1429 of March, 1976 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 13-9-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Surinder Nath Sood S/o Sh. Kanwar Lal  
R/o H. No. 94, Sector 21-A,  
Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Sh. Kanwar Lal S/o Sh. Mehar Chand  
R/o H. No. 94, Sector 21-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH**

Chandigarh, the 13th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. CHD/1678/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 share of Incomplete H. No. 3061 Sector 21-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/3 share of Incomplete H. No. 3061 situated in Sector 21-D, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1233 of Feb., 1976 of the Registering Officer Chandigarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH**

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. I.DH/C/1843/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 133-H, measuring 500 Sq. yds.

situated at Sarabha Nagar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—  
26—276GI/76

(1) M/s Jain Land & Finance Company Ludhiana through Sh. Muni Lal Jain S/o Sh. Kundan Lal Jain R/o B VIII-4 Gokal Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Karam Chand Handa S/o Sh. Hans Raj Handa R/o 7 Green Park, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 133-H, measuring 500 Sq. yds. situated at Sarabha Nagar Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8261 of March, 1976 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. LDH/C/1821/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27-H,

situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Girdhari Lal Jindal S/o  
S/o Sh. Charan Dass Jindal  
C/o Nav Yug Trading Corporation  
Mohindra Market Lakkar Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur W/o S. Kartar Singh,  
502 Akal Garh Kadian,  
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 27-H, measuring 500 Sq. yds. situated at Sarabha Nagar Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 8069 of Feb., 1976, of Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 13-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Birender Singh, S/o  
Sh. Partap Singh,  
R/o H-33, Jang Pura Ext, New Delhi.

(Transfcor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) (i) Smt. Harsimran J. Singh,  
W/o Sh. Jasbir Singh.  
(ii) Sh. Jasbir Singh, S/o Sh. Kala Singh,  
R/o 372 Jail Road, Ludhiana.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 13th September 1976

Ref. No. CHD/6/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 4 with plot situated at Sector 4, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the (consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kothi No. 4 with plot situated in Sector 4, Chandigarh.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 12 of April, 1976 of the Registering Officer Chandigarh.)

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Harcharan Singh s/o  
Sh. Balwant Singh, Village Sarainaga,  
Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Harisimaran Singh,  
s/o Sh. Daya Singh, 5, Jantar Mantar Road,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 16th September 1976

Ref. No. SNP/1907/75-76.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 67 Kanals 9 Marlas situated at village Panchi Gujran Teh. & Distt. Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 67 Kanals 9 Marlas situated in village Panchi Gujran Teh. & Distt. Sonepat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3032 of January, 1976 of the Registering Officer, Sonepat).

G. P. SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1976

Ref. No. AP/1621/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Green Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurpreet Singh, Jaipreet Singh & Rajhans Kaur d/o Rajinder Singh, Rajinder Kaur w/o Rajinder Singh, Resident of Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Sajjan Singh son of Hira Singh, V. & P.O. Narli, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As in S. No. 2 overleaf.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land as mentioned in registration deed No. 9395 of Registering authority, Jullundur registered in February, 1976.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Nagar Singh son of Uttam Singh s/o Buta,  
village Khawaspur, District Hoshiarpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September, 1976

Ref. No. AP/1620/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at village Khawaspur, Distt. Hoshiarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagdeep Singh s/o Rajinder Singh s/o Puran Singh, resident of Dagana Kalan, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land as mentioned in registration deed No. 4081 of February, 1976, of Registering authority, Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1976

Ref. No. AP/1619/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at village Moranwali, Teh. Garhshanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garhshanker on February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dasso d/o Naurang Singh son of Mehtab Singh, village Moranwali, Tehsil Garhshanker.

(Transferor)

(2) Shri Piara Singh, Darshan Singh, Karnail Singh sons of Naurang Singh son of Mehtab Singh, village Moranwali, Tehsil Garhshanker.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.

(Person in occupation of the property)

(4) Personal

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at village Moranwali as mentioned in the registration deed No. 3368 of February, 1976, of Registering authority, Garhshanker.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hari Chand son of Shri Chhaju Ram, Basti Baba Khel, Tehsil Jullundur, Distt. Jullundur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 6th September, 1976

Ref. No. AP/1618/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Near Shastri Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Shri Navtej Singh son of Shri Sohan Singh, village Khankhana, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.

2. Balbir Singh son of Sohan Singh, village Khan-khana, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.

3. Hardev Singh s/o Sohan Singh, village Khan-khana, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.  
(Transferee)

(3) M/s. Harish Tractor Garage, Nehru Garden Road, Jullundur.  
[Person in occupation of the property]

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at Nehru Garden Road, Jullundur, as mentioned in registration deeds Nos. 8609, 8610 & 8611 of January, 1976, of Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hari Chand son of Chhajju Ram, Basti Baba Khel, Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Hardev Singh son of Sohan Singh of village Khankhana, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) M/s. Harish Tractor Garage, Nehru Garden Road, Jullundur.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP/1617/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at near Shastri Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

Property at Nehru Garden Road, Jullundur, as mentioned in Registration deed No. 8611 of January, 1976, of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

27—276GI/76

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1976

Ref. No. AP/1616/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Near Shastri Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Chand son of Chhajju Ram, Basti Baba Khel, Tehsil Jullundur.  
 (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh son of Sohan Singh, village Khan-khana, Teh. Nawanshahar, Distt. Jullundur.  
 (Transferee)
- (3) M/s. Harish Tractor Garage, Nehru Garden, Jullundur.  
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
 (Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nehru Garden Road, Jullundur as mentioned in Registration Deed No. 8610 of January, 1976, of Registering Authority, Jullundur

RAVINDER KUMAR,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hari Chand son of Chhajju Ram, Basti Baba Khel, Tehsil Jullundur.  
(Transferor)

(2) Shri Navtej Singh son of Sohan Singh, village Khankhana, Tehsil Nawanshahar, Distt. Jullundur.  
(Transferee)

(3) M/s. Harish Tractor Garage, Nehru Garden Road, Jullundur.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September 1976

Ref. No. AP/1615/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Near Shastri Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nehru Garden Road, Jullundur, as mentioned in Registration deed No. 8609 of January, 1976 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Bibi Raj Prit Kaur d/o Guru Amarjit Singh, The Fort, Kartarpur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) M/s. Sodhi & Sodhi Enterprises Pvt. Ltd. The Fort, Kartarpur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 6th September 1976

Ref. No. AP/1614/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur district Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land at Kartarpur as mentioned in registration deed No. 8490 of January, 1976, of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurbux Singh, Advocate, son of Shri Narain Singh, Milap Chowk, Jullundur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th September, 1976

Ref. No. AP/1609/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Milap Chowk, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Guru Nanak Public Welfare, Milap Chowk, Circular Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building as mentioned in registration deed No. 8073 dated 6-1-1976 (Jan. 76) of Registration Authority, Jullundur.

**RAVINDER KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-9-1976.

Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Fateh Chand son of Shri Des Raj N.F. 140,  
Mohalla Thaparan, Jullundur City.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Tarsem Lal, Paramjit & Prem Lal sons of  
Shri Achar Ram, Resident of Maguval Tehsil &  
District Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Jullundur, the 30th August 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1608/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Model Town Link Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registration Deed No. 8243 of January, 1976, of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269C of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 30-8-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Chet Singh s/o Kushal Singh Basti Sheikh, Jullundur  
c/o Babul Singh Kazi Mandi, Jullundur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th September 1976

Ref. No. AP-1622/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at Railway Godam, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Aya Ram son of Shri Rakha Ram, 1/4th share  
Shri Diwan Chand s/o Dasondhi Ram, 3/4th share  
c/o Dewan & Co. Property Dealers, G.T. Road.  
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

5 kanals 2 marlas agricultural land as mentioned in registration deed No. 8103 of January, 1976, of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 14-9-1976.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 18th September 1976

Ref. No. 5525/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 Tank Bund Road situated at Nungambakkam, Madras (8252 Sq. ft. of land (with building)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSR Madras North (Doc. No. 2522/76) on 29-1-1976  
F.N. 15-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. Raman;  
2. Shri R. Narayanan;  
3. Shri R. Krishnan  
4. Shri R. Prem Kumar  
Represented by Power of Attorney Shri R. Jayakumar, No. 3/7 College Road, Madras.  
5. Mrs. Gowri R. Menon;  
6. Mrs. Jayanthi G. Menon;  
7. Mrs. Dukmani Nair  
Represented by Power of Attorney Agent : Shri R. Jayakumar, 3/7 College Road, Madras.  
(Transferor)

- (2) M/s. Millet Rochas P. Ltd. (Represented by its Managing Director Shri H. M. A. Abdul Hameed)  
No. 5 Tank Bund Road, Madras-34.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 8252 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 5 Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras-34 (R.S.No. 554/4).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 18-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Jayanthi G. Menon 3/7 College Road, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Millet Rochas P. Ltd. 5 Tank Bund Road,  
Madras-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th September 1976

Ref. No. 5068/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 554/4, D.No. 5, situated at Tank Bund Road, Madras-34 (3538 Sq. ft. of vacant land)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at PSR Madras North (Doc. No. 369/76) on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—276G1/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land admeasuring 3538 Sq. ft. situated at Door No. 5, Tank Bund Road, Madras-34 (R.S.No. 554/4 Part).

S. RAJARATNAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 18-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Gowri Menon 3/7 College Road, Madras,  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Millet Rochas P. Ltd. 5 Tank Bund Road, Madras  
34.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 5068/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 554/4; D. No. 5, situated at Tank Bund Road, Madras (3610 Sq. ft. of vacant land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras North (Doc. No. 370/76) on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3610 Sq. ft. situated at Door No. 5 Tank Bund Road, Madras-34 (R. S. No. 554/4 Part).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-1, Madras-6

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Rukmani Nair by Power Agent R. Jayakumar  
No. 1/211 Gariahat Road, Jodhpur Park Calcutta-  
31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 18th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 5068/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS 554/4, D. No. 5 situated at Tank Bund Road Madras (3610 Sq. ft. of vacant land)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras North (Doc. No. 371/76) on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3386 Sq. ft. situated at Door No. 5, Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras (R.S.No. 554/4).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1976

Scal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. Jayakumar 3/7 College Road, Madras.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.(2) Shri H. M. A. Abdul Hameed No. 2 Prime street,  
Bangalore-25.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 5068/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 554/4; D. No. 5 situated at Tank Bund Road, Madras-34 (3467 Sq. ft. of vacant land)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Madras North (Doc. No. 372/76) on 29-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3467 Sq. ft. situated at Door No. 5, Tank Bund Road, Madras-34 (R.S.No.554/4).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Chri P. K. Nair by Power Agent Shri R. Jayakumar  
No. 3/7 College Road, Madras.

(Transferor)

(2) Shri A. N. A. Rahimathullah 36/B Ismail St.,  
Koothanallur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 18th September 1976

Ref. No. 5068/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS 554; Door No. 5 situated at Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras (2 grounds of vacant land)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Madras North (Doc. No. 373/76) on 29-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 grounds situated at Door No. 5, Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras-34 (R.S.No. 554).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 18-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

1. Shri B. Nageswara Rao, S/o Sri B. Lakshminarayana, Journalist Colony, H. No. Plot No. 19 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC. No. 149/76-77.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-621/97 situated at Sanjeevareddy Nagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, Hyd. on 27-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

2. Shri M. Suryanarayana Raju, S/o M. Jogijannatha Raju, H.No. 6-3-668/9 at Panjagutta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House bearing M.No. 7-1-621/97 at Sanjeevareddy Nagar Colony, Hyderabad, Admeasuring 393.06 Sq. Yds.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC.No. 150/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 32 in situated at M. No. 156 to 159 at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-1-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. 1. Smt. Hushmuthunnisa Begum, Sardar Patel Road, Secunderabad.

2. Sri Jainaryana Misra, 26-A S. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Sri B. Manakchand Jain, H. No. 15-2-760 at Osman-gunj Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 32 in the house M.No. 2-11-30 and 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-9-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC.No. 151/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 31 situated at M. No. 2-11-30 & 156 to 159 at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunder on 15-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Hushmuthunnisa Begum, S. P. Road, Secunderabad.
1. (2) Sri Jainarayana Misra, 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.  
(Transferor)
2. Sri Premchand Jain S/o Late Kalyanmal Jain, H.No. 15-2-760 at Osmangunj Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that portion and parcel M. No. 2-11-30 and 145 to 159 plot. No. 31 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-9-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC.No. 152/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 38 situated at M. No. 156 to 159 at Sardar Patel Road Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. (1) Smt. Hushmuthunnisa Begum, Paigha House, S.P. Road, Secunderabad.

(2) Sri Jainorayana Misra R/o 26-A Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Shri N. Anjan Rao, S/o late Sri N. Mahboob Reddy, H. No. 1-10-221 Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act that have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot. of land No. 38 admeasuring 391.00 Sq. Yds. in M. No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—276GI/76

## FORM ITNS—

1. Sri Valliram S/o Davaram C/o Hotel Imperior,  
Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC.No. 153/76-77—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mulgi No. 4-1-834 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : on 2nd floor M.No. 4-1-834 Abid Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Sri Waliram S/o Dayaram, C/o Imperial Hotel,  
Nampally Station Road, Hyderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Ajaz Ahmed, S/o Abdul Ghaffar, H.No. 4-1-520  
at Trrop Bazar, Hyderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd September 1976

Ref. No. RAC.No. 154/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4-1-834 situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

First floor on Mulgi. No. 4-1-834 at Abid Road, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-9-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Smt. Hashmuthunnisa Begum, and Sri Jainarayana Misra residing at Sardar Patel Road, Secunderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 3rd September 1976

Ref. No. RAC No. 155/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 23 in M.No. 156 to 159 situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

2. Sri Prakash Aluwalia, 31/4 2-TR Prakasmnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot. No. 23 in M. No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. 400 Sq. Yds.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM JTNS

1. 1. Smt. Hashmathunnisa Begum,  
2. Sri Jainarayana Misra, S.P. Road, Secunderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Smt. K. Sundari Bai, H. No. 11-1-194 at Mylalgadda, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd September 1976

Ref. No. RAC No. 156/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 33 in M.No. 156 to 159 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 29-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot. No. 33 in the M. No. 156 to 159 at Sardar Patel Road, Secunderabad. Area : 388 Sq. Yds.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1976

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1976

Ref. No. RAC No. 163/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-171 to 176 situated at Kanjarguda, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 19-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. 1. Shri Macherla Laxminarasamma,
2. M. Jai Hind,
3. M. Ashok,
4. M. Anjanibai,
5. M. Pramila all residing at 1-3-773 at Kavadiguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. 1. Sri Woopalanchi Venkateshwar Rao, R/o Shivaji-nagar, Secunderabad.
2. Woopalanchi Srinivasa Rao, R/o H.No. 251 West Haredpalli, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that premises No. 2262, 2263 and 2264 (New Nos. 4-2-171 to 176) situated at Kanjarguda, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Parmanand Mohanlal Patel, 2. Smt. Jyotsna Parmanand Patel, through Power of Attorney Holder, Shri Laljibhai Magantal Patel, Nathalal Colony, Stadium Road, Navjivan, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Natwarlal Motilal Patel, Vishnunagar Society, Saraspur, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 3rd September 1976

No. Acq. 23-I-1132(515)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 197-B, 415-B, Part, FP No. 227, SP No. 3/3 TPS No. 14, Dariyapur Kazipur, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring in all 298.5 sq. yards S.No. 197-B, 415-B-Part, S.P. No. 3/3 of TPS No. 14, situated at Dariyapur-Kazipur, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. KATHURIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 3-9-1976.

Seal :

## SUBORDINATE SERVICES COMMISSION

## NOTICE

ASSISTANTS GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED  
DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION,  
1977

New Delhi, the 9th October 1976

No. 12/9/76-F.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi, will hold on 10th and 11th February, 1977 at Delhi a limited departmental competitive examination for making additions to the Select List of Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service.

## 2. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

Must be a permanent or regularly appointed temporary officer of the Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

- (a) *Length of Service.*—Must have, on 1st January, 1977 rendered not less than three years of approved and continuous service in the Upper Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service; and
- (b) *Age.*—There will be no upper age limit for the examination to be held in 1977.

3. *Fee.*—Rs. 16.00 (Rs. 4.00 for S.C./S.T.).

4. Full particulars and application forms are obtainable from Subordinate Services Commission, West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by recorded delivery) by means of CROSSED (A/C Pavee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Secretary, Subordinate Services Commission at R.K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or by cash payment at the sale counter in Commissioner's Office.

5. Completed application forms, must reach the Commission by 27th November, 1976.

MADAN LAL, Secretary.

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE  
EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 9th October 1976

No. F. 9/7/76-E.I.(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 5th April, 1977, at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 9th October, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure II, para 9).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below :—

## Category I

Section Officers' Grade of the — 75\*\*  
Central Secretariate Service.

## Category II

Section Officers' Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'. — 5\*\*

## Category III

Section Officers' Grade of the — 3 (Includes one vacancy reserved for Scheduled Castes candidate)  
Railway Board Secretariat Service.

## Category IV

Grade B of the Central Secretariat Stenographers' Service. — 10\*\*

## Category V

Grade I of the Stenographers' Sub-cadre of the Indian Foreign Service Branch 'B'. — 10\*\*

## Category VI

Grade B of the Armed Forces — 2 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates).  
Headquarters' Stenographers' Service.

## Category VII

Grade B of the Railway Board\* Secretariat Stenographers' Service.

The above number is liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

3. A candidate who is eligible for two Categories of Services of Rule 3) and wishes to complete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their applications the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless such a request is received in the Office of the Union Public Service Commission on or before 31st October, 1977.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1977. Applications on forms other than the one prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1977 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 6th December, 1976 (20th December, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from

a date prior to 6th December, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

#### APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

7. If any candidate who took the combined Limited Departmental Competitive Examination 1976 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1976 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1976 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 2 of Annexure I provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the commission's office within a month from the date of announcement of the final results of the 1976 Examination.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

#### ANNEXURE II

##### Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the notice. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELINKT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He

276GI/76

may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

NOTE.—Candidates are allowed the option to answer question papers in certain subjects in English or in Hindi (Devanagari) *vide* paragraphs 4 and 5 of the Appendix to the Rules for the Examination. Candidates should clearly specify in column 9 of the application form, the name of the language in which they wish to answer those question papers. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained. If no entry is made in the said column, it will be assumed that the papers will be answered in English.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakashadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 6th December, 1976.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5, below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iv) AND (v) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHORTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iii) are given below and of those in items (iv) and (v) are given in paras 4 and 5 :—

- (i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

**NOTE.**—Candidates residing abroad at the time of submitting their application may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission Examination fees". The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.**—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

**NOTE 2.**—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

**NOTE 3.**—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of date of birth.

(iii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

**N.B.**—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The document not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari..... son\*/daughter of ..... of Village\*town ..... in District\*/Division ..... of the State\*/Union Territory of ..... belongs to the ..... Caste\*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste\*/Scheduled Tribe under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Recognition Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970\*

2. Shri\*/Shrimati/Kumari ..... and\*/or his\*/her family ordinarily reside(s) in village\*/town..... of District\*/Division ..... of the State\*/Union Territory of .....

Signature .....

\*\*Designation.....

(with seal of office)

Place ..... State\*/Union Territory

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under item (ii) or item (iii) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 26th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under item (iv) or item (v) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under item (vii) or item (viii) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon,

to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zair and Ethiopia claiming age concession under item (vi) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under item (ix) or item (x) of Rule 3(c) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certified that Rank No. ————— Shri ————— of Unit ————— was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

6. Candidates are warned that they should not furnish & particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

7. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.

8. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contract the Commission for the acknowledgement.

9. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contract the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

10. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations held before 1976 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Department Competition Examination are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained

from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110001) and (iii) Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

11. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

12. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

(1) NAME OF EXAMINATION.

(2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.*

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THIS MATTER.